हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • शनिवार • 09.08.2025 • वर्ष : 16 • अंक : 19 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

कैबिनेट : पीएमयूवाई लाभार्थियों को 300 रुपये प्रति सिलेंडर सब्सिडी देने को मंजूरी

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई कैबिनेट बैठक में वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के लाभार्थियों को 300 रुपये प्रति 14.2 किलोग्राम सिलेंडर सब्सिडी देने को मंजूरी दी गई है। इसके लिए 12 हजार करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे। कैबिनेट के फैसले की जानकारी देते हुए केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पीएमयूवाई उपभोक्ताओं की औसत प्रति व्यक्ति खपत (पीसीसी) 2019-20 में केवल लगभग 3 रिफिल थी, जो 2022-23 में 3.68 रिफिल और 2024-25 में बढ़कर लगभग 4.47 रिफिल हो गई है।
प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) मई 2016 में शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य देशभर में गरीब परिवारों की वयस्क महिलाओं को निशुल्क एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराना है। एक जुलाई, 2025 तक देश में लगभग 10.33 करोड़ पीएमयूवाई कनेक्शन हैं।
सभी पीएमयूवाई लाभार्थियों को सिलेंडर की सुरक्षा जमा राशि, प्रेशर रेगुलेटर, सुरक्षा होज, डोमेस्टिक गैस कंज्यूमर कार्ड (डीजीसीसी) पुस्तिका और इंस्टॉलेशन शुल्क सहित निःशुल्क एलपीजी कनेक्शन मिलता है। उज्ज्वला 2.0 की मौजूदा व्यवस्था के अनुसार, सभी लाभार्थियों को पहला रिफिल और चूल्हा भी निःशुल्क दिया जाता है। लाभार्थियों को एलपीजी कनेक्शन, पहला रिफिल या चूल्हे के लिए कोई भुगतान नहीं करना पड़ता, क्योंकि इनकी लागत भारत सरकार/तेल विपणन कंपनियां वहन करती हैं।
भारत अपनी एलपीजी आवश्यकता का लगभग 60 प्रतिशत आयात करता है। अंतरराष्ट्रीय एलपीजी कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव के प्रभाव से पीएमयूवाई लाभार्थियों को बचाने और उन्हें सस्ती एलपीजी उपलब्ध कराने, साथ ही इसके निरंतर उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए, सरकार ने मई, 2022 में 200 रुपये प्रति 14.2 किलोग्राम सिलेंडर (अधिकतम 12 रिफिल प्रति वर्ष, और 5 किलोग्राम कनेक्शन के लिए अनुपातिक) की लक्षित सब्सिडी शुरू की थी।

केन्द्र की मेरिट योजना को बजटीय सहायता को मंजूरी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को 4,200 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ बहुविषयक शिक्षा और तकनीकी शिक्षा में अनुसंधान

सुधार (मेरिट) योजना के लिए बजटीय सहायता को मंजूरी दी है। इस योजना का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (एनईपी-2020) के अनुरूप राज्यों में तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता, समानता और प्रशासन में सुधार लाना है।
केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह एक 'केंद्रीय क्षेत्र योजना' है। इसका कुल वित्तीय भार 2025-26 से 2029-30 की अवधि के लिए 4200 करोड़ रुपये होगा। 4200 करोड़ रुपये में से विश्व बैंक से ऋण के रूप में 2100 करोड़ रुपये की सहायता प्राप्त होगी।
इसके अलावा 175 इंजीनियरिंग संस्थानों और 100 पॉलिटेक्निक संस्थानों सहित 275 तकनीकी संस्थानों में तकनीकी शिक्षा में योजना के कार्यान्वयन के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है। इस योजना के अंतर्गत अनुमानित 275 सरकारी व सरकारी सहायता प्राप्त तकनीकी संस्थानों का चयन और समर्थन किए जाने की उम्मीद है। इसमें चुनिंदा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), राज्य इंजीनियरिंग संस्थान, पॉलिटेक्निक और संबद्ध तकनीकी विश्वविद्यालय (एटीयू) शामिल होंगे। इसके अलावा तकनीकी शिक्षा क्षेत्र को संभालने वाले राज्यों के विभागों को भी मेरिट योजना के माध्यम से सहायता प्रदान की जाएगी। इसके अलावा, इस योजना से लगभग 7.5 लाख छात्र लाभान्वित होंगे।

तमिलनाडु में 4-लेन मरक्कानम-पुडुचेरी हाइवे परियोजना को मंजूरी

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने तमिलनाडु में 46 किलोमीटर लंबे 4-लेन के मरक्कानम-पुडुचेरी हाइवे के निर्माण को मंजूरी दी है। परियोजना की कुल लागत 2,157 करोड़ रुपये तय की गई है और इससे क्षेत्र में संपर्क सुविधाओं के साथ-साथ बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन होगा।
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में शुक्रवार को मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने उक्त आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की।सूचना प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव ने फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि यह परियोजना सीधे तौर पर लगभग 8 लाख व्यक्ति-दिवस और परोक्ष रूप से 10 लाख व्यक्ति-दिवस के रोजगार का अवसर उत्पन्न करेगी। इस परियोजना के क्रियान्वयन से एक तरह क्षेत्रीय परिवहन बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी और दूसरी तरफ आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी।
हाईवे परियोजना दो प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच-32 और एनएच-332) और दो राज्य राजमार्गों (एसएच-136 और एसएच -203) से जुड़ेगी। इससे तमिलनाडु के प्रमुख आर्थिक, सामाजिक और लॉजिस्टिक केंद्रों से संपर्क आसान होगा। इसके अलावा दो रेलवे स्टेशनों (पुडुचेरी और चिननाबाबूसमुद्रम), दो हवाई अड्डों (चेन्नई और पुडुचेरी) और एक लघु बंदरगाह (कुड्डालोर) से भी परियोजना जुड़ेगी। इस परियोजना से माल और यात्रियों की आवाजाही तेज और अधिक सुगम होगी। क्षेत्रीय विकास, पर्यटन, व्यापार और औद्योगिक गतिविधियों को नई ऊर्जा मिलेगी।

एक नजर

संसद के दोनों सदनों में विपक्ष के हंगामे के चलते कामकाज रहा बाधित

नयी दिल्ली : संसद के दोनों सदनों में शुक्रवार को विपक्ष के हंगामे के चलते कामकाज बाधित रहा। आज दोनों सदनों में भारत छोड़ो आंदोलन की जयंती पर स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया गया। लोकसभा में सदन के पूर्व सदस्य सत्यपाल मलिक के निधन पर शोक व्यक्त किया गया।
लोकसभा में कार्यवाही पहले सुबह 12 बजे और बाद में 3 बजे तक के लिए स्थगित की गई। 3 बजे कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आयकर विधेयक 2025 को सदन की अनुमति से वापस ले लिया। इस दौरान एक बार फिर संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने विपक्षी सांसदों से कामकाज को सुचारू रूप से चलने देने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि शुक्रवार का दिन प्राइवेट मेंबर का होता है और विपक्ष उन्हें भी समय नहीं देना चाहता। इसके बाद कृष्णा प्रसाद तिन्नटी ने कार्यवाही को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और कांग्रेस के ह्यवोट चोरीह्न आरोपों सहित विभिन्न मुद्दों पर शुक्रवार को विपक्षी सदस्यों ने हंगामा किया। इसके चलते एक बार स्थगन के बाद राज्यसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई।

पुत्र धर्म के साथ राजधर्म निभा रहे मुख्यमंत्री, पैतृक आवास से निपटा रहे सरकारी कामकाज

विषम परिस्थितियों में अपना दायित्व निभाने की जनता से मिली हिम्मत : हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : एक तरफ "बाबा" के परलोक गमन की असहनीय पीड़ा, तो दूसरी तरफ राज्य के प्रति जिम्मेदारियों को निभाने की चिंता। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन आज अपनी जिन्दगी के सबसे कठिन समय से गुजर रहे हैं। "बाबा" के निधन का आज पांचवां दिन है। पर, दुःख - दर्द और आंसू थम नहीं रहा है। दिल- दिमाग बेचैन, विचलित और व्यथित है। लेकिन, ऐसे विषम हालात में भी वे पुत्र धर्म के साथ राजधर्म निभा रहे हैं। वे रामगढ़ जिला के नेमरा स्थित पैतृक आवास में एक ओर स्मृति शेष पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के निधन के उपरांत के रस्म रिवाज को पारंपरिक विधि- विधान से निभा रहे हैं, तो दूसरी तरफ शासन-प्रशासन चलाने का भी फर्ज बखूबी निभा रहे हैं, ताकि राज्य के विकास की गति में कोई अवरोध नहीं हो।

राज्यहित से जुड़े विषयों को लेकर पूरी तरह संवेदनशील हैं मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री शोक की इस घड़ी में भी राज्यहित से जुड़े विषयों को लेकर पूरी तरह संवेदनशील हैं। व्यक्तिगत भावनाओं और दुःख - दर्द को सीने में दबाकर वे सरकारी

कामकाज को बेहतर तरीके से निभाने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। जरूरी संचिकाओं का निष्पादन करने के साथ सभी वरीय पदाधिकारियों के साथ नियमित संवाद बनाए हुए हैं। सरकार की गतिविधियों की निरंतर जानकारी लेने के साथ-साथ उन्हें निदेशित किया है कि वे अपने कार्यों में तत्परता व निरंतरता बनाए रखें और इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आमजनों की समस्याओं का तत्काल निराकरण हो। कहीं भी, किसी भी कार्य में कोताही नहीं होनी चाहिए।उन्होंने वरीय पदाधिकारियों से यह भी कहा कि वे उन्हें हर पल अद्यतन सूचनाओं से अवगत कराते रहें तथा आवश्यकतानुसार निर्देश प्राप्त करें।

इन विषम परिस्थितियों में अपना दायित्व निभाने की जनता से मिली हिम्मत

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के निधन के बाद दुःख और मुसीबत की घड़ी में जिस तरह राज्य की जनता मेरे पूरे परिवार के साथ खड़ी रही, उसी से मुझे यह हिम्मत मिली कि मैं इन कठिन परिस्थितियों में भी इस राज्य के प्रति अपने दायित्वों को निभा सकूं।

बाबा को दिए वचन और वादों को निभा रहा हूँ : सीएम

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा हमेशा कहा करते थे- सार्वजनिक जीवन में हमेशा आम जनता के लिए खड़ा रहना। वे संघर्ष की मिसाल थे। उन्होंने कभी झुकना नहीं सीखा। इस राज्य के लिए हमेशा लड़ते रहे। उन्होंने कभी भी अपने व्यक्तिगत हितों को तरजीह नहीं दी। संसद से सड़क तक इस राज्य के लिए संघर्ष करते रहे। आज झारखंड है, तो यह दिशोम गुरु की देन है। लेकिन, अब उनका साया हमारे ऊपर से उठ चुका है। पर, वे हम सभी के लिए पथ प्रदर्शक और मार्गदर्शक रहेंगे। उन्होंने इस राज्य की खातिर मुझसे कई वचन लिए थे । मैं उनसे किए वादों को पूरा करने का हर संभव प्रयास कर रहा हूं।

मुख्यमंत्री खेत में उतरे, धान रोपनी का किया अवलोकन

रामगढ़ : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन का खेती- किसानी से लगाव जगजाहिर है। इसकी बानगी एक बार फिर देखने को मिली, जब रामगढ़ के नेमरा स्थित अपने पैतृक आवास से निकलकर वह खेतों की मेड़ से होते धनरोपनी करते किसानों के बीच पहुंचे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि ना सिर्फ अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, बल्कि हमारी पहचान, अस्मिता, संस्कृति और परंपरा की भी वाहक है। किसान खुशहाल होगा, तभी देश- राज्य समृद्ध होगा। हमारी सरकार किसानों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। बारिश का मौसम है और खेतों में धनरोपनी हो रही है। मुख्यमंत्री ने खेतों में जाकर धान की बुवाई कर रही स्थानीय ग्रामीण महिलाओं से संवाद करते हुए खेती-किसानी के ताजा हालात से रूबरू हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेतों की हरियाली किसानों की कड़ी मेहनत को दर्शाता है। जब फसलें लहलहाएंगी, तो यह उनके चेहरे की मुस्कान बनेगी। मुख्यमंत्री को खेत में अपने बीच देखकर किसानों के चेहरे खिल उठे। उनकी खुशियां देखते ही बन रही थीं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने किसानों से सीधा संवाद किया और उनकी परेशानियां तथा समस्याओं को जाना। उन्होंने कहा कि किसानों का कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। आपके लिए सरकार कई कल्याणकारी योजनाएं चला रही है। अप इन योजनाओं से जुड़ें और अपने को सशक्त बनाएं। मैं आपके लिए हमेशा खड़ा हूं। आपको जो परेशानी हो, बताएं, उसका निराकरण निश्चित तौर पर होगा।

बाराबंकी में भारी बारिश के चलते रोडवेज बस पर गिरा पेड़, 5 की मौत

एजेंसी

बाराबंकी : उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में एक दर्दनाक हादसा हो गया, जहां यूपी रोडवेज की एक बस पर अचानक भारी भरकम पेड़ गिर गया। इस हादसे में बस में सवार चार लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर दुख जताया और पीड़ितों को तत्काल मदद के निर्देश दिए हैं।
ये घटना मामला हरख चौराहे के राजा बाजार क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ जब भारी बारिश के बीच एक रोडवेज बस बाराबंकी से हैदरगढ़ जा रही थी। बारिश के कारण पेड़ की जड़ें कमजोर हो गईं, जिससे वह अचानक बस पर गिर पड़ा। पेड़ के गिरने से बस की छत पूरी तरह चकनाचूर हो गई और कई यात्री उसके नीचे दब गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। उन्होंने बस में फंसे घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। इस हादसे में चालक सहित चार यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। इस बीच, घटनास्थल से जुड़ा एक वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमें बस के अंदर कुछ लोग फंसे हुए नजर आ रहे हैं।

पीएम मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन से की बात, भारत आने का दिया न्योता

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से शुक्रवार को फोन पर बात की। बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने भारत-रूस विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इसी क्रम में राष्ट्रपति पुतिन ने पीएम मोदी को यूक्रेन के साथ जारी संघर्ष के बारे में भी जानकारी दी और प्रधानमंत्री ने इस मुद्दे के शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत के दृढ़ रुख को दोहराया। दोनों नेताओं के बीच यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूसी तेल खरीद को लेकर भारत पर दबाव बढ़ा रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री को यूक्रेन से संबंधित हालिया घटनाक्रमों की जानकारी दी। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय एजेंडे में प्रगति की भी समीक्षा की और भारत और रूस के बीच विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश की सुरक्षा के लिए संकल्पित घुसपैठियों को मतदाता सूची से बाहर किया जाएगा : शाह

एजेंसी

पटना/सीतामढ़ी : बिहार में सीतामढ़ी जिले के पुनौराधाम में शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने माँ सीता के बनने वाले मंदिर की आधारशिला रखी। इस मौके पर गृहमंत्री ने एक सभा को भी संबोधित करते हुए विपक्षी दलों के नेताओं को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर आड़े हाथों लिया।
गृह मंत्री अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश की सुरक्षा के लिए संकल्पित हैं। हर हाल में बांग्लादेश या अन्य देशों से आए घुसपैठिओं को मतदाता सूची से बाहर किया जाएगा। जो भारत में जन्मा नहीं,

उसको मतदान का अधिकार संविधान नहीं देता है। उन्होंने कहा कि घुसपैठियों को मतदान का अधिकार नहीं है। इसलिए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर विपक्ष हंगामा कर रहा है। आने वाले दिनों में पूर्ण बहुमत के साथ बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बनने वाली है। चुनाव आयोग को एसआईआर करना चाहिए या नहीं करना चाहिए, यह तय करने का अधिकार उन्ही का है न कि किसी राजनीतिक दल का।
अमित शाह ने कहा कि चुनाव आयोग ने जो ड्राफ्ट जारी किया है, उस पर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस ने एक भी आपत्ति नहीं किया। तो ये क्या ये लोग उन्हें बचाना चाहते हैं, जो बांग्लादेश से आकर बिहार के युवाओं की नौकरी खा जाते हैं। पहले जब कांग्रेस का राज था, तब देशभर में बम धमाके होते थे।

गृहमंत्री ने मां सीता के भव्य मंदिर की रखी आधारशिला

पटना/सीतामढ़ी : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार बिहार के सीतामढ़ी जिले के पुनौराधाम स्थित मां सीता के भव्य मंदिर की आधारशिला रखी। शिलान्यास से पहले पुनौराधाम के महंत कौशल किशोर दास जी की अगुवाई में भूमि पूजन हुआ। वैदिक मंत्रोंचार के साथ संपूर्ण विधि-विधान के साथ पूजा संपन्न हुई। भूमि पूजन के लिए 21 तीर्थ क्षेत्रों की मिट्टी और कई नदियों का जल मंगाया गया था। इसके अलावा राजस्थान के जयपुर से चांदी के कलश, दिल्ली में चांदी से बनी विशेष पूजन सामग्री और आंध्र प्रदेश के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल तिरुपति बालाजी से विशेष लड्डू भी सीतामढ़ी लाए गए।

आईईडी विस्फोट में कोबरा के दो जवान घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चाईबासा : पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) जिले के दीघा क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा बिछाए गए आईईडी की चपेट में आने से सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन के दो जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। शुक्रवार दोपहर हुए इस विस्फोट के बाद दोनों को एयरलिफ्ट कर रांची लाया गया है। घटना उस समय हुई जब सुरक्षा बल जंगलवर्ती इलाके में नक्सलियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन चला रहे थे। चाईबासा के एसपी राकेश रंजन ने इस घटना की पुष्टि की है।

जंगलों में नक्सलियों के खिलाफ लगातार अभियान

चाईबासा के दुरूह जंगलों और पहाड़ियों में पनाह लेकर माओवादी नक्सली हिंसक वारदातों को अंजाम देते रहे हैं। पुलिस और सुरक्षाबलों की ओर से इन पर

लगातार दबाव बनाए रखने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। नक्सली अपने ठिकानों तक पहुंचने से रोकने और सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के लिए इलाके में जमीन के नीचे आईईडी लगाते हैं, जो हल्के प्रेशर से भी फट जाते हैं।

दो दिन पहले रेल ट्रैक उड़ाया था आईईडी से

सिर्फ दो दिन पहले नक्सलियों ने करमपदा-रेंगडा रेल मार्ग पर आईईडी लगाया था, जिसकी चपेट में आकर रेलवे के एक ट्रैकमैन की मौत हो गई थी। यह घटना भी पश्चिमी सिंहभूम जिले में हुई थी। जून में सारंडा जंगल में आईईडी विस्फोट में सीआरपीएफ के जवान सत्यवान कुमार सिंह शहीद हो गए थे। मार्च महीने में भी आईईडी विस्फोट की तीन घटनाएं हुईं, जिनमें एक सब-इंस्पेक्टर शहीद हुए और पांच जवान-अफसर घायल हो गए थे। पुलिस और अर्धसैनिक बल लगातार अभियान चला रहे हैं। पिछले तीन महीनों में चाईबासा में नक्सलियों के एक दर्जन से ज्यादा डंप नष्ट किए गए, जिनसे हथियार और बड़ी मात्रा में विस्फोटक बरामद किए गए।

एक नजर

दिशोम गुरु शिबू सोरेन को भारत रत्न दिया जाए : संजीव

बड़कागांव : झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य हजारीबाग जिला अध्यक्ष संजीव कुमार बेदिया ने प्रेस बयान जारी कर भारत सरकार से झारखंड राज्य अलग सपने में अग्रणी भूमिका निभाने वाले पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन को भारत रत्न देने की मांग की है। संजीव बेदिया ने कहा कि झारखंड राज्य के निर्माण में शिबू सोरेन की योगदान को कभी भी बुलाया नहीं जा सकता है। गुरुजी का जीवन संघर्षशील, प्रेरणादायी और जन-सरोकारों से ओतप्रोत रहा है।

हाथियों के झुंड ने कई घरों को किया क्षतिग्रस्त

बड़कागांव: प्रखंड अंतर्गत सुदूर ग्रामीण क्षेत्र बलोदर में दो दिनों से हाथियों का आतंक जारी है। बीती रात हाथियों ने बलोदर गांव में जमकर उत्पात मचाया। इस दौरान हाथियों ने कई घरों को निशाना बनाया। घरों को क्षतिग्रत कर घरों में रखे अनाज को हाथी चट कर गए। रमेश गंझू के पक्के मकान को तोड़ कर घर में रखे चावल, अरहर सहित अन्य खाद्य सामग्री खा गए। अक्षय गंझू के मिट्टी के घर को तोड़ दिया और बर्तन को नष्ट कर दिया। हीरामन गंझू के कच्चे मकान को तोड़ कर घर में रखे चावल, अरहर सहित अन्य खाद्य सामग्री खा गए। जीरवा मोसेमात के कच्चे मकान को तोड़ कर घर में रखे चावल, अरहर सहित अन्य खाद्य सामग्री खा गए और बर्तन को को नष्ट कर दिया। दासों गंझू और जगदेव गंझू के घर में रखे चावल और महुआ को हाथी चट कर गए। सभी पीड़ितों ने वन विभाग और प्रखंड प्रशासन से मुआवजे की मांग की है। हाथियों के झुंड में तीन नवजात बच्चे भी हैं। जिसकी कुल संख्या 27 है।

गौतम बुद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय ने दिशोम गुरु को दी श्रद्धांजलि

हजारीबाग : गौतम बुद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय मुकुंदगंज, हजारीबाग परिवार ने शुक्रवार को राज्य के पूर्व सीएम दिशो गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि दी। मौके पर प्राचार्या डॉ बसुंधरा कुमारी ने अपनी संवेदना में गुरुजी को आदिवासियों का मसीहा बताया। साथ ही कहिए कहा कि उन्होंने महाजनी प्रथा से लोगों को निजात दिलाने के लिए बड़ा संघर्ष किया। उनके राजनीतिक कद तक पहुंचने के लिए लोगों को सोचना होगा। गुरुजी शिबू सोरेन का बड़ा सामाजिक चेहरा रहा है। इससे पहले अन्य प्राध्यापकों ने भी अपने-अपने वक्तव्यों से दिशोम गुरु को श्रद्धासुमन अर्पित किया। श्रद्धांजलि सभा में सहायक प्राध्यापक अनिल कुमार, एस.एस. मैती, कुमारी अंजलि, गुलशन कुमार, डॉ मीरा कुमारी, वर्षा कुमारी, जगेश्वर रजक, रचना कुमारी, गायत्री कुमारी, डॉ अन्नपूर्णा कुमारी सिंह, अजय कुमार गुप्ता, प्रवीण कुमार रवि, दिलीप कुमार यादव समेत पूरे कॉलेज परिवार ने दो मिनट का मौन रखा।

निर्मल दा के बलिदान की उपज है आजसू : कामेश्वर महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : आजसू पार्टी बड़कागांव प्रखण्ड कमिटी द्वारा पार्टी के आवासीय कार्यालय गुरु चट्टी में झारखण्ड के वीर शहीद स्व. निर्मल महतो के शहादत दिवस को याद करते हुए उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जिसकी अध्यक्षता आजसू पार्टी के केंद्रीय सदस्य संदीप कुशवाहा व संचालन कामेश्वर महतो ने किया। इस दौरान केंद्रीय सदस्य कामेश्वर महतो ने कहा कि निर्मल दा के बलिदान की उपज है आजसू पार्टी, वहीं प्रवक्ता तापेश्वर कुमार तापस ने कहा कि निर्मल दा के सपनों को पूरा करेगी आजसू पार्टी, मौके पर जिला सचिव दिनेश महतो, प्रखण्ड प्रवक्ता तापेश्वर कुमार तापस , प्रखण्ड सह सचिव घनश्याम दांगी, आजसू नेता अरुण पटेल, रंजीत महतो, नवलेश यादव, महेंद्र महतो, रवि राम, अजय जायसवाल, विनोद महतो, रत्नेश कुमार, राजेश कुमार महतो सहित अन्य कार्यकर्त्ता मौजूद थे।

अनुभव और युवा जोश का मिशाल थे निर्मल महतो : मोनू अख्तर

चौपारण : आजसू कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को हजारीबाग स्थित निर्मल महतो पार्क में स्वर्गीय निर्मल महतो जी का 30वां पुण्यतिथि शहीद दिवस के रूप में मनाई। कार्यकर्ताओं ने उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। जिला सचिव मोनू अख्तर ने कहा कि निर्मल महतो विद्यार्थी जीवन से ही संघर्षशील थे, वे छात्र जीवन से ही सामाजिक आंदोलनों में सक्रिय रहे और युवाओं को जागरूक करने के लिए हमेशा प्रयासरत रहे। उन्होंने हमेशा आदिवासियों, मूलवासियों और वंचित समुदायों के अधिकारों की लड़ाई लड़ी, उन्होंने लोगों को सामाजिक, शैक्षणिक और राजनीतिक रूप से जागरूक किया। कार्यक्रम में जिला संगठन अध्यक्ष परमेश्वर महतो, सचिव मोनू अख्तर सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मनीष जायसवाल ने ओएनजीसी चेयरमैन से की मुलाकात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने गुरुवार की देर शाम को दिल्ली में ओएनजीसी के चेयरमैन अरुण कुमार सिंह से मुलाकात कर उनसे अपने संसदीय क्षेत्र से जुड़े एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा की। इस मुलाकात का मुख्य उद्देश्य हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के बड़कागांव प्रखंड में स्थित 56 लंबित गैस कुओं को फिर से शुरू करवाना था। सांसद मनीष जायसवाल ने ओएनजीसी के चेयरमैन अरुण कुमार सिंह को बताया कि बड़कागांव प्रखंड के अंगो, तलस्वार, बलिया, नापो, हरली, चंदोल और सांढ जैसे गाँवों में ओएनजीसी द्वारा कुल 63 गैस कुएँ खोदे गए हैं। इनमें से वर्तमान में सिर्फ 7 कुओं से ही उत्पादन हो रहा है, जबकि बाकी 56 कुएँ तैयार होने के बावजूद बंद पड़े हैं। सांसद मनीष जायसवाल ने ओएनजीसी चेयरमैन को याद दिलाया कि इन सभी कुओं को ऊर्जा गंगा पाइपलाइन (गेल) परियोजना से जोड़ा जाना प्रस्तावित था, लेकिन अभी तक इस पर काम शुरू नहीं हो पाया है। उन्होंने सिंह से आग्रह किया कि इन कुओं को जल्द से जल्द चालू किया जाए ताकि इन परियोजनाओं को शुरू करने से न केवल क्षेत्र की ऊर्जा क्षमता का सही उपयोग होगा, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे, जिससे पूरे क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी। ओएनजीसी के चेयरमैन ने सांसद मनीष जायसवाल की बातों को ध्यान से सुना और इस मुद्दे पर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

खेल हमें नैतिकता और संयम की शिक्षा प्रदान करता : सरिता देवी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

इटखोरी : हलमता गांव में युवा क्लब फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन गुरुवार को किया गया। आयोजन का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में प्रखण्ड जिला परिषद सदस्य सरिता देवी , हलमता मुखिया आरती देवी पंचायत समिति कंचन देवी प्रतिनिधि जितेंद्र यादव भाजपा नेता जयकुमार दास उप मुखिया गीता देवी ने पूजा अर्चना कर फीता काटकर उद्घाटन किया। मौके पर कार्यक्रम को सफल बनाने में फुटबॉल टूर्नामेंट कार्यक्रम के अध्यक्ष बीरेंद्र यादव उपाध्यक्ष रामस्वरूप यादव कोषाध्यक्ष संदीप दास सचिव राहुल कुमार उप सचिव रवि बीडीओ ग्राफी कप्तान आशीष मांझी उप कप्तान पंकज दास खेल व्यस्थापक सुजीत दास समेत अन्य का नाम शामिल है । इस मौके पर जीप सदस्य सरिता व भाजपा नेता सुजित भारती ने कहा कि खेल हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह हमें स्वस्थ रखने के साथ साथ मानसिक शारीरिक और सामाजिक विकास का भी माध्यम है। खेल हमें नैतिकता और संयम की शिक्षा प्रदान करता है। उन्होंने आयोजित किए जा रहे फुटबॉल टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे खिलाड़ियों को शुभकामना देते हुए कहा कि आप जिला, राज्य और देश का नाम रौशन करें।

बरही थाना में एकल अभियान के तहत रक्षाबंधन उत्सव कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : रक्षाबंधन के पावन अवसर पर शुक्रवार को एकल अभियान के तहत हजारीबाग अंचल समिति बरही संच की ओर से बरही थाना में रक्षाबंधन उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अंचल अध्यक्ष भरत यादव एवं संचालन अंचल सचिव कृष्णा प्रजापति तथा एकल अभियान प्रमुख विनोद कुमार ने की। इस कार्यक्रम के तहत संच प्रमुख शीला देवी के नेतृत्व में बरही संच के 28 विद्यालय की एकल आचार्यों ने बरही थाना पहुंचकर वहां कार्यरत पुलिसकर्मियों को राखी बांधी। इस अनोखी पहल के माध्यम से उन्होंने उन पुलिसकर्मियों के साथ भाईचारे का पर्व मनाया जो अपने घर नहीं जा सके। इस आयोजन का उद्देश्य पुलिसकर्मियों को पारिवारिक अपनत्व का एहसास कराना और नारी सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम का नेतृत्व एकल अभियान के अंचल अध्यक्ष भरत यादव एवं अंचल सचिव कृष्णा प्रजापति ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर महिलाओं ने थाना प्रभारी विनोद कुमार, एस.आई. नागेंद्र पांडेय, एस.आई. सौरभ कुमार, हरेंद्र सिंह समेत अन्य पुलिसकर्मियों को राखी बांधी और उनका मुंह मीठा कराया। रक्षा सूत्र बांधते हुए महिलाओं ने समाज में महिला सम्मान और सुरक्षा को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया। साथ ही पुलिसकर्मियों से अपनी रक्षा का आशीर्वाद प्राप्त किया। बरही थाना परिसर इस दौरान भाईचारे, सौहार्द्र और आत्मीयता के भाव से गूंज उठा। मौके पर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर विनोद कुमार ने कहा कि एकल अभियान की यह पहल सराहनीय है।

डीसी ने जनता दरबार में सुनी आम लोगों की फरियाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : डीसी कीर्तिश्री ने जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए आम लोगों की समस्याएं सुनीं। जनता दरबार में प्राप्त मामलों में मुख्य रूप से भूमि विवाद, शिक्षा विभाग से संबंधित मामले, स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित शिकायतें, आवास योजनाओं से संबंधित समस्याएं और अन्य मामले शामिल थे। लेकिन शायद ही कोई ऐसा जनता दरबार हो जिसमें भूमि विवाद की शिकायत न हो। भूमि विवाद की जड़ में कौन है? आखिर कब तक गरीब लोग यूं ही फरियाद करते रहेंगे? सभी मामलों की सुनवाई के बाद, डीसी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित और पारदर्शी कार्रवाई करने का निर्देश दिया, ताकि आम लोगों को समय पर समाधान मिल सके। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को सुबह 11:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक डीसी की अध्यक्षता में समाहरणालय परिसर में जनता दरबार का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहते हैं, ताकि प्राप्त शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल में रक्षाबंधन उत्सव, बच्चों ने वेस्ट मटेरियल से बनाई खूबसूरत राखियां

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : प्रखंड में देवचंदा मोड स्थित श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल में रक्षाबंधन का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल के बच्चों ने अपनी रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन करते हुए वेस्ट मटेरियल से बेहद खूबसूरत और आकर्षक राखियां बनाईं। इन राखियों की खासियत यह थी कि इन्हें कचरे से उपयोगी सामग्री जैसे पुराने कपड़े, बेकार कागज, मोती, और अन्य रिसाइकिल सामग्रियों से बनाया गया, जिसने न केवल पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया, बल्कि बच्चों की कलात्मक प्रतिभा को भी उजागर किया। समारोह की शुरूआत स्कूल परिसर में रंग-बिरंगे सजावट के साथ हुई, जहां बच्चों ने पूरे पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ रक्षाबंधन का उत्सव मनाया। बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर आत्मीयता के साथ राखी बांधी, जबकि भाइयों ने अपनी बहनों को चॉकलेट के रूप में उपहार भेंट किए। इसके साथ ही भाइयों ने बहनों के प्रति सम्मान और उनकी सुरक्षा का वचन देते हुए उनके चरण स्पर्श किए। इस दृश्य ने सभी के मन को भावुक कर दिया, और स्कूल परिसर भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास के रंग में सराबोर हो गया।स्कूल के प्रिंसिपल के. कुमार ने इस अवसर पर अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा, रक्षाबंधन का यह पर्व न केवल भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक है, बल्कि यह बच्चों को अपनी सृजनात्मकता और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का बोध भी कराता है। हमारे बच्चों ने वेस्ट मटेरियल से इतनी सुंदर राखियां बनाईं कि यह देखकर गर्व होता है। मुझे विश्वास है कि इस तरह के आयोजन बच्चों को सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। स्कूल मैनेजर राकेश कुमार ने भी इस अवसर पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा,श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल हमेशा से बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध रहा है। रक्षाबंधन का यह आयोजन न केवल बच्चों के बीच भाई-बहन के रिश्ते को मजबूत करता है, बल्कि उनकी रचनात्मकता और पर्यावरण के प्रति जागरूकता को भी बढ़ावा देता है। बच्चों ने जिस उत्साह और लगन से राखियां बनाईं और इस पर्व को मनाया, वह वाकई प्रशंसनीय है। यह रक्षाबंधन समारोह न केवल बच्चों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव रहा, बल्कि यह सामाजिक और पर्यावरणीय संदेशों को भी समाज तक पहुंचाने में सफल रहा। बच्चों के चेहरों पर खुशी, उत्साह और एक-दूसरे के प्रति स्नेह की भावना ने पूरे स्कूल को एक परिवार की तरह जोड़ दिया। इस आयोजन ने यह साबित कर दिया कि प्रेम, सम्मान और रचनात्मकता के साथ मनाया गया कोई भी पर्व न केवल रिश्तों को मजबूत करता है।

संक्षिप्त खबरें

संगम पब्लिक स्कूल में राखी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

बड़कागांव : बड़कागांव ठाकुर मोहल्ला स्थित संगम पब्लिक स्कूल के प्रांगण में राखी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें नर्सरी से दसवीं तक के बच्चे ने भाग लिया। प्रतियोगिता में बच्चों ने एक से बढ़कर एक अपने हाथों से राखी बनाया एवं प्रदर्शन किया। प्रत्यूष राज, आयुष, जिया, कनक, आसन, श्वेता, दिव्या, आर्यन, श्रेया जोया, खुशी माही, आलिया, रीता, सोनाक्षी, शिवम, अनुराग, प्राची, सुनीता, कैसफी नाज, प्रीति, जीया, कशिश, सृष्टि, रागिनी आराध्या भाग लिया। विद्यालय के प्राचार्य परवेज आलम एवं उप प्राचार्य प्रवीण कुमार सभी बच्चों को मेडल एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किए। मौके पर उपस्थित विद्यालय के प्रबंधक सुरेंद्र प्रसाद, दिनेश कुमार, तालेश्वर प्रसाद, रमेश साव शिक्षक/शिक्षिका प्रमोद कुमार दास, मोअज्जम, रवि, कुलदीप, धीरज, रंजीत, अखिलेश, रजनी, एलीन, गुलाबशह, शिफा, नरगिस, खुशबू, खुशबू एक्का, रीता, सुनीता आदि मौजूद थे।

पदमा मंडल में हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए हुई बैठक

पदमा : पदमा मंडल में हर घर तिरंगा अभियान को लेकर गुरुवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में बतौर प्रभारी भाजपा प्रदेश नेता रंजीत चंद्रवंशी उपस्थित रहे। अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष बाबूलाल मेहता ने की, जबकि भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर मुख्य रूप से मौजूद थे। बैठक में तय किया गया कि 10 से 14 अगस्त तक तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें आम जनता की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। कार्यकर्ता तख्ती लेकर यात्रा में शामिल होंगे और घर-घर जाकर लोगों को तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करेंगे। साथ ही, 13 से 15 अगस्त तक सभी घरों और प्रतिष्ठानों पर तिरंगा लगाने की अपील की गई। विद्यालय और महाविद्यालय के बच्चों को भी इस अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 15 अगस्त की शाम को ससम्मान तिरंगा उतारने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। 12 से 14 अगस्त तक स्वतंत्रता स्मारकों पर स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा, जबकि मंडल के शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, 14 अगस्त को ह्यविभाजन विभीषिका दिवसह्न मनाया जाएगा। भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर ने कहा कि यह अभियान न केवल राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान व्यक्त करने का माध्यम है, बल्कि लोगों में देशभक्ति की भावना जागृत करने का भी एक प्रभावी प्रयास है। उन्होंने कहा कि तिरंगे की महिमा को जन-जन तक पहुंचाना हर कार्यकर्ता का दायित्व है। बैठक में नारायण यादव, रामानंद गिरि, प्रकाश ओझा, शक्ति केंद्र के संयोजक-सह संयोजक, बूथ अध्यक्ष और मंडल समिति के पदाधिकारी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नीतीश कुमार को डीएसपी पद पर हुआ चयन, ग्रामीणों ने किया स्वागत

बड़कागांव : झारखंड लोक सेवा आयोग परीक्षा में डीएसपी के पद पर चयन हुए नीतीश कुमार का अंबाजीत में ग्रामीणों ने बाजे - गाजे के साथ भव्य स्वागत किया। नीतीश कुमार ग्राम अंबाजीत के तपेश्वर सिंह का पुत्र है। नीतीश कुमार को अंबाजीत मोड़ के पास स्वागत किया गया। इसके बाद स्वागत यात्रा निकाला गया। उसके बाद ग्राम प्रवेश कर शिव मंदिर में पूजा अर्चना किया। पश्चात मुखिया प्रतिनिधि बगल चौधरी व रामकिशोर शुक्ला के द्वारा बुके देकर स्वागत किया गया वहीं ग्रामीणों ने नीतीश कुमार को माला पहनाकर स्वागत किया। तत्पश्चात ग्रामीण जुलूस के साथ दुर्गा मंदिर, ठाकुरबाड़ी, हनुमान मंदिर,कुलदेवी आदि में नीतीश कुमार द्वारा पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया गया। वहीं ग्रामीणों को पैर छूकर आशीर्वाद लिया। नीतीश कुमार के डीएसपी बनने पर ग्रामीणों में खुशी देखी गई। इसके पूर्व नीतीश कुमार ने सीजीएल परीक्षा में भी सफलता पाई थी। परंतु जेपीएससी के लिए ही लगा रहा है जिसमें नीतीश ने सफलता हासिल की। नीतीश कुमार 10वीं की परीक्षा नवोदय विद्यालय बोकारो से पास की वही इंटरमीडिएट की परीक्षा चीनमया स्कूल से पास की स्नातक आर भी एस कॉलेज चास से उत्तीर्ण होकर झारखंड लोक सेवा आयोग की परीक्षा में 68वां रैंक लाकर डीएसपी पदपर चयनित हुआ है। स्वागत समारोह में गोपीनाथ सिंह, राम अवतार सिंह, शक्ति सिंह, बटेश्वर सिंह, प्रकाश सिंह, राधा गोविंद सिंह, सोकील राम, ईश्वर सिंह, गौतम दास, रोहित सिंह, सूर्यदेव सिंह, तारकेश्वर सिंह, राजकुमार सिंह, अभय दास, पवन सिंह, राजा सिंह, दीपक सिंह, प्रभात सिंह सहित सैकड़ो ग्रामीण मौजूद थे।

नगवां में विधायक प्रदीप प्रसाद द्वारा किया गया पौधा वितरण

हजारीबाग : हरियाली ही हमारी विरासत है के संकल्प के साथ विधायक प्रदीप प्रसाद के नेतृत्व में चल रहे पौधा वितरण और रोपण अभियान के तहत शुक्रवार को सदर प्रखंड के नगवां में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कुल 500 पौधों का वितरण ग्रामीणों के बीच किया गया। विधायक प्रदीप प्रसाद ने संदेश देते हुए कहा है कि हमारा लक्ष्य केवल पौधा लगाना नहीं, बल्कि इन्हें सुरक्षित बड़ा करना है, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा, हरियाली और संतुलित पर्यावरण मिल सके। वृक्ष ही हमारे जीवन का आधार हैं, और इनके संरक्षण की जिम्मेदारी हम सबकी है। गौरतलब है कि इस वर्ष 1,51,000 पौधे लगाने के लक्ष्य के साथ शुरू हुए इस अभियान के तहत अब तक 62,500 पौधों का वितरण और रोपण हो चुका है। यह लगातार चल रहा प्रयास हजारीबाग को और अधिक हरा-भरा बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विधायक ने ग्रामीणों से अपील किया कि वे वितरित पौधों को अपने घर, खेत और आसपास के क्षेत्रों में लगाकर उनकी नियमित देखभाल करें, ताकि आने वाले वर्षों में यह घने वृक्ष बनकर छाया, ऑक्सीजन और पर्यावरण संतुलन प्रदान कर सकें। इस मौके पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, किसान और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

एक नजर

एसआर डीएवी की छात्राओं ने मनाया जवानों के साथ रक्षाबंधन

रांची : एसआर डीएवी पब्लिक स्कूल पुंदाग की छात्राओं ने जैप-एक के अधिकारियों और सिपाहियों को शक्रवार को राखी बांधकर रक्षा बंधन का त्योहार मनाया। इस अवसर पर छात्राओं ने जैप. एक के कमांडेंट सुबोध, इंस्पेक्टर सुनील, प्रधान सब इंस्पेक्टर अवधेश सिंह और अन्य जवानों की कलाई पर राखी बांधकर रक्षाबंधन का त्योहार मनाया। इस अवसर पर जैप-एक के अधिकारियों एवं जवानों ने छात्राओं का मुंह मीठा कराया और उन्हें उपहार भी दिए। त्योहार की खुशी सभी छात्राओं और जवानों के चेहरों पर देखी जा सकती थी। मौके पर स्कूल के प्राचार्य डॉ तापस घोष ने कहा कि रक्षा बंधन का त्योहार हर भाई और बहन के लिए खास होता है। देश के जवान हर हालत में देशवासियों की रक्षा करते हैं! इसलिए उनसे बढ़कर रक्षक भला कौन हो सकता है। उनके साथ यह त्योहार मानना गर्व की बात है। वे हर बहन के गौरव हैं। उनके प्रति हर भारतवासी के हृदय में सम्मान होना चाहिए।

डीएवी हेहल की प्राइमरी विंग में छात्र परिषद् का अलंकरण समारोह

रांची : हेहल स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल की प्राइमरी विंग में सत्र 2025-26 के लिए कार्यभार ग्रहण समारोह शुक्रवार को उत्साह और के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर नव-निर्वाचित छात्र परिषद् के पदाधिकारियों को औपचारिक रूप से उनके दायित्व सौंपा गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य और झारखंड जोनझजी के सहायक क्षेत्रीय अधिकारी बिपिन राय के स्वागत के साथ हुआ। इसके बाद एनसीसी सी प्रमाणपत्रधारी शिक्षिका अनुपमा झा के नेतृत्व में भव्य मार्च पास्ट ने पूरे वातावरण में अनुशासन की लहर दौड़ा दी। प्राचार्य राय ने सभी पदाधिकारियों को बैज और सैश पहनाकर उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि हमारे छात्र परिषद् के सदस्य न केवल अपनी जिम्मेदारियों को निष्ठा से निभाएंगे,बल्कि विद्यालय को गौरव के शिखर पर पहुंचाने में भी अग्रणी रहेंगे। नेतृत्व का अर्थ केवल आदेश देना नहीं, बल्कि स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करना है।

दुर्गा पूजा और छठ पर्व पर हटिया से विशेष ट्रेन चलाने की मांग

रांची : दुर्गा पूजा और छठ महापर्व को देखते हुए हटिया स्टेशन से देश के विभिन्न प्रमुख शहरों के लिए विशेष ट्रेनों के परिचालन की मांग की गई है। दक्षिण पूर्व रेलवे के जोनल रेलवे यूजर्स कंसलटेटिव कमेटी सदस्य अरुण जोशी ने इस संबंध में शुक्रवार को दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक को एक पत्र लिखकर इस संबंध में आग्रह किया है। अरुण जोशी ने कहा कि त्योहारों के दौरान झारखंड, बिहार और ओड़िशा से हजारों यात्री अपने गृह नगरों की यात्रा करते हैं और लंबी दूरी की ट्रेनों पर निर्भर रहते हैं। भारी भीड़ के कारण टिकट की उपलब्धता और यात्रा में कठिनाइयां बढ़ जाती हैं। जेडआरयूसीसी की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से उन्होंने रेलवे को यह सुझाव दिया कि सिकंदराबाद, अहमदाबाद सहित रांची से दिल्ली के लिए विशेष ट्रेनें चलाई जाएं।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

ई-निविदा सूचना संख्या: एम-41-2आर-एमसीसी-ओबीएचएस- 2वीबी-62, दिनांक: 07.08.2025। भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता, दक्षिण पूर्व रेलवे, रांची-834003 निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित करते हैं: **कार्य का नाम:** चार वर्षों की अवधि के लिए 2 अदद वंदे भारत ट्रेन सेट (रांची-हावड़ा-रांची एवं रांची-वाराणसी-रांची) के लिए मार्ग में यांत्रिक कोच सफाई, वाटरिंग, ओबीएचएस, कूड़ा-करकट संग्रह करना एवं निपटाना। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 4,25,45,627.45 (जीएसटी सहित)। **बयाना राशि:** ₹ 3,62,700। **ई-निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 01.09.2025 को सुबह 11.00 बजे। **वेबसाइट का विवरण:** www.ireps.gov.in। (PR-497)

आप सिर्फ मेरे ससुर नहीं, झारखंड के बाबा भी थे : कल्पना सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड राज्य के प्रणेता, पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद शबू सोरेन के निधन के पांच दिन बीत गए हैं, लेकिन उनके घर-परिवार वाले उन्हें भूल नहीं पा रहे हैं। परिजन उनके साथ बिताए पलों को याद कर रहे हैं। स्वर्गीय शिबू सोरेन की बहू, वर्तमान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी और राज्य के गांडेय विधानसभा क्षेत्र से विधायक कल्पना सोरेन भी उन्हीं में से एक हैं। स्वर्गीय शिबू सोरेन की बहु और गांडेय से विधायक कल्पना सोरेन ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि जब पूरा देश आपको अश्रुपूरित नेत्रों से विदा कर रहा है, मैंने एक कोना पकड़ लिया है। अपनी आधी जिंदगी जिस वटवृक्ष के साये में महफूज होकर काटी, आज आपके जाने से वह बेटी-सी बहू अपनी टूटी हुई हिम्मत बटोरने का साहस नहीं कर पा रही है। उन्होंने लिखा, मैं जानती हूं। आप सिर्फ मेरे ससुर नहीं थे, आप झारखंड के बाबा थे, हर उस बच्चे के, जिसने जंगलों की गोद में जन्म लिया और संघर्ष को पहली सांस में महसूस किया। जब मैं पहली बार इस परिवार में आई, तो आपके व्यक्तित्व पर गौरव हुआ। आपकी सादगी, आपकी आवाज में ठहराव और सबसे जरूरी आपका सुनना। आप सुनते थे हर किसान की चिंता, हर औरत का दर्द, हर माँ की खामोशी, हर झारखंडी के अरमान। कल्पना सोरेन ने आगे लिखा कि आपने राजनीति को घर की तरह जिया, जहां सत्ता नहीं, संबंधों का सम्मान होता है। आपके पास बड़ी डिग्रियां से भी बड़ी दूरदर्शी दृष्टि थी। आपने केवल झारखंड को खड़ा नहीं किया, हम सबको आत्मनिर्भर होने का हौसला दिया। जब आप झारखंड कहते थे, तो वो शब्द भूगोल नहीं, संवेदना बन जाता था। कल्पना सोरेन ने अपने पोस्ट में लिखा, मैंने आपको कभी पिता की तरह देखा, कभी एक संत की तरह और कभी एक तपस्वी की तरह, जो न सत्ता चाहता था, न वाहवाही, बस अपनी माटी की, अपने लोगों की इज्जत चाहता था। आज आप नहीं हैं, पर आपकी चाल की गूंज हर गांव के रास्ते पर है। आपकी चप्पलों की खामोशी विधानसभा में गूंज रही है। बाबा, आपने झारखंड को छोड़ा नहीं है, आप तो हर उस बेटी की आंखों में हैं, जो अपने जंगल, अपने खेत, अपने सपनों को बचाना चाहती है। आप हर उस माँ की सांसों में हैं, जो चाहती है कि उसके बेटे भी एक दिन आपकी तरह गुरु एवं सच्चे इंसान बने। आपका सपना, अब हमारी जिम्मेदारी है। विधायक कल्पना सोरेन ने लिखा है कि मैं एक बहू नहीं, आपकी बेटी हूं। आपसे वादा करती हूं कि आपका नाम सिर्फ इतिहास में नहीं रहेगा, वो हर लड़की के साहस में, हर गांव के संघर्ष में और झारखंड की हर सांसों में जिंदा रहेगा।

मेकॉन विप्स फोरम ने धूमधाम से मनाया सावन मिलन समारोह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की राजधानी रांची में मेकॉन लिमिटेड की वुमेन इन पब्लिक सेक्टर (विप्स) फोरम की ओर से श्यामली कॉलोनी स्थित इस्पात क्लब में रंगारंग सावन मिलन समारोह का आयोजन हुआ। विप्स की अध्यक्ष डॉ. सुमाना चक्रवर्ती ने शुक्रवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। डॉ. सुमाना चक्रवर्ती ने बताया कि गुरुवार की देर रात तक चले समारोह में मेकॉन की महिला कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी ने सावन के उल्लास और पारंपरिक त्योहार को सामूहिक तौर पर मिलकर मनाया। इस तरह का आयोजन आपसी एकता और सौहार्द को मजबूत बनाने में सहायक सिद्ध होती है। उन्होंने कहा कि समारोह के दौरान विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों और रोचक खेलों का आयोजन हुआ। आने वाले वर्षों में सावन मिलन समारोह को और भी भव्य रूप से मनाया जाएगा। डॉ. सुमाना चक्रवर्ती और विप्स की संयाजक सीमांतिनी साहू ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं।

निर्मल महतो के शहादत दिवस पर झामुमो ने दी श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : शहीद निर्मल महतो के शहादत दिवस पर झारखंड मुक्ति मोर्चा रांची जिला समिति ने शुक्रवार को जेल मोड़ स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला संयोजक प्रमुख मुश्ताक आलम ने की। मौके पर झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि दिवंगत दिशोम गुरु शिबू सोरेन के नेतृत्व में निर्मल महतो ने झारखंड अलग राज्य आंदोलन को जो मजबूती दी, वह अपने मुकाम तक पहुंचा। उन्होंने कहा कि झामुमो ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो सालभर राज्य आंदोलन के सभी योद्धाओं को उनके शहादत दिवस पर नमन करती है, चाहे वे निर्मल महतो हों, विनोद बिहारी महतो हों या अन्य वीर आंदोलनकारी। वहीं केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि गुरुजी और निर्मल दा की जोड़ी ने कोयलांचल से संथाल परगना, पूर्णिया से बांका और कोल्हान से लेकर ओडिशाा-बंगाल तक जनता के संघर्ष को एक सूत्र में जोड़ा। उन्होंने कहा कि महाजनी शोषण और सूदखोरी के खिलाफ इनका संघर्ष अमिट है। आज हमारी जिम्मेदारी है कि उनके दिखाए मार्ग पर हम आगे बढ़ें, यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। जिला संयोजक प्रमुख मुस्ताक आलम ने भी निर्मल महतो के संघर्षों को याद करते हुए उनके अधूरे सपनों को पूरा करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में सिल्ली विधायक अमित महतो, अश्विनी शर्मा, पवन जेडीया, डॉ हेमलाल मेहता, अंतू तिर्की, कलाम आजाद, आदिल इमाम, महावीर विश्वकर्मा, डॉ तालकेश्वर महतो, आफताब आलम, अफरोज अंसारी, डॉ बबलू राम सहित बड़ी संख्या में नेता-कार्यकर्ता मौजूद थे।

कृषि मंत्री ने औचक निरीक्षण कर की किसान कॉल सेंटर की पडताल

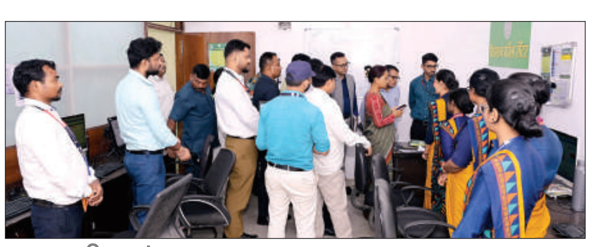

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कांके रोड स्थित कृषि निदेशालय में शुक्रवार को औचक निरीक्षण किया। इससे निदेशालय के अधिकारी और कर्मियों में हड़कंप मच गई। निरीक्षण के दौरान मंत्री सीधे किसान कॉल सेंटर पहुंचीं और फोन कर किसानों की समस्याएं और उनके समाधान की हकीकत का पड़ताल किया। कई किसान ने फोन पर मंत्री को बताया कि उसकी शिकायत का समाधान हो चुका है। मंत्री ने किसान कॉल सेंटर को और अधिक प्रभावी बनाने का निर्देश देते हुए राज्य के किसानों से अपील किया कि वे अपनी समस्याएं टॉल फ्री नंबर 18001231136 पर दर्ज कराएं। ताकि समय पर समाधान हो सके। इससे पहले मंत्री दोपहर जैसे ही निदेशालय पहुंची। मंत्री के दौरे की सूचना पर आनन फानन में सभी कर्मी और पदाधिकारी सचेत हो गए। वहीं मौके पर मंत्री ने किसानों की संबंधित समस्याओं को तत्काल दूर करने का निर्देश अधिकारियों को दिया। निरीक्षण के बाद विभागीय समीक्षा बैठक में मंत्री ने अतिवृष्टि से प्रभावित किसानों के लिए राहत उपायों पर चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिया कि लेट खरीफ फसल के बीज 100 प्रतिशत अनुदान पर अगस्त के अंत तक वितरित कराएं इसमें सरगुजा, अरहर, कुलथी सहीत अन्य बीज शामिल हैं। बीज वितरण में फसल क्षति रिपोर्ट वाले किसानों को प्राथमिकता दी जाएगी। मौके पर मंत्री ने बताया कि इस बार रबी फसल का बीज केवल लैम्?पस-पैक्स से नहीं, बल्कि लाइसेंस प्राप्त बीज विक्रेताओं से भी मिलेगा। फसल सुरक्षा अभियान के तहत जिला स्तर पर एडवाइजरी जारी होगी और फसल बचाव के लिए दवा छिड़काव की ठोस व्यवस्था होगी।

भगवान बिरसा जैविक उद्यान में 6 वर्ष की मादा ज़िराफ 'मिस्टी' और सिल्वर फीजेंट को लाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

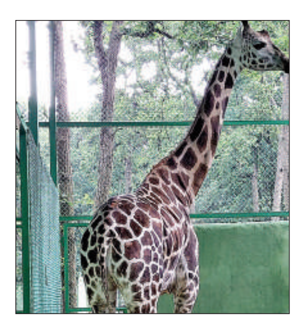

रांची : भगवान बिरसा जैविक उद्यान, रांची एवं प्राणी उद्यान अलीपुर, कोलकाता के बीच 7 अगस्त 2025 को हुए जीव आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत रांची में एक मादा उत्तरी जिराफ तथा सिल्वर फीजेंट का एक जोड़ा लाया गया। मादा जिराफ का नाम 'मिस्टी' है, तथा इसकी आयु 6 वर्ष है। जिराफ का औसत जीवनकाल चिड़ियाघरों में लगभग 19 से 20 वर्ष तथा प्राकृतिक आवास में 17 से 18 वर्ष तक होता है। उत्तरी जिराफ मुख्यतः अफ्रीका के पूर्वी एवं मध्य भागों में, जैसे केन्या, दक्षिण सूडान, चाड, नाइजर एवं मध्य अफ्रीकी गणराज्य के कुछ संरक्षित क्षेत्रों में पाए जाते हैं। जिराफ शाकाहारी प्राणी है, जिसे चिड़ियाघरों में प्रायः विभिन्न वृक्षों की पत्तियां एवं घास खिलाई जाती हैं। जैविक उद्यान के निदेशक जब्बर सिंह ने बताया कि यह एक महत्वपूर्ण आदान-प्रदान कार्यक्रम था, जो कई दिनों से लंबित था और जिसे सफलतापूर्वक पूरा किया गया। उन्होंने कहा कि अगले चरण में नर जिराफ को भी रांची लाया जाएगा। इस मादा जिराफ की ऊंचाई 12 फीट से अधिक है, जिसके कारण इसके लिए 14 फीट ऊँचा विशेष बाडा तैयार किया गया था। निम्न तल ट्रेलर में लादने के बावजूद जमीन से इसकी ऊँचाई 16-17 फीट रही, जिसके कारण कोलकाता से रांची तक लगभग 24 घंटे का सफर तय कर इसे लाया गया।

निर्मल महतो के बलिदान ने झारखंड आंदोलन को दिया उग्र तेवर : सुदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : आजसू के संस्थापक शहीद निर्मल महतो के शहादत दिवस पर शुक्रवार को आजसू के अध्यरक्ष सुदेश महतो सहित अन्य नेताओं ने रांची और जमशेदपुर में निर्मल महतो को श्रद्धांजलि दी। सुदेश ने रांची के निर्मल महतो चौक, अनगड़ा, सिल्ली, सोनाहातु और तमाड़ के अलावा जमशेदपुर में चमड़िया गेस्ट हाउस, निर्मल समाधि स्थल पर निर्मल महतो की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस, विधायक निर्मल महतो, पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो, प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत, केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर, हसन अंसारी, हरेलाल महतो, सागेन हांसदा, सपन सिंहदेव, संजय मेहता, डॉ मुकुंद मेहता सहित अन्य नेताओं ने भी माल्यार्पण किया और शहीद निर्मल महतो के बलिदान और संघर्ष को याद किया। इस मौके पर सुदेश महतो ने कहा कि निर्मल महतो का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। उन्होंने झारखंड की अस्मिता, सम्मान और अधिकार की लड़ाई के लिए जिस साहस और निष्ठा के साथ संघर्ष किया, वह अद्वितीय है।

झारखंड की पहचान के लिए किया जीवन न्योछावर : निर्मल

सुदेश ने कहा कि निर्मल महतो के बलिदान ने आजसू को उग्र तेवर दिया, जिसके बल पर झारखंड आंदोलन को नई दिशा मिली और राज्य का निर्माण संभव हुआ। उन्होंने कहा कि निर्मल दा आजसू के संस्थापक थे। मांडू विधायक निर्मल महतो ने कहा कि शहीद निर्मल दा ने झारखंड की पहचान, सम्मान और अधिकार की लड़ाई के लिए अपना जीवन न्योछावर किया। उनका संघर्ष और बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। कार्यक्रम में जिप अध्यक्ष निर्मला भगत, दीपक महतो, शहजाद आलम, परवाज खान, इम्तियाज अहमद नजमी, डॉक्टर पार्थ परितोष, वनमाली मंडल, बसंत महतो, हरीश कुमार, कुमुद वर्मा सहित अन्य, उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि, मुख्यमंत्री ने परोसा भोजन

रांची : दिवंगत दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के पारंपरिक श्राद्ध कर्म का आज चौथा दिन है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने धार्मिक मान्यताओं, संस्कारों और स्थानीय परंपराओं के अनुरूप आज सवेरे बाबा को भोजन परोसे जाने की रस्म निभाई। दरअसल यह एक ऐसा रस्म - रिवाज है, जिसमें दिवंगत व्यक्ति की आत्मा की शांति और मोक्ष के लिए श्राद्ध कर्म के दौरान हर दिन स्थानीय विधि-विधान और परंपरा के अनुरूप इसे निभाया जाता है।

छात्रों ने जनजातीय संग्रहालय का भ्रमण कर ली इतिहास की जानकारी

रांची : भारतीय लोक कल्याण संस्थान और रिलेशंस की ओर से विश्व आदिवासी दिवस के पूर्व संध्या पर उलगुलान कार्यक्रम के तहत डीएवी गांधीनगर स्कूल के विद्यार्थियों ने शुक्रवार को जनजातीय संग्रहालय का शैक्षणिक भ्रमण किया। इसके बाद ऑड्रे हाउस भी जाकर पेंटिंग प्रदर्शनी को देखा। भ्रमण करने से पहले सभी बच्चों ने दो मिनट का मौ रखकर पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि दी। मौके पर स्कूल के प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार झा ने कहा कि वर्ष 2008 में शिबू सोरेन ने ही इस जनजातीय संग्रहालय की स्थापना की थी। यहां आकर विद्यार्थियों ने झारखंड के 32 जनजातीय समाज के बारे में जानकारी प्राप्त की। उनकी सभ्यता संस्कृति और इतिहास को भी नजदीक से देखा और समझा। यहां दुर्लब वस्तुएं सहित अलग-अलग जनजातियों के मॉडल, आदिवासियों का रहन सहन पहनावा के बारे में जाना। भ्रमण के दौरान स्कूल के प्राचार्य प्रदीप कुमार झा, भारतीय लोक कल्याण संस्थान के सचिव कुणाल सिंह, राज कुमार, रिलेशंस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी, डीएवी गांधीनगर के कला शिक्षक कृष्णा प्रसाद, मीतू सिंह सहित कई शिक्षक और छात्र मौजूद थे।

श्री राणी सती मंडल का वार्षिकोत्सव 17 अगस्त को, बहेगी भजनों की गंगा

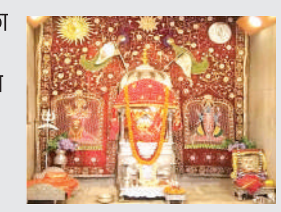

रांची : श्री राणी सती मंडल रांची का 44वां वार्षिकोत्सव 17 अगस्त को मारवाड़ी भवन में धूमधाम से मनाया जाएगा। यह आयोजन सुबह 8.30 बजे से रात्रि 9 बजे तक चलेगा। संस्था के अध्यक्ष विनोद झुनझुनवाला ने शुक्रवार को बताया कि कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए एक आयोजन समिति बनाई गई है, जिसके संयोजक पंकज शर्मा और सह संयोजक प्रतीक अग्रवाल हैं। मंत्री अरविंद मंगल ने बताया कि यह महोत्सव वातानुकूलित मल्टीपर्पस हॉल में होगा। मीडिया प्रभारी निर्मल बुधिया ने बताया कि कोलकाता से मंगल पाठवाचक और भजन गायक सौरभ-केशव मधुकर की भव्य प्रस्तुति होगी, जिसमें भजनों की गंगा बहेगी। 501 सुहागिन महिलाएं पारंपरिक राजस्थानी वेशभूषा में मंगल पाठ प्रस्तुत करेंगी। उपाध्यक्ष राजेन्द्र केडिया ने बताया कि मंगल पाठ में शामिल होने के लिए प्रवेश पत्र मारवाड़ी भवन से प्राप्त कर सकते हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने की ग्राम पंचायत पर्यवेक्षकों की नियुक्ति

रांची : संगठन सृजन अभियान के तहत पंचायत स्तर पर संगठन की मजबूती और गठन के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस प्रदेश प्रभारी के राजू के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने शुक्रवार को जिलावार ग्राम पंचायत पर्यवेक्षकों की नियुक्ति कर दी है। प्रदेश कांग्रेस कमिटी के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने बताया कि जिलों के लिए नियुक्त पर्यवेक्षक नियमित रूप से संबंधित ग्राम पंचायतों का दौरा करेंगे और ग्राम पंचायत कांग्रेस कमिटी के गठन और प्रभावशाली संचालन को जिला एवं प्रखंड अध्यक्षों के साथ समन्वय स्थापित कर सुचारू रूप से काम करेंगे। जिलावार नियुक्त पर्यवेक्षकों में बंधु तिकी, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष-गुमला, सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम, जलेश्वर महतो प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष-बोकारो, रामगढ़, हजारीबाग, शहजादा अनवर प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष-रांची ग्रामीण, लोहरदगा, खूंटी, राजीव रंजन प्रसाद, अध्यक्ष, गो सेवा आयोग-कोडरमा, चतरा, संजय लाल पासवान अध्यक्ष, आवास बोर्ड-गोड्डा, दुमका, देवघर, जयशंकर पाठक अध्यक्ष, हिंदू धार्मिक न्यास बोर्ड-गढ़वा, पलामू और लातेहार, रवीन्द्र सिंह अध्यक्ष, मार्केटिंग बोर्ड- धनबाद, जामताड़ा, गिरिडीह और शमशेर आलम उपाध्यक्ष, अल्पसंख्यक आयोग- साहेबगंज, पाकुड़, ज्योति सिंह मथारू, उपाध्यक्ष, अल्पसंख्यक आयोग-पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां शामिल हैं।

संस्कृत के उत्थान के लिए समाज को समर्पित होना जरूरी : डॉ दीपचंद

रांची : संस्कृत भारती रांची और संस्कृत विभाग, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को संस्कृत सप्ताह शुरू हुआ। इस अवसर पर संस्कृत गौरव यात्रा आयोजित की गई। इसमें डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं के अलावे स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग, रांची विश्वविद्यालय, रांची संस्कृत विभाग, मारवाड़ी महाविद्यालय, संस्कृत विभाग और महिला महाविद्यालय की छात्र-छात्राएं शामिल हुईं। इस अवसर पर संस्कृत भारती के प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ दीपचंद राम कश्यप ने कहा कि संस्कृत हमारी संस्कृति का मूल आधार है। संस्कृत के बिना मानवजीवन सुसंस्कृत नहीं हो सकता है। संस्कृत हमारी लोक भाषाओं में समाहित है चाहे वह नागपुरी हो, खोरठा हो या झारखंड में बोली जाने वाली अन्य कोई भाषा। हम जाने अनजाने संस्कृत शब्दों का ही प्रयोग करते हैं। सभी भाषाओं के मूल में संस्कृत है। हमारे जीवन के सभी संस्कारों के मूल में संस्कृत है। इसलिए संस्कृत के उत्थान के लिए समाज को समर्पित होना चाहिए।

रांची-बोकारो रेलवे स्टेशनों पर संदिग्ध बॉक्स मिलने की सूचना पर आरपीएफ द्वारा मॉक ड्रिल का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : शुक्रवार को शाम लगभग 5:00 बजे बोकारो रेलवे सुरक्षा बल को एक गोपनीय सूत्र से जानकारी मिली कि रांची और बोकारो रेलवे स्टेशनों में से किसी एक पर एक संदिग्ध बॉक्स में इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस रखा गया है। सूचना बेहद संवेदनशील थी, जिसके बाद रेलवे प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों ने तत्परता और कुशलता से कार्यवाही करते हुए, एक मॉक ड्रिल का आयोजन किया।

तत्काल कार्रवाई:

जानकारी मिलते ही मंडल सुरक्षा आयुक्त, आद्रा डिवीजन श्री ओम प्रसाद मोहंती के निर्देशानुसार आरपीएफ बोकारो, सीआईबी बोकारो, एसआईबी बोकारो, सीपीडीएस, एलपीएस बालीडीह, जीआरपीएस, वाणिज्यिक विभाग, एसएमआर, संचालन विभाग, डॉग स्क्वायड बोकारो और आरपीएफ पोस्ट बोकारो के अधिकारी एवं कर्मचारी सक्रिय कर दिए गए। सभी टीमें अत्याधुनिक उपकरणों के साथ मात्र 15 मिनट के भीतर – यानि 5:15 बजे – घटनास्थल पर पहुँच गईं। अधिकारियों ने फ्लोरोसेंट टेप लगा कर पूरे क्षेत्र को घेराबंदी में लिया। संदिग्ध बॉक्स की जाँच की गई और मानक संचालन प्रक्रिया का पालन करते हुए, आईईडी को सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर दिया गया। पूरा अभ्यास लगभग 6:00 बजे तक पूर्ण हो गया, जिसमें किसी भी प्रकार की जनहानि या ट्रेन संचालन में व्यवधान नहीं आया।

डी-ब्रीफिंग सेशन:

ऑपरेशन के समापन पर आरपीएफ बोकारो पोस्ट कमांडेंट संतोष कुमार के नेतृत्व में घटनास्थल पर एक डी-ब्रीफिंग सत्र आयोजित किया गया, जिसमें ऑपरेशन में भाग लेने वाली सभी सुरक्षा इकाइयों के अधिकारियों व कर्मचारियों ने भाग लिया। इस अभ्यास का उद्देश्य आपातकालीन स्थिति में विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच तालमेल, प्रतिक्रिया समय, उपकरणों की कार्यक्षमता और समन्वय स्तर का आकलन करना था। ड्रिल के जरिए तैयारियों की गंभीरता तथा पेशेवर दक्षता की स्पष्ट झलक देखने को मिली।

निष्कर्ष:

यह मॉक ड्रिल रेलवे सुरक्षा बलों और सहयोगी एजेंसियों की तत्परता और कुशल प्रबंधन का प्रमाण है। भविष्य में ऐसी किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए, प्रशिक्षित बलों की यह सक्रियता निश्चित करती है कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

एक नजर

रोटरी क्लब ने असामान्य बच्चों के साथ मनाया रक्षाबंधन

बोकारो : रोटरी क्लब चास द्वारा मानव सेवा आश्रम के असामान्य बच्चों के साथ रक्षा बंधन मना कर एक भावनात्मक और सामाजिक रूप से संवेदनशील विषय पर समाज को बड़ा संदेश दिया। रोटरी क्लब चास की अध्यक्ष डिंपल कौर ने कहा कि रक्षा बंधन भाई-बहन के प्रेम और सुरक्षा का प्रतीक पर्व है। डिंपल ने बताया कि इस वर्ष रोटरी सदस्यों ने यह त्योहार कुछ खास तरीके से मनाया और इन असामान्य बच्चों के साथ रक्षाबंधन पर्व मनाकर अपनी संवेदनशीलता का परिचय दिया है। रो.अर्चना सिंह ने कहा कि इन बच्चों की मासूम मुस्कान और स्नेह ने त्योहार को और भी यादगार बना दिया। रोटरी क्लब चास की सचिव श्वेता रस्तोगी ने कहा कि रोटरी ने एक छोटे से आयोजन में बच्चों को राखी बाँधी, मिठाइयाँ बाँटी, और खेल खेले। श्वेता ने कहा समाज में अक्सर इन बच्चों को उपेक्षित कर दिया जाता है, लेकिन वास्तव में ये बच्चे भी उतना ही प्यार, सम्मान और अपनापन पाने के हकदार हैं। रो. पूनम अग्रवाल ने कहा कि अनुभव ने हमें सिखाया कि त्योहारों का असली अर्थ केवल परंपराओं में नहीं, बल्कि प्यार और अपनत्व बाँटने में छिपा होता है। मानव सेवा आश्रम के संचालक राजेश प्रसाद ने बच्चों के साथ रक्षाबंधन मनाने पर रोटरी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर ललिता चोपड़ा, कुमार अमरदीप, बिनोद चोपड़ा, प्रेम शंकर सिंह, लावण्या रस्तोगी आदि भी उपस्थित रहे।

बोर्ड लगाने के दौरान करंट की चपेट में आने से मजदूर गंभीर रूप से घायल

चास : फल मंडी के पास एक दुकान के बाहर बोर्ड लगाने के दौरान करण्ट की चपेट में आने से मजदूर शमशेर गंभीर रूप से घायल हो गया। फिलहाल शमशेर का इलाज चास के नीलम नर्सिंग होम हॉस्पिटल में चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना उस समय हुई जब मजदूर एक नई दुकान के बाहर बोर्ड लगाने के लिए टेंट के भाड़े को बांधने की प्रक्रिया में था। काम करने के दौरान उसे बिजली का झटका लगा और वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। बताया जा रहा है कि भाड़ा बांधने के लिए मजदूर को अत्यधिक ऊंचाई पर चढ़कर काम करना पड़ रहा था और सेफ्टी के कोई इंतजाम नहीं थे। इसी लापरवाही के चलते दुर्घटना घटी है। शमशेर का इलाज जारी है, और स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल में मोटिवेशनल सत्र का हुआ आयोजन

बोकारो: एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल सेक्टर चार एफ बोकारो में स्कूल के एक भारत श्रेष्ठ भारत क्लब की ओर से मोटिवेशनल सत्र का आयोजन किया गया। प्रधानाध्यापक फादर डा.जोशी वर्गीस ने कहा कि विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच के साथ जीवन में आगे बढ़ने रहना चाहिए। लक्ष्य हासिल करने के लिए कठिन परिश्रम करना चाहिए। विद्यार्थियों को शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन का लाभ उठाना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय वक्ता डीक परिसीनी ने कहा कि आत्मसम्मान ही सफलता की पहली सीढ़ी है। विद्यार्थियों को स्वयं पर भरोसा करना चाहिए। जीवन में सफलता हासिल करने के लिए स्पष्ट व वास्तविक लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए।

स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण संस्थान ने रक्षा-सूत्र बांधकर मनाया वृक्ष-राखी कार्यक्रम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण संस्थान के पर्यावरण प्रहरियों ने रक्षाबंधन की पूर्वसंध्या आज शाम 4.30 बजे बोकारो के पर्यावरण-मित्र चौक स्थित पर्यावरण-मित्र वाटिका में स्थित सैकड़ों वृक्षों को रक्षा-सूत्र बांधकर 'वृक्ष-राखी कार्यक्रम' मनाया और जीवन रक्षक सभी वृक्षों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इनकी रक्षा का संकल्प लिया। इस अवसर पर संस्थान के महासचिव शशि भूषण ओझा 'मुकुल' ने कहा कि संस्थान द्वारा ये वृक्ष-राखी का कार्यक्रम दशकों से आयोजित कर वृक्ष रक्षा की शपथ सबों को दिलाया जाता है। सभी जानते हैं कि वृक्ष न सिर्फ जीवनदाई ऑक्सीजन प्रदान करते हैं बल्कि घातक प्रदूषण से हमारी रक्षा करते हैं और जड़ी-बूटियों एवं फल-फूलों को प्रदान कर हमारे स्वास्थ्य की भी रक्षा करते हैं। पेड़ों के कारण ही धरती पर जीवन है। पेड़ों की रक्षा से ही सृष्टि बचेगी। मुकुल ने झारखंड में कुछ भू माफियाओं द्वारा वनभूमि को अतिक्रमित करने, जंगलों को काटने तथा जंगलों में आग लगाने की घटनाओं को अंजाम देने पर न सिर्फ चिंता व्यक्त किया बल्कि इनके ऊपर कठोर दंडात्मक करवाई करने हेतु सरकार और वन विभाग से आग्रह किया। इस वृक्ष-राखी कार्यक्रम में भूषण ओझा 'मुकुल', बबलू पांडेय, लक्ष्मण शर्मा, मृणाल कांत चौबे, कुमार गौरव सहित कई पर्यावरण प्रहरी उपस्थित रहे।

विद्यालय प्रांगण में बच्चियों ने राखी बांधकर मनाया रक्षा बंधन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जिला के डोमचांच प्रखंड अंतर्गत कृषि के गोद में बसा फुलवरिया पंचायत में संचालित सत्यम शिवम सुंदरम प्लस टू उच्च विद्यालय में बड़े धूमधाम से नन्हे मुन्हे बच्चियों ने बच्चो के कलाई पर राखी बांधकर व मिठाइयां खिलाकर रक्षा बंधन मनाया। कार्यक्रम में उपस्थित निदेशक सुखदेव हजाम ने कहा रक्षा बंधन का त्योहार भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक है, जो हर साल श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। इस दिन बहनें अपने भाइयों को राखी बांधकर उनकी सुख-समृद्धि और लंबी उम्र की कामना करती हैं। रक्षाबंधन हिंदुओं का महत्वपूर्ण पर्व है, जो पूरे भारत में मनाया जाता है। कार्यक्रम में विद्यालय की शिक्षिका-शिक्षक ने भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेते हुए विद्यालय के निदेशक व प्राचार्य ने राखी बांधकर व मिठाई खिलाकर रिश्तों में मिठास लाने का कार्य किया। वरिष्ठ शिक्षक आशीष मिस्त्री ने कहा धार्मिक दृष्टिकोण से राखी का महत्व तभी पूर्ण होता है जब बहन अपने हाथों से भाई की कलाई पर राखी बांधे और उसे तिलक कर आशीर्वाद दे। विद्यालय के प्राचार्य रामकृष्ण मेहता ने कहा हैप्पी रक्षाबंधन। रक्षाबंधन त्योहार पर मैं प्रार्थना करता हूं कि भगवान आपकी हर इच्छा पूरी करें और आपको हर खुशी मिले आपको बहुत सारा प्यार और शुभकामनाएं। इस कार्यक्रम में विद्यालय के सभी बच्चों व शिक्षक-शिक्षिकाओं ने संयुक्त रूप से अपनी भागीदारी निभाई।

पुलिस ने गृहभेदन गिरोह का किया पदार्फाश, दो गिरफ्तार, भारी मात्रा में चोरी का सामान बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो शहर में लगातार हो रही घर में चोरी की घटनाओं पर रोक लगाने के उद्देश्य से एसपी हरविंदर सिंह के निर्देश पर एक विशेष छापामारी टीम का गठन किया गया था। इस टीम ने डीएसपी नगर आलोक रंजन के नेतृत्व में बड़ी कार्रवाई करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सबसे पहले रांची के बरियातु थाना क्षेत्र के देसवाली टोला से बिनोद सोरेंग उर्फ रघु गुण्डा (उम्र 37) को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने बोकारो शहर में हुई कई चोरियों में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। उसकी निशानदेही पर उसके किराए के मकान से चोरी का सामान बरामद किया गया। बिनोद ने पूछताछ में बताया कि चोरी के कार्य में माराफारी झोपड़ी कॉलोनी निवासी महेश कुमार उर्फ लल्ला (उम्र 21) भी शामिल है। छापेमारी टीम ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया, जिसने चोरी में संलिप्त होने की बात कबूल की। पुलिस ने दोनों आरोपियों के पास से सोने-चांदी जैसे आभूषणों सहित एप्पल कंपनी का लैपटॉप, एयरपॉड, मोबाइल फोन, नकदी ₹7,700 और ₹300 के सिक्के, पीतल के बर्तन, पावर बैंक तथा दरवाजा तोड़ने के उपकरण बरामद किए हैं। बिनोद सोरेंग का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है और वह बीएस सिटी थाना से जेल जा चुका है। उसके खिलाफ वर्ष 2025 में बीएस सिटी थाना में गृहभेदन के कुल 8 मामले दर्ज हैं। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस सफलता से शहर में चोरी की कई घटनाओं के उद्भेदन में मदद मिली है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

रक्षा का वादा, विश्वास का बंधन: छात्राओं ने एनसीसी जवानों को बांधी राखी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : रक्षाबंधन का पर्व केवल एक धागे का बंधन नहीं, बल्कि विश्वास, प्रेम और सुरक्षा का वादा है। इसी भावना को साकार करते हुए, आश्रम रोड स्थित कौण्डिन्य पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने कोडरमा स्थित 45वीं एनसीसी बटालियन के जवानों की कलाई पर राखी बांधकर इस रिश्ते को और भी पवित्र बना दिया। सुबह से ही छात्राओं में उत्साह और उमंग का माहौल था। रंग-बिरंगी राखियां, मिठाई और ढेर सारा स्नेह लेकर वे एनसीसी कैम्प पहुंचीं। जैसे ही रेशमी धागे जवानों की कलाई पर बंधे, उनकी आंखों में अपनापन और चेहरे पर गर्व की मुस्कान खिल उठी। यह नजारा मानो एक बड़े परिवार के मिलन जैसा था, जहां भाई-बहन का रिश्ता खून से नहीं, बल्कि भावनाओं से जुड़ा था। लड़कियों ने जवानों को राखी बांधकर अपने भाई-बहन के प्यार का इजहार किया और उनकी लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना की। जवानों ने भी लड़कियों को उपहार देकर और उनकी रक्षा करने का वचन देकर इस पावन बंधन को और भी मजबूत बनाया। राखी बांधने के बाद कैंप का माहौल बेहद गर्मजोशी से भर गया। छात्राओं और जवानों के बीच मुस्कान और आत्मीयता के पल साझा हुए। इस अवसर पर भाईचारे और विश्वास की एक अनकही डोर सबको जोड़ रही थी। कई छात्राओं ने पहली बार इतने करीब से एनसीसी के अनुशासन और समर्पण को महसूस किया, जो उनके लिए प्रेरणा बन गया। यह छोटा-सा कार्यक्रम अपने भीतर गहरी मानवीय संवेदनाएं और गर्व की भावना समेटे हुए था।

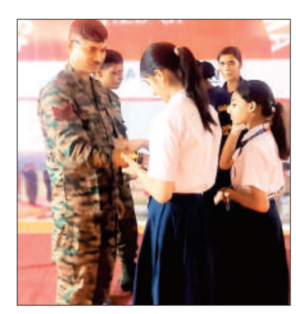

स्टार किड्स प्ले स्कूल में रक्षाबंधन का त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जयनगर : प्रखंड के पेठियाबागी स्थित स्टार किड्स प्ले स्कूल में रक्षाबंधन का पर्व बड़े धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना और दीप प्रज्वलित के साथ हुई। इसके बाद विद्यालय के कक्षा 1 से पांचवी तक के छात्राओं ने अपने-अपने वर्ग शिक्षिकाएं के साथ सुंदर-सुंदर राखियाँ बनाई, राखी की थालिया सजाई, और भाई के मस्तक पर तिलक अक्षत का टीका लगाकर, आरती उतारकर विधिवत सहपाठियों की कलाई पर राखी बाँधी। विद्यालय के सभी छात्र ने अपनी बहनों की हर समय मदद करने तथा सुरक्षा प्रदान करने की संकल्प भी लिए तथा सभी छात्र ने अपनी बहनों को गिफ्ट भी प्रदान किये। इस रक्षाबंधन कार्यक्रम का उद्देश्य भाई-बहन के रिश्ते की अहमियत को समझाना तथा अपनी संस्कृति, आपसी प्रेम और सौहार्द को बढ़ावा देना है। विद्यालय प्राचार्य अनिल कुमार ने बच्चों को रक्षाबंधन के सांस्कृतिक महत्त्व के बारे में बताया और इस पर्व को भारतीय संस्कृति की अद्भुत परंपरा कहा। उन्होंने अपने भाषण में छात्रों को भाईचारे, स्नेह और सद्भाव बनाए रखने की प्रेरणा दी। उन्होंने रक्षाबंधन के त्योहार को नारी सम्मान का प्रतीक बताया।

जी.एस. पब्लिक स्कूल में रक्षाबंधन की उमंग, बच्चों ने बनाई राखियां और बांटी खुशियां

डोमचांच : स्थित जी. एस. पब्लिक स्कूल के प्रांगण बच्चों ने राखी मेकिंग प्रतियोगिता में भाग लिया व नन्हे मुन्हे बच्चों ने एक दूसरे को राखी बांधकर व मिठाइयां खिलाकर रक्षा बंधन मनाया। मौके पर उपस्थित निदेशक नितेश कुमार ने इस उपलक्ष्य पर कहा रक्षा बंधन का त्योहार भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक है, जो हर साल श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। इस दिन बहनें अपने भाइयों को राखी बांधकर उनकी सुख-समृद्धि और लंबी उम्र की कामना करती हैं। रक्षाबंधन हिंदुओं का महत्वपूर्ण पर्व है, जो पूरे भारत में मनाया जाता है। कार्यक्रम में विद्यालय की शिक्षिकाओं ने भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेते हुए विद्यालय के निदेशक व उपनिदेशक नीरज सिंह राखी बांधकर व मिठाई खिलाकर रिश्तों में मिठास लाने का कार्य किया। उपस्थित नीरज सिंह ने भी कहा धार्मिक दृष्टिकोण से राखी का महत्व तभी पूर्ण होता है जब बहन अपने हाथों से भाई की कलाई पर राखी बांधे और उसे तिलक कर आशीर्वाद दे। इस कार्यक्रम में विद्यालय के सभी बच्चों व शिक्षक-शिक्षिकाओं ने संयुक्त रूप अपनी भागीदारी निभाई।

संक्षिप्त खबरें

निर्मल महतो शहादत दिवस पर आजसू कार्यकर्ताओं ने किया नमन

साहिबगंज: जिला में आजसू पार्टी के जिला अध्यक्ष चतुरानंद पांडे के नेतृत्व में शोषित एवं वंचित वर्ग के कल्याण के लिए जीवनपर्यंत संघर्ष करने वाले, झारखंड आंदोलन के महानायक और हम सभी के प्रेरणास्रोत, वीर शहीद तथा झारखंड के प्रथम आंदोलनकारी स्व. निर्मल महतो जी के शहादत दिवस पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष चतुरानंद पांडे ने कहा कि निर्मल महतो जी न केवल झारखंड आंदोलन के प्रखर सेनानी थे, बल्कि वे झारखंड की अस्मिता, अधिकार और सम्मान के सशक्त प्रतीक थे। उन्होंने शोषित, वंचित और पिछड़े वर्ग के उत्थान के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। 8 अगस्त 1987 को उन्होंने अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देकर यह संदेश दिया कि न्याय और स्वाभिमान की लड़ाई में पीछे हटना संभव नहीं है। उनकी संघर्षगाथा हमें सिखाती है कि असली नेता वह है जो जनता के हक के लिए किसी भी कीमत पर आवाज बुलंद करे। आज, उनके शहादत दिवस पर हम यह संकल्प लेते हैं कि उनके सपनों का झारखंड बनाने के लिए हम संघर्ष की राह पर अडिग रहेंगे। निर्मल महतो जी का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा—यह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का अमिट स्रोत बना रहेगा। श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने भी एक स्वर में कहा कि निर्मल महतो जी का बलिदान झारखंड की अस्मिता, अधिकार और पहचान की लड़ाई का अमर प्रतीक है, जिसे आने वाली पीढ़ियां सदैव याद रखेंगी। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने निर्मल महतो जी के योगदान और बलिदान को नमन करते हुए उनके अधूरे सपनों को पूरा करने का संकल्प लिया। श्रद्धांजलि सभा में विवाह साह, गोविंद पासवान, राजेश राय, शशिकांत दुबे, नारायण सिंह, विजय ओझा, राज, मिथिलेश कुमार यादव, सुशील मुर्मू, इमरान खान, विजय यादव, सुशील यादव, मोहम्मद जैनुद्दीन, धर्मेंद्र कुमार राम, राहुल रजवार, नरेश सोरेन सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नगर परिषद पुस्कालय सभागार में फुटकर विक्रेताओं की हुई बैठक

झुमरी तिलैया : नगर परिषद पुस्तकालय सभागार में नगर परिषद क्षेत्र के सभी अस्थायी फुटकर विक्रेताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य शहर में व्यापारिक गतिविधियों को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करना और यातायात एवं साफ-सफाई पर सकारात्मक प्रभाव डालना बैठक में नगर प्रबंधक लेमांशु कुमार के द्वारा फुटकर बाजारों को तय स्थान पर लगाने, सड़क किनारे अतिक्रमण से बचने, स्वच्छता बनाए रखने तथा नगर परिषद के नियमों का पालन करने पर विशेष जोर दिया गया। विक्रेताओं ने भी नगर परिषद की पहल का स्वागत करते हुए सहयोग का आश्वासन दिया। नगर प्रबंधक लेमांशु कुमार ने कहा कि नगर की सुंदरता और सुगम यातायात के लिए सभी का सहयोग जरूरी है। रेवेन्यू इंस्पेक्टर शम्भू कुमार रजक ने स्पष्ट किया कि निर्धारित स्थानों से बाहर दुकान लगाने पर कार्रवाई की जाएगी बैठक में रेवेन्यू इंस्पेक्टर शंभू रजक, पर्यवेक्षक बलराम कुशवाहा ,मुकेश राणा ,अनेकों फुटकर विक्रेतागण समते नगर परिषद के अन्य कर्मी मौजूद रहे।

स्थानीय विकास की रीढ़ हैं पंचायतें : विधायक

जयनगर : प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में शुक्रवार को पंचायत समिति सदस्यों की बैठक बड़े ही गरिमामय माहौल में आयोजित हुई। बैठक में क्षेत्र के विकास कार्यों की प्रगति, जनसमस्याओं के समाधान और विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रभावी एवं पारदर्शी क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विधायक अमित कुमार यादव ने पंचायत समिति की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह स्थानीय विकास की रीढ़ है। उन्होंने सभी सदस्यों को जिम्मेदारी, ईमानदारी और टीम भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया। विधायक महोदय ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से गांव-गांव तक पहुंचे और किसी भी स्तर पर लापरवाही या देरी न हो। उन्होंने कहा कि विकास योजनाओं में पारदर्शिता, गति और गुणवत्तापूर्ण कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। साथ ही, जनहित के मुद्दों पर त्वरित कार्रवाई और ग्राम स्तर पर जनसहभागिता बढ़ाने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर प्रखंड प्रमुख अंजू देवी, बीडीओ गौतम कुमार, थाना प्रभारी बबलू कुमार सिंह, उप प्रमुख राजनारायण सिंह, पंचायत समिति सदस्यगण एवं सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के अंत में विधायक महोदय के मार्गदर्शन को सभी ने विकास कार्यों के लिए प्रेरणादायी बताया और योजनाओं के सफल संचालन में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

मॉडर्न पब्लिक स्कूल में मनाया गया रक्षाबंधन का त्योहार

कोडरमा : भाई-बहन के अटूट प्रेम का त्योहार रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर मॉडर्न किड्स पैराडाइज के नन्हे-मुन्ने बहनों ने अपने सहपाठी भाइयों की कोमल-कोमल कलाईयों में राखी बांधकर भाइयों के प्रति प्रेम को प्रकट किया। विद्यालय परिसर में नन्हीं बच्चियां सुसज्जित होकर, थाल में रंग-बिरंगी राखियां सजाकर तथा मिठाइयां लेकर भाइयों की कलाई में राखी बांधने के लिए काफी उत्सुक नजर आ रही थी। सभी बच्चियों ने सर्वप्रथम भाइयों को तिलक लगाकर राखी बांधी तथा मिठाई खिलाकर उनके सफल जीवन की कामना की। नन्हे भाइयों ने भी बड़े प्रेम से राखी बंधवाकर बहनों के सुख- समृद्धि एवं उनके सफल जीवन की कामना करते हुए जीवन भर उनकी रक्षा करने का संकल्प लिया। नन्हीं कलाई में सजी राखियों को देख सभी भाई काफी खुश लग रहे थे। इस अवसर पर गतिविधि के तौर पर मॉडर्न किड्स पैराडाइज के छोटे बच्चों ने स्क्रैपबुक में सुंदर सुंदर स्वर्निमित राखियों को चिपकाए। किड्स पैराडाइज की बच्चियां विद्यालय के प्राचार्य गुरुचरण वर्मा को भी राखी बांधकर अपने प्रेम को प्रकट कीं। नन्हीं नन्हीं बच्चियों द्वारा अपनी कलाइयों में राखी बंधवाकर उन्होंने उन्हें आशीर्वाद दिए।

एक नजर

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में राखी बनाओ प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

सरिया : सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बंदखारो में शुक्रवार को रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में राखी बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में शिशु वर्ग और बाल वर्ग के भैया-बहनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिशु वर्ग में रूही ने प्रथम, साक्षी ने द्वितीय और सुरभि कुमारी ने तृतीय स्थान हासिल किया। वहीं, बाल वर्ग में विद्या कुशवाहा ने प्रथम, काजल कुमारी ने द्वितीय और रोशनी कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। थाली सजाओ प्रतियोगिता में भी विद्या कुशवाहा प्रथम और रोशनी कुमारी द्वितीय रहीं। निर्णायक मंडली में चिंता देवी और सरस्वती देवी ने भूमिका निभाई। इस अवसर पर प्रधानाचार्य अर्जुन प्रसाद आर्य ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं भैया-बहनों के बीच प्रेम और सहयोग की भावना को बढ़ाती हैं। उन्होंने बताया कि विद्याभारती विद्यालयों में इस तरह की गतिविधियां बच्चों के सृजनात्मक विकास में सहायक हैं और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत क्रिया आधारित शिक्षा पर जोर देती हैं, जिससे बच्चों में रचनात्मक सोच को बढ़ावा मिलता है। कार्यक्रम में गीता कुमारी वर्मा, दशरथ पासवान, रीना कुमारी, पुष्पा कुमारी, धीरज कुमार, खुशबू कुमारी, देवन्ती कुमारी, प्रकाश कुमार, टिपन कुमार वर्मा सहित सभी भैया-बहनें उपस्थित थे।

एसबीआई शाखा द्वारा जनकल्याण शिविर का हुआ आयोजन

सिल्ली : पतराहातु पंचायत सचिवालय में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के पतराहातु शाखा के ओर से जन कल्याण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें शाखा प्रबंधक मनीष कुमार ने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, जन धन खाता खोलने तथा साथ ही केवाईसी को लेकर लोगों को विस्तार से जानकारी दी। वहीं उन्होंने लोगों को सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ने की अपील की। इस मौके पर पतराहातु पंचायत के मुखिया सुनीता देवी, प्रदीप मांझी, बलराम महतो, सोनू देवी, गजेंद्र महतो, सुधाकर साहू, भीमसेन महतो, रविन्द्र हजाम, भावेश्वर महतो बैंक कर्मी एवं सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

झारखंड अलग आंदोलन में शहीद निर्मल महतो का अहम योगदान : देवेंद्रनाथ महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सोनाहातु : झारखंड अलग आंदोलन के महानायक शहीद निर्मल महतो जी का 38 वीं शहादत दिवस आज पूरे प्रदेश में मनाया गया। 'झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा' के द्वारा विशाल बाइक रैली सह आदमकद प्रतिमा अनावरण किया गया। भीष्म बारिश के बाद भी लोगों के काफी भीड़ देखने को मिली। बरसात से भींगते हुए कार्यक्रम में लोग डटे रहे। सोनाहातु जाडेय़ा मोड़ में सांस्कृत गीत-संगीत के साथ विधिवत तरीके से प्रतिमा का अनावरण डुमरी विधायक जयराम कुमार

महतो, देवेंद्रनाथ महतो एवं भूमि दाता करम सिंह महतो द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। संगठन पदाधिकारीयों द्वारा विशाल बाइक रैली झारखंड मेला मैदान सोनाहातु से प्रारंभ कर पुराना ब्लॉक ऑफिस, थाना मैदान, जामुदाग मोड एवं तेलवारी मोड़ होते हुए कार्यक्रम स्थल जाडेया मोड़ पहुंचे। बाइक रैली में वाहनों की भारी काफिला होने से ट्रैफिक स्थिति के नियंत्रण में पुलिस प्रशासन लगातार बने रहे। प्रतिमा अनावरण के उपरांत श्रद्धांजलि संबोधन में टाईगर जयराम महतो ने कहा कि जिस तरह से देश की आजादी में भगत सिंह की कुबार्नी को भुलाया नहीं जा सकता है। ठीक उसी तरह से झारखंड अलग आंदोलन में शहीद निर्मल महतो का शहादत अमिट है। निर्मल महतो जी के कथनानुसार आज सदन में सवाल पूछने पर सरकार को तकलीफे हो रही है। सरकार जवाब देने की जिम्मेदारी से पीछे हट रहे हैं। वही संगठन के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्रनाथ महतो ने संबोधन में कहा कि शहीदों की कभी मृत्यु नहीं होती है उनके सोच व विचार हमेशा लोगों के बीच में जीवित रहता है। शहीद निर्मल महतो जी के नक्शे कदम पर आज हम हर अन्याय व क्षेत्रीय अधिकार के लिए लगातार संघर्षरत हैं। बताते चलें कि आज के कार्यक्रम के दौरान फुलेश्वर बैठा, दमयंती मुंडा, मनोज यादव, गुना भगत, बिहारी महतो, विनोद स्वांसी, समुद्र पाहन, लीलावती देवी पंचम एक्का, आलोक उरांव, लीलावती देवी, जलेश्वर मार्शल, सूरज नारायण महतो सुधांशु महतो विराट राजू महतो, चंदन रजक आदि कई वरीय पदाधिकारी व हजारों की भीड़ रही।

ऑपरेशन नार्कोस : मुरी स्टेशन पर ट्रेन से 18.3 किलो गांजा बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मुरी/सिल्ली : ऑपरेशन नार्कोस के तहत रेलवे सुरक्षा बल मुरी के द्वारा गुरुवार के दिन अल्लापुजा धनबाद एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 13351) से लगभग 18.3 किलोग्राम गांजा बरामद किया। बरामद गांजे की कीमत लगभग एक लाख तिरासी हजार आंकी गई है। जानकारी के मुताबिक ट्रेन में एस्कॉर्ट ड्यूटी कर रहे सहायक अवर निरीक्षक लादुरा सवैयान अपने अन्य तीन सतर्क कर्मचारियों के साथ ड्यूटी में तैनात थे। इसी क्रम में ट्रेन मुरी स्टेशन पर रुकी और कोच संख्या एस-3 के दरवाजे पर दो लावारिस पिट्ठू बैग संदिग्ध अवस्था में पड़े हुए पाए गए। संदेह के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने ट्रेन में सवार यात्रियों एवं ट्रेन से उतरने वालों से भी पूछताछ की परंतु किसी व्यक्ति ने बैग पर स्वामित्व का दावा नहीं किया। तत्पश्चात पुलिस के द्वारा दोनों बैगों की सावधानी पूर्वक जांच करने पर गांजा पाये जाने की संभावना हुई। मामले की जानकारी आरपीएफ के सहायक सुरक्षा अधिकारी अशोक कुमार सिंह एवं मुरी पोस्ट के प्रभारी संजीव कुमार को दी गई। सूचना मिलते ही अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर बैग को खोला, जिसमें प्रतिबंधित पदार्थ गांजा पाया गया। रेलवे सुरक्षा बल के द्वारा सभी औपचारिक कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए प्रतिबंध पदार्थ को जप्त कर राजकीय रेल थाना मुरी को सौंप दिया गया। पुलिस मामले को लेकर छानबीन कर रही है।

रक्षा बंधन आज, सज गई राखियों की दुकानें

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : सिल्ली मुरी आस पास के क्षेत्र में शनिवार को रक्षा बंधन के त्योहार को लेकर राखियों की दुकानें सज गई हैं। इस उपलक्ष्य मे बाजारों में चहल पहल दिखने लगी है। विभिन्न प्रकार की नई डिजाइन की राखियों से बाजार सज चुके हैं। बहनों ने अपने भाइयों के लिए राखी की खरीदारी शुरू कर दी है। रुद्राक्ष, मोरपंख, ओम, गणेश, कपल और चांदी की आकर्षक राखियों की बिक्री अधिक हो रही है। जिन बहनों के भाई दूरदराज के क्षेत्र में रह रहे हैं। उनके लिए बहनें डाक और कोरियर के माध्यम से राखियां पैक करवा कर भेज रहीं हैं। भाइयों की कलाई बांधने के लिए ब्रांडेड राखियों की धूम मची है,जैसे जरकन की राखी, डोरी, रुद्राक्ष, फैंसी पत्तेवाली, ब्रेसलेट, स्टोन, घड़ी, भीम व गणेश राखियों के साथ बच्चों के लिए टैडीवियर राखी आकर्षण का केंद्र बनी हैं। 1 रुपये से लेकर दो सौ रुपये तक विभिन्न वेरायटी की राखियों से बाजार सजे हैं। न्यू बुंडू रोड सिल्ली के समीप सोनी डिजिटल की दुकानदार साचिता केशरी बताती हैं कि इस बार कोई भी बहने अपने भाइयों को राखी बांधने से वंचित ना रहे इसलिए 1रुपए से लेकर 200 रुपए तक की राखी दुकान में उपलब्ध है।

सावन महोत्सव एवं रक्षाबंधन उत्सव का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : आर.टी.सी. पब्लिक स्कूल, अंनगड़ा, रांची में पारंपरिक उत्साह और सांस्कृतिक गरिमा के साथ सावन महोत्सव एवं राखी उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर विद्यालय में विभिन्न रचनात्मक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया। आयोजित कार्यक्रमों में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता, थाली सजावट, राखी निर्माण, तथा सावन का झूला सजावट प्रमुख रहे। बच्चों ने पारंपरिक परिधानों और रंग-बिरंगी प्रस्तुतियों के माध्यम से सांस्कृतिक विविधता और रचनात्मकता का सुंदर प्रदर्शन किया। जिसमें से प्रथम स्थान- कशिश कुमारी, अनन्या कुमारी, निशा, प्रीति एवं द्वितीय स्थान पायल कुमारी, सृष्टि, कृति, खुशी आदि रही। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, पारंपरिक मूल्यों एवं त्योहारों के प्रति जागरूकता को बढ़ाना और उन्हें अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने का मंच प्रदान करना था। विद्यालय के प्राचार्य नरेंद्र नाथ महतो ने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं और उनमें सामाजिक, सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों का संचार करते हैं।

एसबीयू में स्टेट एसएनएआई कॉन्फ्रेंस का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : सरला बिरला विश्वविद्यालय परिसर में महादेवी बिरला इंस्टीट्यूट आफ नर्सिंग एंड क्लीनिकल टेक्नोलॉजी रांची के तत्वावधान में आज स्टेट एसएनएआई कॉन्फ्रेंस 2025 का भव्य आयोजन किया गया। इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में झारखंड के विभिन्न नर्सिंग कॉलेजों के छात्र-छात्राओं की महत्वपूर्ण भागीदारी रही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर एसबीयू के महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के अलावा विवि के माननीय कुलपति प्रो. सी जगनाथन, कुलसचिव प्रो. श्रीधर बी. दांडीन, संस्थान की प्राचार्या डॉ. सुबानी बाड़ा, प्रशासक आशुतोष द्विवेदी, उप प्राचार्या मीनल श्वेता, स्टेट टीएनएआई प्रेसिडेंट वी महालक्ष्मी, सेक्रेटरी सलीन सज जॉर्ज, ट्रेजरर थयमा पी टी, एसएनएआई एडवाइजर सोनम सैमुअल और अन्य विशिष्ट जन भी उपस्थित रहे। कॉन्फ्रेंस के दौरान वक्ताओं ने नर्सिंग के पेशे में नेतृत्व सेवा और अनुसंधान की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। साथ ही छात्रों को आत्मविश्वासी और जागरूक नागरिक बनाने में सहायक एसएनएआई के महत्व को भी रेखांकित किया। इस कांफ्रेंस का उद्देश्य नर्सिंग छात्रों को नेतृत्व, व्यक्तित्व विकास और रचनात्मकता के मंच प्रदान करना था। आयोजन के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक और शैक्षणिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व विधायक बिशेश्वर खान की मनाई गई 11वीं पुण्य तिथि दी गई श्रद्धांजलि

जमशेदपुर : बी एन टी सी नर्सिंग स्कूल में पूर्व विधायक बिशेश्वर खान का 11 वा पुण्यतिथि मनाया गया।इस दौरान स्कूल प्रबंधन के द्वारा कार्यक्रम में पहुंचे सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। वही उपस्थित सभी अतिथियों ने पूर्व विधायक बिशेश्वर खान के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। जानकारी देते हुए कॉलेज प्रबंधक सोमनाथ सारखेल ने बताया कि प्रति वर्ष की भांति स्कूल प्रबंधन की तरफ से श्रद्धांजलि सभा सह सम्मान समारोह आयोजित कर पूर्व विधायक सह स्कूल के संस्थापक विशेश्वर खान को श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान उपस्थित अतिथियों में पूर्व प्राचार्य अशोक सिंह, जे के सिंह, प्रमोद कुमार सिंह, आनंद सिंह, कमलेश सिंह, पवन सिंह, जयशंकर प्रसाद, मधुमिता बनर्जी को सम्मानित किया गया। स्कूल कमिटी की ओर से सोमनाथ सारखेल, शंभु सिंह, सुष्मिता खान, जेनि बारला, अपर्णा, झरना सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

जेपीएससी में 35वां रैंक पाने वाली अंशिका गुप्ता का एस.आर.के डी.ए.वी में सम्मान

सरिया : एस.आर.के डी.ए.वी सरिया की छात्रा अंशिका गुप्ता ने जेपीएससी परीक्षा में 35वां रैंक हासिल कर विद्यालय, परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया। इस उपलब्धि पर विद्यालय में उनके सम्मान में एक भव्य समारोह आयोजित किया गया। प्राचार्य मनीष कुमार सिन्हा और सभी शिक्षकों ने अंशिका को पुष्प गुच्छ, शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। पूरे विद्यालय परिवार ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं। प्राचार्य सिन्हा ने हर्ष जताते हुए कहा, कठिन परिश्रम और सही मार्गदर्शन से बच्चे निश्चित रूप से सफलता प्राप्त करते हैं, जिसका जीवंत उदाहरण अंशिका हैं। उन्होंने अंशिका की उपलब्धि को विद्यालय के लिए गर्व का क्षण बताया और अन्य छात्रों को प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। सिन्हा ने कहा, शिक्षकों के मार्गदर्शन में मेहनत करने से सफलता अवश्य मिलेगी।

कार्यालय :-प्रसार प्रशिक्षण केन्द्र, हेहल, राँची
Email id-principaletcjharkhand@gmail.com

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (कृषि प्रभाग)

"भोजनादि व्यवस्था (साफ-सफाई, सफाई सामग्री एवं रख रखाव व्यवस्था के साथ) उपलब्ध कराने हेतु निविदा का आमंत्रण"
अति अल्पकालिन निविदा सूचना संख्या - 01 / 2025-26

प्रसार प्रशिक्षण केन्द्र, हेहल, राँची में संचालित होने वाले प्रशिक्षणों में भाग लेने वाले कृषकों/अन्य क्षेत्रीय एवं तकनीकी पदाधिकारियों को भोजनादि व्यवस्था (साफ-सफाइ, सफाई सामग्री एवं रख-रखाव व्यवस्था के साथ) उपलब्ध कराने हेतु निबंधित एवं अनुभवी संस्थान/आपूर्तिकर्ता से निविदा का आमंत्रणः-

क्रमांक	कार्य	विवरण
1	कार्य विवरण	कृषकों/अन्य क्षेत्रीय एवं तकनीकी पदाधिकारियों को प्रशिक्षण के दौरान भोजनादि व्यवस्था (साफ-सफाई, सफाई सामग्री एवं रख-रखाव एवं व्यवस्था के साथ)
2	कार्य का व्यौरा	-प्रशिक्षणार्थियों के लिए चाय, प्रातः कालीन नास्ता, दोपहर का भोजन, सायंकालिन चाय नाश्ता एवं रात्रीकालीन भोजन -छात्रावास भवन, कमरे, शौचालय, कैंटीन आदि की सफाई -छात्रावास भवन के कमरों के बिस्तर का चादर, तकिया खोल, कम्बल आदि की धुलाई एवं उन्हें प्रशिक्षण के दौरान संरक्षित रखना (उचित सफाई सामग्री के द्वारा) - छात्रावास / कैंटीन में बिजली की साधारण एवं सामान्य देखरेख
3	अनुबंध की अवधि	अनुबंध पत्र निर्गत होने की तिथि से एक वर्ष के लिए
4	निविदा प्रकाशन की तिथि	11.08.2025 दिन-सोमवार
5	परिमाण विपत्र का मूल्य	रू0 5,000/-(पाँच हजार) का बैंक ड्राफ्ट जो राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा PRINCIPAL, EXTENSION TRAINING CENTRE, HEHAL के पदनाम से निर्गत एवं RANCHI में भुगतेय होगा। (Non refundable)
6	अग्रधन की राशि	रू0 75,000/-(पचहत्तर हजार) मात्र का बैंक ड्राफ्ट जो राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा PRINCIPAL, EXTENSION TRAINING CENTRE, HEHAL के पदनाम से निर्गत एवं RANCHI में भुगतेय होगा।
7	निविदा पत्र कार्यालय से प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय	20 अगस्त 2025 दिन-बुधवार 05.00 बजे अपराह्न तक।
8	निविदा प्रस्ताव जमा करने की तिथि एवं समय	21 अगस्त 2025 दिन-गुरुवार 05.00 बजे अपराह्न तक।
9	निविदा पत्र खोलने की तिथि एवं समय	22 अगस्त 2025 दिन-षुक्रवार 03.00 बजे अपराह्न तक।
10	निविदा पत्र प्राप्त करने, जमा करने एवं खोलने का स्थान	कार्यालय, प्रसार प्रषिक्षण केन्द्र, हेहल, राँची - 834005

नोट :- निविदा संबंधी विस्तृत सूचना Sameti के website www.sameti.org एवं NIC के website https://ranchi.nic.in पर उपलब्ध है।

प्राचार्य
प्रसार प्रशिक्षण केन्द्र, हेहल राँची

PR 359228 Agriculture(25-26)#D

गोंदली में शहीद निर्मल महतो का 38वां शहादत दिवस मनाया गया

सपनों का झारखंड अब भी अधूरा : सुदेश महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : गोंदली पोखर चौक में शहीद निर्मल महतो के 38वां सहादत दिवस के अवसर पर आदमकद प्रतिमा पर पूर्व उप मुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो गोमिया विधायक लम्बोदर महतो और पूर्व विधायक राम कुमार पहान ने माल्यार्पण किया। सुदेश महतो ने प्रतिमा स्थल पर लोगो को संबोधित करते हुए कहा कि शहीद निर्मल महतो झारखण्ड आंदोलकारी नेता व गरीबों के माशिहा थे। सूदखोरों के खिलाफ आंदोलन चलाने वाले निर्मल महतो ने झारखंड अलग राज्य के लिए चलाये गये आंदोलन में अहम भूमिका निभाई थी। निर्मल महतो ने झारखंड में सूदखोरों के खिलाफ आंदोलन किया था। उन्होंने झारखंड के सबसे बड़े छात्र संगठन ऑल झारखण्ड

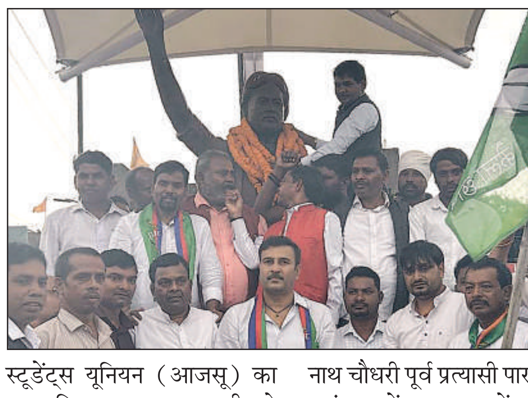

स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) का गठन किया। आज हम सभी को प्रेरणा लेने की जरूरत है। जो सपना निर्मल दा देखे व झारखंड आज भी नहीं है यहां की जनता दूसरे राज्य में काम के लिए पलायन कर रहे हैं। सपनों का झारखंड आज भी अधूरा है मौके पर आजसू पार्टी के केन्द्रीय प्रवक्ता देवशरण भगत जिला अध्यक्ष संजय महतो केन्द्रीय सदस्य जल नाथ चौधरी पूर्व प्रत्यासी पारसनाथ उरांव जलेंद्र प्रशाद सुरेंद्र महतो जितेंद्र सिंह भाजपा जिला उपाध्यक्ष मनोज कुमार ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष नरेश साहू राजेन्द्र सही मुंडा रामकृष्ण चौधरी रोशन लाल मुंडा राम शाय मुंडा आतिश महतो मंटू चौधरी जगरनाथ महतो संजय नायक रामनाथ महतो बिपिन मुंडा धर्मेन्द्र सिंह आदि शामिल थे।

एक्यूप्रेशर परिसर में स्वर्गीय शिबू सोरेन और हरिनारायण सिंह को दी गई श्रद्धांजलि

अनगड़ा : एक्यूप्रेशर परिषद झारखंड शाखा कार्यालय टाटीसिलवे रांची झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय शिबू सोरेन जी एवं आजाद सिपाही के संपादक वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय हरि नारायण जी को श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर एक्यूप्रेशर परिषद झारखंड शाखा के सचिव डॉ मधुसूदन पांडे ने कहा की जनमानस में स्वर्गीय शिबू सोरेन एक क्रांति बनकर हमेशा के लिए अमर हो गए साथी सत्य की आवाज कलाम की ताकत को बरकरार रखने वाले हरि नारायण जी को समाज जनता कभी भी नहीं भूल सकेगी जब कभी पत्रकारिता की बात आएगी सत्ता की बात आएगी। तो हरी नारायण जी की छवि हमेशा आंखों के सामने नजर आएगी श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों में एक्यूप्रेशर परिषद झारखंड शाखा के डॉक्टर बलराम महतो योग चिकित्सा अनुज कुमार सिंह अखिल पाठक राकेश सिंह राजीव सिंह संजीव शाह पत्रकार सुरेंद्र ठाकुर पत्रकार अर्जुन प्रमाणिक संदीप कुमार पांडे सुदेश महतो डॉ नरेश महतो डॉ महेश प्रजापति ललिता कुमारी सरस्वती कुमारी रुकमणी कुमारी इत्यादि का एक गण्यमन व्यक्ति उपस्थित थे।

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, सिमडेगा
समाहरणालय,
जिला- सिमडेगा

विज्ञप्ति

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विभागीय अधिसूचना संख्या 1/नीति-05-03/2024- 903 दिनांक 21.05.2025 द्वारा अधिसूचित "झारखंड उत्पाद (मदिरा की खुदरा बिक्री हेतु दुकानों की बंदोबस्ती एवं संचालन) नियमावली, 2025" तथा राजस्व पर्षद द्वारा अनुमोदित बिक्री अधिसूचना की शर्त्तों के तहत दिनांक 01.09.2025 से 31.03.2030 तक के लिए झारखंड राज्य के सिमडेगा जिला की "देशी शराब की दुकान" तथा "शराब की कम्पोजिट दुकान" की बंदोबस्ती ई-लॉटरी प्रणाली के माध्यम से की जायेगी। ई-लॉटरी में भाग लेने हेतु इच्छुक आवेदकों के द्वारा "झारखंड उत्पाद (मदिरा की खुदरा बिक्री हेतु दुकानों की बंदोबस्ती एवं संचालन) नियमावली, 2025", बिक्री अधिसूचना की शर्त्ते, जिलावार खुदरा उत्पाद दुकान/दुकानों के समूह की विवरणी तथा आवेदन प्रपत्र, शपथ पत्र इत्यादि का विहित प्रारूप सभी जिला उत्पाद कार्यालय, विभागीय वेबसाइट https://excise.jharkhand.gov.in, जिला के NIC वेबसाईट www.simdega.nic.in एवं https://exciselottery.jharkhand.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। ई-लॉटरी कार्यक्रम निम्नानुसार निर्धारित है -

i. "देशी शराब की दुकान" और "कम्पोजिट दुकान" की ई लॉटरी से बन्दोबस्ती हेतु ऑनलाईन आवेदन दिनांक-08/08/2025 के पूर्वाह्न 11:00 बजे से दिनांक-20/08/2025 की संध्या 7.00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। ऑनलाईन आवेदन https://exciselottery.jharkhand.gov.in वेबसाईट पर किया जा सकेगा।

ii. ई-लॉटरी में प्रतिभागिता के लिए संबंधित दुकान/दुकान समूह हेतु बिक्री अधिसूचना में निर्धारित धरोहर धनराशि तथा आवेदनशुल्क का भुगतान Credit Card/Debit Card/ NET BANKING/NEFT/ RTGS/IMPS इत्यादि ऑनलाईन विधि से उक्त पोर्टल (वेबसाईट) पर प्राप्त किया जायेगा। उक्त भुगतान की पुष्टि आवेदन पोर्टल/विभाग के खाते में दिनांक-20.08.2025 को 11:59 PM तक प्राप्त हो जानी चाहिए। दिनांक-20.08.2025 को 11:59 PM तक विहित राशि के भुगतान प्राप्ति की पुष्टि आवेदन पोर्टल अथवा विभागीय बैंक से अप्राप्त रहने की स्थिति में आवेदक ई-लॉटरी में प्रतिभाग नहीं कर सकेंगे।

iii. कम्प्यूटर से Randomization के द्वारा ई-लॉटरी की प्रक्रिया दिनांक 22/08/2025 के पूर्वाहन 11:00 बजे से की जायेगी। ई-लॉटरी के ऑनलाईन प्रसारण का लिंक विभागीय वेबसाईट https://excise.jharkhand.gov.in एवं जिला के NIC वेबसाईट www.simdega.nic.in पर भी उपलब्ध रहेगा। ई-लॉटरी का ऑनलाईन टेलीकास्ट जिला समाहरणालय में भी किया जायेगा।

iv. ई-लॉटरी की प्रक्रिया राज्य स्तर पर दुकान/दुकानों के समूह के लिये निर्धारित वार्षिक न्यूनतम प्रत्याभूत राजस्व (MGR) के आधार पर अवरोही क्रम (descending order) में सम्पन्न होगी।

v. ई-लॉटरी का परिणाम https://excise.jharkhand.gov.in एवं जिला के NIC वेबसाईट www.simdega.nic.in पर उपलब्ध होगा।

vi. "झारखंड उत्पाद (मदिरा की खुदरा बिक्री हेतु दुकानों की बंदोबस्ती एवं संचालन) नियमावली, 2025" के आलोक में ई-लॉटरी में सफल विजेता को आवेदन तथा उसके साथ संलग्न किये जानेवाले सभी कागजातों की स्व-अभिप्रमाणित छायाप्रति संबंधित मूल प्रमाण-पत्र के साथ, संबंधित दुकान/दुकानों के समूह के लिए प्रतिभूति राशि तथा निर्धारित एकमुश्त वार्षिक अनुज्ञप्ति शुल्क दिनांक 25.08.2025 तक जिला उत्पाद कार्यालय में जमा करना होगा।

vii. "झारखंड उत्पाद (मदिरा की खुदरा बिक्री हेतु दुकानों की बंदोबस्ती एवं संचालन) नियमावली, 2025" के आलोक में ई-लॉटरी में सफल विजेता को दिनांक 29.08.2025 तक प्रस्तावित दुकान परिसर के लिए आपत्ति रहित स्थल का पूर्ण विवरण जिला उत्पाद कार्यालय में उपलब्ध कराना होगा।

viii. "झारखंड उत्पाद (मदिरा की खुदरा बिक्री हेतु दुकानों की बंदोबस्ती एवं संचालन) नियमावली, 2025" के आलोक में ई-लॉटरी में सफल विजेता को दिनांक 29.08.2025 तक अग्रिम उत्पाद परिवहन कर (ETD) की राशि जमा करनी होगी।

ई-लॉटरी हेतु आवेदन समर्पित करने में किसी प्रकार की कठिनाई के निराकरण हेतु जिला स्तर पर Helpdesk का गठन किया गया है, जिसका मोबाईल संख्या-**7250973951** (सामान्य कॉल), **9931003217** (Whatsapp मैसेज) है। उक्त मोबाइल संख्या प्रत्येक दिन के पूर्वाह्न 10:00 बजे से अपराह्न 06:00 बजे तक क्रियाशील रहेगी।

उपायुक्त,
सिमडेगा।

PR 359268 (Excise) 25-26 (D)

स्वाधीनता के सूर्योदय के लिये निर्णायक आंदोलन का उद्घोष

भारत के स्वाधीनता आँदोलन 9 अगस्त वह ऐतिहासिक तिथि है जब स्वतंत्रता के लिये निर्णायक संघर्ष का उद्घोष हुआ था। इसलिए इसे अगस्त क्रान्ति कहा जाता है। स्वाधिनता आँदोलन के इतिहास में 9 अगस्त की तिथि दो महत्वपूर्ण स्मृतियों से जुड़ी है। पहली तिथि 9 अगस्त 1925 है- इस दिन क्राँतिकारी आँदोलन को गति देने के लिये कॉकोरी रेलवे स्टेशन पर सरकारी खजाना लूटा गया था। दूसरी तिथि 9 अगस्त 1942 है जब अहिंसक आँदोलन को निर्णायक स्वरूप देने के लिये अंग्रेजो भारत छोड़ो आँदोलन आरंभ हुआ था। इस आँदोलन का आह्वान गाँधीजी ने किया था पर एक रात पहले ही 8 अगस्त को गाँधीजी सहित सभी कांग्रेस नेता बंदी बना लिये गये इसलिए इस आँदोलन में अधिकांश भागीदारी जन सामान्य की थी। जन सामान्य की भागीदारी के कारण ही इस आँदोलन को अगस्त क्राँति नाम मिला। क्राँतिकारी आँदोलन में सुप्रसिद्ध क्राँतिकारी चंद्रशेखर आजाद, सरदार भगतसिंह सहित विभिन्न क्राँतिकारियों को फाँसी और जेल में डाल देने से भले सशस्त्र क्रांति का धारा में कुछ शिथिलता आई पर कॉकोरी कॉंड से पूरी अंग्रेज सरकार हिल गई थी। इसकी गूँज लंदन तक हुई थी। तब अंग्रेज सरकार ने दो काम किये। एक, कुछ नागरिक अधिकार देना आरंभ किये और दूसरे अंग्रेज विरोधी क्राँतिकारियों का दमन। यह क्राँतिकारी आँदोलन का दबाव ही था कि अंग्रेजों ने कुछ तटस्थ लोगों को विश्वास में लिया और नागरिक अधिकार देने का क्रम बनाया। इसके लिये लंदन से कुछ अध्ययन दल आये और आगे चलकर स्थानीय असेंबलियों के चुनाव हुये। कॉकोरी कॉंड के नायक चन्द्रशेखर आजाद थे। क्रांतिकारियों को धन की आवश्यकता थी। वे अंग्रेजों को भारत से बाहर करने के लिये निर्णायक लड़ाई छेड़ना चाहते थे। इसके लिये धन जुटाने के अनेक प्रयत्न हुये। तभी पता चला कि ट्रेन से सरकारी खजाना जाने वाला था। कहने केलिये यह खजाना सरकारी था लेकिन अंग्रेज यह पैसा लंदन से लेकर नहीं आये थे। यह भारतीयों का ही पैसा था, जो अंग्रेज ने बलपूर्वक वसूला था। क्रान्तिकारियों ने भारत की स्वतंत्रता के लिये सशस्त्र आँदोलन में इस पैसे को लगाने का संकल्प किया और पता लगाया कि यह पैसा कब और किस ट्रेन से ले जाया जायेगा। जिस ट्रेन से यह खजाना जाने वाला था वह आठ डाउन पैसेंजर थी। इस खजाने को लूटने की योजना बनी इसमें सत्रह क्रान्तिकारियों की टोली ने हिस्सा लिया। चन्द्रशेखर आजाद के नेतृत्व में बनी इस योजना में रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान, योगेशचन्द्र चटर्जी, प्रेमचन्द खन्ना, मुकुन्दीलाल, विष्णु शरण, सुरेश चन्द्र भट्टाचार्य, रामकृष्ण खत्री, मन्मन्थनाथ गुप्त, राजकुमार सिंह ठाकुर, रोशन सिंह, राजेन्द्र लाहिड़ी, गोविन्द शरण, रामदुलारे त्रिवेदी, रामनाथ पांडे, शचीन्द्रनाथ सान्याल, भूपेश सान्याल, प्रणवेश कुमार। इसके लिए चार जर्मनी निर्मित माउजर रिवॉल्वर जुटाये गये। गाड़ी जैसे ही कॉकोरी से सहारनपुर के लिये रवाना हुई तो इसे चेन खींचकर रोका गया और ट्रेन पर धावा बोल दिया और खजाना लूट लिया। बाद में अंग्रेजों ने 40 क्रान्तिकारियों को बंदी बनाया। इनमें चार को फांसी, बारह को उम्रकैद कालीपानी और बाकी को चार चार साल का कारावास का दंड मिला। 9 अगस्त 1945 को भारत छोड़ो आंदोलन आरंभ हुआ । इस आँदोलन के पीछे अंग्रेजों द्वारा अपने उस आश्वासन से पीछे हट जाना था। अंग्रेजों ने द्वितीय विश्वयुद्ध आरंभ होने पर कांग्रेस से सहयोग माँगा और आश्वासन दिया कि वे भारत को स्वतंत्र कर देंगे। और इसकी प्रक्रिया तुरन्त आरंभ कर देंगे और युद्ध समाप्त होते ही भारत स्वतंत्र हो जायेगा। द्वितीय विश्व युद्ध 1939 में आरंभ हुआ था। इसे आरंभ होने को तीन वर्ष बीत गये थे पर भारत की स्वतंत्रता के लिये कोई प्रक्रिया आरंभ न हो सकी। तब 4 जुलाई 1942 में काँग्रेस ने बैठक की और अंग्रेजों से भारत की स्वतंत्रता के लिये प्रक्रिया आरंभ करने का स्मरण दिलाया पर कुछ नतीजा न निकला। 9 अगस्त 1942 से निर्णायक आँदोलन आरंभ करने का निर्णय हुआ। इसके लिये मुम्बई का पार्क तय हुआ।

अमेरिकी दादागिरी पर मोदी की ललकार

ललित गर्ग

देश के अग्रणी कृषि वैज्ञानिक एवं कृषि-क्रांति के जनक एम.एस. स्वामीनाथन के शताब्दी समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसान हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ललकारभरे शब्दों में अमेरिकी टैरिफ पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत किसानों के हितों से समझौता नहीं करेगा, भारत की बढ़ती वैश्विक ताकत का द्योतक है। ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए टैरिफ को भारत ने अनुचित एवं दुर्भावनापूर्ण बताया है। भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए बाजार खोलने के दबाव कभी नहीं आयेगा क्योंकि भारत के लिये यह एक राजनीतिक रूप से संवेदनशील मुद्दा है। इस समारोह में मोदी ने जो शब्द कहे, वे केवल एक श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि नये भारत, सशक्त भारत की एक स्पष्ट नीति का घोषणा पत्र है, भारत की नई कृषि रणनीति, आत्मनिर्भरता की भावना और अमेरिकी टैरिफ की दादागिरी को खुली चुनौती है। भारत अब पीछे हटने वाला नहीं है और दुनिया की कोई भी ताकत उसे नुकसान नहीं पहुंचा सकती।

प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी टैरिफ पर पहली बार प्रतिक्रिया दी, और अमेरिका या डॉनल्ड ट्रंप का नाम लिए बगैर कहा कि किसानों, पशुपालकों और मछुआरों के हितों के साथ भारत कभी समझौता नहीं करेगा। भारत ने इससे पहले ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ को अनुचित, अन्यायपूर्ण और तर्कहीन बताया था। यह विडम्बनापूर्ण एवं विसंगतिपूर्ण है कि ट्रंप बातें रूस की कर रहे हैं, लेकिन यह समझना आसान है कि उनकी निराशा के मूल में भारत के साथ अटकी कृषि ट्रेड डील भी है। वह चाहते हैं कि भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों और डेयरी प्रॉडक्ट्स के लिए अपना बाजार खोले। लेकिन देश की बड़ी आबादी खेती पर आश्रित है और किसान आर्थिक रूप से सशक्त नहीं हैं। इसलिये वे सब्सिडाइज्ड अमेरिकी प्रॉडक्ट्स से होड़ नहीं कर सकते। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण के जरिये भारत का यही पक्ष एवं किसानों की चिन्ता को रखा है। लेकिन ट्रंप इस चिंता को शायद ही समझें, क्योंकि अब ऐसा लग रहा है कि अपनी हर नाकामी का ठीकरा फोड़ने के लिए उन्हें कोई देश चाहिए। अमेरिका में बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी का दबाव व यूक्रेन युद्ध न रुकवा पाने की हताशा ट्रंप के फैसलों में बौखलाहट के रूप में झलक रही है। पहले उन्होंने चीन पर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन जब वहां से 'रेयर अर्थ मिनरल्स' के रूप में झटका लगा, तो भारत और रूस से अपनी बात मनवाना चाहते हैं।

हाल ही में अमेरिका द्वारा भारतीय कृषि उत्पादों पर टैरिफ बढ़ाने की घोषणा को प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल अनुचित और एकतरफा करार दिया, बल्कि यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब वैश्विक मंच पर दबाव में आने वाला नहीं है। अमेरिका की यह टैरिफ नीति, डब्ल्यूटीओ के सिद्धांतों के विरुद्ध और विकासशील देशों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार का प्रतीक है। भारत पर विशेषकर चावल, गेहूं, दलहन, और मसालों के निर्यात में टैरिफ लगाना सीधे-सीधे भारतीय किसानों की आय पर प्रहार है। ऐसे समय में जब भारत कृषि निर्यात को बढ़ावा देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बना रहा है, अमेरिका की यह नीति दादागिरीपूर्ण व्यापारवाद का उदाहरण है। भले ही ट्रंप की टैरिफ पैंतरों ने दुनिया के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी कर दी हो, लेकिन भारत ऐसी चुनौतियों के सामने झुकने वाला नहीं है।

भारत अब केवल अमेरिका या यूरोप पर निर्भर नहीं रहना चाहता। अफ्रीका, खाड़ी देशों, दक्षिण एशिया और पूर्वी एशियाई देशों के साथ द्विपक्षीय कृषि व्यापार समझौते तेजी से किए जा रहे हैं। स्थानीय उत्पादन का प्रोत्साहन, 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फॉर लोकल' के तहत कृषि प्रसंस्करण इकाइयों को बल दिया जा रहा है, जिससे निर्यात योग्य उत्पादों का मूल्यवर्धन हो सके। डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन, तकनीक के माध्यम से किसानों को वैश्विक बाजार की जानकारी, टैरिफ डाटा और निर्यात संभावनाओं से जोड़कर किसानों की ताकत को बढ़ाया जा रहा है। भारत टैरिफ के जवाब में टैरिफ की राह पर बढ़ते हुए यदि आवश्यकता पड़ी, तो प्रतिस्पर्धी टैरिफ नीति के तहत अमेरिकी उत्पादों पर शुल्क बढ़ाने से नहीं हिचकिचाएगा। भारत डब्ल्यूटीओ और जी20 आदि मंचों पर आक्रामक कूटनीति का सहारे लेकर अब विकासशील देशों की आवाज बनकर, अमेरिका की एकतरफा नीतियों का जवाब दे रहा है।

देश को धीरे-धीरे समझ आने लगा है कि भारतीय कृषि व डेरी क्षेत्र में अमेरिकी उत्पाद खपाने के लिये ही डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ आंतक फैला रहे हैं। यही वजह है कि पहले संयम दिखाने के बाद भारत ने निरंकुश ट्रंप सरकार को चेता दिया है कि भारतीय किसानों व दुग्ध उत्पादकों के हितों की बलि नहीं दी जा सकती। हमारे लिये यह देश की एक बड़ी कृषि व डेरी उद्योग से जुड़ी आबादी के जीवन-यापन का भी प्रश्न है। बहरहाल, यह तय हो गया है कि भारत वाशिंगटन के उन मंसूबों पर पानी फेरने के लिये खड़ा हो गया है, जिनके तहत अमेरिका मक्का, सोयाबीन, सेब, बादाम और इथेनॉल जैसे उत्पादों से कम टैरिफ के साथ भारत के बाजार को पाटना चाहता है। निस्संदेह, भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले तीन प्रमुख क्षेत्रों कृषि, डेरी फार्मिंग और मत्स्य पालन से जुड़े करोड़ों लोगों की अजीविका की रक्षा करने के लिये प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता सराहनीय है।

एम.एस. स्वामीनाथन का नाम आते ही भारतीय कृषि का वह स्वर्णिम अध्याय सामने आता है, जब देश अन्न के लिए विदेशों पर आश्रित था और अकाल एक आम त्रासदी हुआ करती थी। 1960 के दशक में स्वामीनाथन ने नॉर्मन बोरलॉग के साथ मिलकर उच्च उपज वाली किस्मों (एचवाईवी), उर्वरकों और सिंचाई तकनीक का ऐसा संगम किया जिसने भारत को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बना दिया। पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में शुरू हुई हरित क्रांति ने न केवल खाद्यान्न सुरक्षा सुनिश्चित की, बल्कि भारत की कृषि पहचान को वैश्विक पटल पर स्थापित किया। उनकी रिपोर्टें, विशेष रूप से स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशें, आज भी किसानों की आय दोगुनी करने और उन्हें बाजार से न्याय दिलाने की कुंजी मानी जाती हैं। उन्होंने 'किसान केंद्रित कृषि नीति' का विचार दिया, जिसमें किसानों को केवल उत्पादनकर्ता नहीं, बल्कि राष्ट्रनिमार्ता माना गया। मोदी इसी नीति को आगे बढ़ाते हुए न केवल किसानों के हितों के साथ रहे हैं, बल्कि भारतीय कृषि को नये भारत का आधार बनाने के लिये संकल्पबद्ध है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि भारतीय राजनीति में किसान उत्पादक व उपभोक्ता से इतर बड़ा राजनीतिक घटक भी है। ऐसे में जाहिर है कि प्रधानमंत्री मोदी कृषक समुदाय को किसी भी कीमत पर नाराज नहीं करना चाहेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी का जोर अब 'अन्नदाता को ऊर्जादाता' बनाने पर है। इसके लिए कृषि के तीन प्रमुख मोर्चों पर काम हो रहा है- न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को अधिक न्यायसंगत और पारदर्शी बनाना। कृषि निर्यात को 50 बिलियन डॉलर से ऊपर ले जाना। स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को चरणबद्ध लागू करना, जिससे किसानों को लागत से 50 प्रतिशत अधिक लाभ मिल सके। आज जब हम एम.एस. स्वामीनाथन की वैज्ञानिक दृष्टि को याद करते हैं, तो स्पष्ट होता है कि उनकी सोच सिर्फ उत्पादन बढ़ाने तक सीमित नहीं थी, बल्कि किसान को सशक्त करने, आत्मनिर्भर बनाने और वैश्विक ताकतों के सामने टिके रहने योग्य बनाने की थी। मोदी की यह नई नीति उसी दर्शन की राजनीतिक अभिव्यक्ति है।

सही मायनों में भारतीय कृषि में उन आमूल-चूल परिवर्तनों की आवश्यकता है जो न केवल किसान की आय बढ़ाएं बल्कि कृषि उत्पादों को विश्व बाजार की चुनौतियों से मुकाबला करने में भी सक्षम बनायें। एक सौ चालीस करोड़ आबादी वाला देश भारत दुनिया में सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला देश है। इस आबादी की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना भी देश की प्राथमिकता होनी चाहिए। ऐसे में हरित क्रांति के जनक एम.एस. स्वामीनाथन को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम हर हालात में मेहनतकश अन्नदाता को पूरे दिल से समर्थन दें। भारत अब 'झुककर व्यापार' नहीं करेगा, बल्कि 'सम्मान के साथ साझेदारी' करेगा। अमेरिका जैसे देशों को यह समझना होगा कि भारतीय किसान अब केवल हल चलाने वाला नहीं, बल्कि वैश्विक बाजार का खिलाड़ी है। और जब उसके पीछे स्वामीनाथन की विरासत और मोदी की नेतृत्वशक्ति हो, तो कोई भी टैरिफ, कोई भी दबाव, भारत की कृषि शक्ति को झुका नहीं सकता।

वैश्विक दबावों के बीच देश की छवि पर ही चोट करने में लगे कुछ विपक्षी नेता

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

पिछले कुछ वर्षों में भारत वैश्विक मंच पर जिस तरह सशक्त आर्थिक शक्ति के रूप में उभरा, वह न केवल उसकी नेतृत्व क्षमता का परिणाम है बल्कि भारत की रणनीतिक स्वायतता और व्यापारिक कुशलता की पुष्टि भी है। ऐसे समय में जब वैश्विक भू-राजनीति अपने अस्थिरता के दौर से गुजर रही है; विशेष रूप से अमेरिका और चीन के बीच तकनीकी युद्ध, रूस-यूक्रेन संघर्ष और ऊर्जा संकट के संदर्भ में दुनिया के कई देशों के बीच आपसी तालमेल। ऐसे में भारत ने अपने हितों को प्राथमिकता पर रखते हुए अनेक संतुलन साधे है। लेकिन दुर्भाग्यवश, इस संतुलन को बार-बार कमजोर करने का काम बीते कुछ समय से लगातार विपक्ष द्वारा राजनीतिक लाभ के लिए किया जा रहा है, जिसमें कि भारत की आर्थिक छवि को दांव पर लगाने का काम हुआ है।

वैसे यह सच है कि राजनीतिक विरोध का अधिकार लोकतंत्र की आत्मा है, लेकिन जब यह विरोध ऐसे मोड़ पर पहुंच जाए कि वह विदेशी ताकतों के साथ 'सुर में सुर' मिलाने लगे और राष्ट्र की छवि को धूमिल करने लगे, तब यह अवश्य चिंता का विषय बन जाता है। आज राहुल गांधी के बयानों का समर्थन करनेवालों को यह बात जरूर याद रखनी चाहिए। वस्तुतः इस पूरे परिदृश्य में जब भारत की ओर से कूटनीतिक स्तर पर समाधान की कोशिशें चल रही हैं, उसी समय विपक्षी नेताओं द्वारा 'आर्थिक गुलामी', 'घुटने टेकना', 'विदेश नीति विफल' जैसे जुमलों का प्रयोग कर देश की संप्रभुता और आर्थिकी पर सवाल उठाना राष्ट्रीय हित के प्रतिकूल प्रतीत होता है।

अभी नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा देश की सुरक्षा पर प्रश्न उठाने के बाद आर्थिकी को कटघरे में खड़ा करने का बयान पुराना भी नहीं हुआ कि एक बार फिर उन्होंने कहा है कि 'प्लीज भारत ये समझने की कोशिश करे कि प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति ट्रंप की बार-बार की धमकियों के बावजूद, उनके सामने खड़े नहीं हो पा रहे हैं। इसका कारण अडानी के खिलाफ चल रही अमेरिकी जांच है।' राहुल की तरह समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव भी केंद्र सरकार पर तंज कसते हुए कह रहे हैं कि हमारी विदेश नीति ही विदेश चली गई है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का यह दावा कि ट्रंप के सामने प्रधानमंत्री मोदी खड़े नहीं हो पा रहे हैं, या इससे पहले यह बयान देना कि 'भारत की अर्थव्यवस्था मर चुकी है' और 'मोदी सरकार ने इसे खत्म कर दिया है', वास्तव में घोर आपत्ति जनक है। क्योंकि उनके इस तरह के बयान देश की आर्थिक साख को वैश्विक मंच पर कमजोर करने का काम ही कर रहे हैं। आश्चर्य तो यह होता है कि अपने इस दावे के समर्थन में जिस तरह से 'अडानी-मोदी साझेदारी', नोटबंदी, त्रुटिपूर्ण जीएसटी, एमएसएमई संकट और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को गिनाते हैं, उनके कोई अधिकारिक आंकड़े आज तक प्रस्तुत नहीं कर सके हैं। दूसरी ओर डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत पर 25% टैरिफ लगाने की धमकी कोई छोटी बात नहीं है। लेकिन जिस तरह कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत सरकार पर आरोप लगाने शुरू किए हैं, वह एक गहरी राजनीतिक चूक को ही आज दर्शा रहे हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि भारत की विदेश नीति आज पहले से कहीं अधिक रणनीतिक, स्वायत्त और बहुपक्षीय मंचों पर सक्रिय हुई है।

ट्रंप के आरोप और अडानी को घसीटना

राहुल गांधी ने अपने हालिया बयानों में ट्रंप द्वारा दिए गए संकेतों और अडानी समूह के खिलाफ अमेरिका में कथित जांच को आपस में जोड़ते हुए कहा कि 'मोदी इसलिए ट्रंप के सामने चुप हैं क्योंकि अडानी के खिलाफ मामला चल रहा है और दोनों के वित्तीय रिश्ते उजागर हो सकते हैं।' यह कहना न केवल अडानी समूह के खिलाफ बिना सबूत के अंतरराष्ट्रीय मंच पर आरोपों को मजबूती देना है, बल्कि देश के प्रधानमंत्री की साख पर भी सीधा प्रहार है। भारत की वैश्विक छवि, निवेशकों का विश्वास और रणनीतिक निर्णय-क्षमता इन बयानों से प्रभावित होती है। निवेशक समुदाय ऐसी अस्थिर राजनीतिक टिप्पणियों को आर्थिक जोखिम के रूप में देखता है, जिससे भारत में निवेश का माहौल प्रभावित हो सकता है।

आज राहुल गांधी को लेकर आश्चर्य तो इस बात का भी होता है कि भले ही वे नेता प्रतिपक्ष हैं, किंतु उनके बयान कितने अधिक बचकाने हैं। लगभग हर साल राहुल गांधी ने कम से कम एक बयान ऐसा जरूर दिया है, जो बाद में झूठा साबित हुआ और मामला जब सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा, तो वहां से भी उन्हें सिर्फ फटकार मिली है। इस संदर्भ में उनके ये बयान प्रमुखता से देखे जा सकते हैं। 'भारत अब 'संघीय' नहीं, 'राज्यविहीन' गणराज्य है', 'भारत अब चीन और पाकिस्तान से दो मोर्चों पर घिर चुका है और यह प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों की विफलता है।'

यूक्रेन युद्ध में भारत की 'तटस्थ' नीति को लेकर राहुल का कहना रहा कि 'भारत अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने दम पर नहीं खड़ा हो पा रहा है क्योंकि उसकी विदेश नीति अब स्वतंत्र नहीं रही।' यह बयान पश्चिमी देशों के दबावों के बीच भारत की रणनीतिक स्वायत्तता पर गंभीर सवाल खड़े करता प्रतीत हुआ। लंदन दौरे पर जब राहुल जाते हैं तो वहां कहते हैं कि 'भारत में अब संस्थाएं बर्बाद हो चुकी हैं, यहाँ लोकतंत्र सिर्फ दिखावे के लिए है।' इसे विदेशी भूमि पर भारत की छवि को धूमिल करने वाला बयान माना गया और संसद में इस पर विरोध दर्ज किया गया। इसी तरह से आज जब यूरोपीय देश, अमेरिका इत्यादि जिस मुस्लिम ब्रदरहुड पर प्रतिबंध लगाने के लिए विचार कर रहे हैं, उस इस्लामिक जिहादी कट्टरपंथी संगठन के लिए राहुल कहते हैं, 'मुस्लिम ब्रदरहुड की विचारधारा में दम है।' वे मुस्लिम ब्रदरहुड को लोकतांत्रिक आंदोलन के रूप में स्थापित करते हुए दिखते हैं।

क्या विपक्ष आर्थिक विषयों को नहीं समझता?

यह प्रश्न हर उस भारतीय का है जो अपने देश को हर तरीके से मजबूत स्थिति में देखना चाहते हैं। किंतु राहुल गांधी के व्यवहार से यह स्पष्ट होता जा रहा है कि भारतीय विपक्ष खासकर राहुल और अखिलेश जैसे नेता आर्थिक नीति, वैश्विक व्यापार, भू-राजनीतिक रणनीति और वित्तीय प्रबंधन जैसे विषयों पर एक परिपक्व दृष्टिकोण से बात नहीं करते। इनके वक्तव्यों में आंकड़ों की कमी, नीतिगत विश्लेषण का अभाव और वैश्विक संदर्भों की अनदेखी दिखती है। इनके बयान भावनात्मक हैं, तथ्यों से रहित हैं और राजनैतिक उद्देश्यों से प्रेरित हैं।

जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वैश्विक मंचों पर भारत को वैश्विक दक्षिण का नेतृत्वकर्ता, डिजिटल इंडिया और स्टार्टअप हब के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं और जब भारत जी-20 जैसे अवसरों का लाभ उठाकर निर्णायक की भूमिका में आ रहा है; तब ऐसी टिप्पणियां जो 'देश खत्म हो गया', 'विदेश नीति खत्म हो गई', 'आर्थिक गुलामी' इत्यादि यही कहती हैं, वे देश के भीतर नकारात्मक माहौल बनाकर भारत की उभरती भूमिका को कमजोर करने में लगे हुए हैं। आज राहुल जैसे भारतीय नेताओं को यह समझ क्यों नहीं आता कि विश्व अब भारत की नीतियों को गम्भीरता से लेता है। एक सांसद या पूर्व मुख्यमंत्री का बयान अब केवल स्थानीय अखबार की हेडलाइन नहीं बनता, वह वॉल स्ट्रीट, बीजिंग, ब्रुसेल्स और वॉशिंगटन में पढ़ा और विश्लेषित होता है। इसलिए कहना यही होगा कि देश के अंदर से आए इन जैसे बयानों के जरिए भारत की आत्मघाती छवि गढ़ना वास्तव में आज एक बड़ी भूल है, जिसे संविधानिक संस्थाओं के माध्यम से तुरंत रोका जाना चाहिए।

सूडोकु नवताल- 7516

★★★★☆ कठिन

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7515 का हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

रक्षाबंधन का त्योहार : भाई-बहन के स्नेह का प्रतीक

रमेश सर्राफ धमोरा

भारत एक ऐसा देश है जहां लोग साल भर त्योहार मनाते रहते हैं। उनमें से राखी का त्योहार लोगों के दिलों में बहुत खास जगह रखता है। बाकी सभी त्योहारों के मुकाबले रक्षाबंधन एक अलग रिश्ते के महत्व को जताने और दिखाने का उत्सव होता है। बच्चे हों या बुजुर्ग, अपने भाई या बहन के साथ के खास रिश्ते के लिए सभी साल दर साल इसे यादगार तरीके से मनाते रहते हैं। रक्षाबंधन का पर्व भाई और बहन के बीच पवित्र स्नेह को सदियों से दशार्ता चला आ रहा है। रक्षाबंधन का अर्थ होता है रक्षा का बंधन।

हिन्दू धर्म के सभी धार्मिक अनुष्ठानों में रक्षासूत्र बांधते समय पण्डित संस्कृत में एक श्लोक का उच्चारण करते हैं। जिसमें रक्षाबन्धन का सम्बन्ध राजा बलि से स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होता है। यह श्लोक रक्षाबन्धन का अभीष्ट मन्त्र है।

येन बद्धो बलि राजा
दानवेन्द्रो महाबलः
तेन त्वाम प्रतिबद्धनामी रक्षे
माचल माचलः

(जिस रक्षासूत्र से महान शक्तिशाली दानवेन्द्र राजा बलि को बांधा गया था, उसी सूत्र से मैं तुझे बांधता हूं। तुम अपने संकल्प से कभी भी विचलित मत होना।)

भारत में रक्षाबंधन के पवित्र पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। इसे रिश्तों में मिठास, विश्वास और प्रेम बढ़ाने वाला पर्व माना गया है। इस दिन बहनें भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं और उसकी लंबी उम्र की कामना करती हैं। इस दौरान भाई भी अपनी बहन को रक्षा का वचन देता है और क्षमता के अनुसार उसे उपहार देता है। रक्षाबन्धन का पर्व भाई-बहन के स्नेह का प्रतीक देश का एक प्रमुख त्योहार है। श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन मनाये जाने के कारण इसे श्रावणी पर्व भी कहते हैं। इस दिन ब्राह्मण, गुरु द्वारा भी राखी बांधी जाती है। रक्षाबन्धन पर्व सामाजिक और पारिवारिक एकबद्धता का सांस्कृतिक उपाय रहा है। समाज के विभिन्न वर्गों के बीच भी एक सूत्रता के रूप में इस पर्व का उपयोग किया जाता है।

रक्षाबंधन का त्योहार कब शुरू हुआ यह कोई नहीं जानता लेकिन भविष्य पुराण में इस पर्व का वर्णन मिलता है। जब देवताओं और दानवों में युद्ध शुरू हुआ। तब देवताओं पर दानव हावी होने लगे। देवराज इन्द्र ने घबरा कर देवताओं के गुरू बृहस्पति से मदद की गुहार की। वहां बैठी इन्द्र की पत्नी इन्द्राणी सब सुन रही थीं। उन्होंने रेशम का धागा मन्त्रों की शक्ति से पवित्र करके अपने पति के हाथ पर बांध दिया। संयोग से वह श्रावण पूर्णिमा का दिन था। लोगों का विश्वास है कि इन्द्र इस लड़ाई में इसी धागे की मन्त्र शक्ति से ही विजयी हुए थे। उसी दिन से श्रावण पूर्णिमा के दिन यह धागा बांधने की प्रथा चली आ रही है। यह धागा धन, शक्ति, हर्ष और विजय देने में पूरी तरह समर्थ माना जाता है। विष्णु पुराण के एक प्रसंग में कहा गया है कि श्रावण पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु ने हयग्रीव के रूप में अवतार लेकर वेदों को ब्रह्मा के लिये फिर से प्राप्त किया था। हयग्रीव को विद्या और बुद्धि का प्रतीक माना जाता है।

महाभारत में ही रक्षाबन्धन से सम्बन्धित कृष्ण और द्रौपदी का एक और वृत्तान्त भी मिलता है। जब कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से शिशुपाल का वध किया तब उनकी तर्जनी में चोट आ गई। द्रौपदी ने उस समय अपनी साड़ी फाडकर उनकी उंगली पर पट्टी बांध दी। यह श्रावण मास की पूर्णिमा का दिन था। कृष्ण ने इस उपकार का बदला बाद में चीरहरण के समय उनकी साड़ी को बढ़ाकर चुकाया। कहते हैं परस्पर एक-दूसरे की रक्षा और सहयोग की भावना रक्षाबन्धन के पर्व में यहीं से प्रारम्भ हुई।

महाभारत में इस बात का उल्लेख है कि जब युधिष्ठिर ने भगवान कृष्ण से पूछा कि मैं सभी संकटों को कैसे पार कर सकता हूं। तब भगवान कृष्ण ने उनकी तथा उनकी सेना की रक्षा के लिये राखी का त्योहार मनाने की सलाह दी थी। उनका कहना था कि राखी के इस रेशमी धागे में वह शक्ति है जिससे आप हर विपत्ति से मुक्ति पा सकते हैं। इस समय द्रौपदी द्वारा कृष्ण को तथा कुन्ती द्वारा अभिमन्यु को राखी बांधने के कई उल्लेख मिलते हैं।

स्कन्ध पुराण, पद्मपुराण और श्रीमद्भागवत में वामनावतार नामक कथा में रक्षाबन्धन का प्रसंग मिलता है। दानवेन्द्र राजा बलि ने जब 100 यज्ञ पूर्ण कर स्वर्ग का राज्य छीनने का प्रयत्न किया तो इन्द्र आदि देवताओं ने भगवान विष्णु से प्रार्थना की। तब भगवान विष्णु वामन अवतार लेकर ब्राह्मण का वेष धारण कर राजा बलि से भिक्षा मांगने पहुंचे। गुरु के मना करने पर भी राजा बलि ने तीन पग भूमि दान कर दी। भगवान ने तीन पग में सारा आकाश, पाताल और धरती नापकर राजा बलि को पाताल लोक में भेज दिया। कहते हैं कि पाताल लोक में राजा बलि ने भक्ति के बल पर भगवान विष्णु से रात-दिन अपने सामने रहने का वचन ले लिया। भगवान के घर न लौटने से परेशान लक्ष्मी जी को नारद जी ने एक उपाय बताया। उस उपाय का पालन करते हुए लक्ष्मी जी ने राजा बलि के पास जाकर उसे रक्षाबन्धन बांधकर अपना भाई बनाया और अपने पति भगवान विष्णु को अपने साथ ले आयीं। उस दिन श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि थी।

उत्तरांचल में इसे श्रावणी कहते हैं। ब्राह्मण अपने यजमानों को यज्ञोपवीत तथा राखी देकर दक्षिणा लेते हैं। अमरनाथ की अतिविख्यात धार्मिक यात्रा गुरु पूर्णिमा से प्रारम्भ होकर रक्षाबन्धन के दिन सम्पूर्ण होती है। कहते हैं इसी दिन यहां का हिमानी शिवलिंग भी अपने पूर्ण आकार को प्राप्त होता है। इस उपलक्ष्य में इस दिन अमरनाथ गुफा में प्रत्येक वर्ष मेले का आयोजन भी होता है। नेपाल के पहाड़ी इलाकों में ब्राह्मण एवं क्षत्रीय समुदाय में रक्षा बन्धन गुरू के हाथ से बांधा जाता है। लेकिन दक्षिण सीमा में रहने वाले भारतीय मूल के नेपाली भारतीयों की तरह बहन से राखी बंधवाते हैं।

दैनिक पंचांग

9 अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

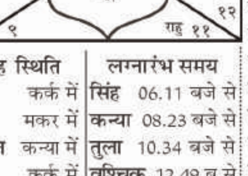

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.11 बजे से
चंद्र	मकर में	कन्या	08.23 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	10.34 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	12.49 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	15.05 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	17.10 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	18.56 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.29 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.00 बजे से
		वृष	23.40 बजे से
		मिथुन	01.38 बजे से
		कर्क	03.51 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2025 वर्ष का 221 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** श्रावण **पक्ष** शुक्ला **तिथि** पूर्णिमा 13.25 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** श्रवण 14.24 बजे को समाप्त। **योग** सौभाग्य 02.15 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बव 13.25 बजे तदनन्तर बालव 00.51 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 15.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 15° 50' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872431 **जूलियन दिन** 2460896.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** सफर **तारीख** 14 **विशेष** श्रावण पूर्णिमा, रक्षाबंधन, गायत्री जयंती, नारली पूर्णिमा, ऋग्वेद उपाकर्म, यजुर्वेद उपाकर्म, संस्कृत दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

डीसी-एसपी ने स्वतंत्रता दिवस समारोह स्थल की ली तैयारियों की समीक्षा

सिमडेगा : उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह एवं पुलिस अधीक्षक एम. अर्शी ने स्वतंत्रता दिवस 2025 की तैयारी को लेकर मुख्य समारोह स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यक्रम के सुचारू संचालन हेतु आवश्यक विधि-व्यवस्था संधारण के निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मंच एवं परिसर की साज-सज्जा, रंग-रोगन, बैरिकेडिंग, परेड के लिए मार्किंग सहित अन्य तैयारियों की समीक्षा की। अधिकारियों ने सुनिश्चित करने को कहा कि सभी कार्य समय पर और उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण हों, ताकि समारोह गरिमापूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न हो सके।

सिमडेगा में जंगली हाथियों का उत्पात कई घर क्षतिग्रस्त और फसलें बर्बाद

ठेठईटांगर : प्रखंड के घुटबहार और राजाबासा पंचायत में जंगली हाथियों द्वारा जमकर उत्पात मचाया जा रहा है। हाथी घरों के साथ-साथ खेतों में लगे फसलों को भी जमकर नुकसान पहुंचा रहे है, जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है बीते रात घुटबहार पंचायत के बेड़ाटोली निवासी बिरेन कुंडलना और त्योफिल जोजो वही राजबासा पंचायत के केसरा में प्रमोद केरकेट्टा का घर को तोड़ कर अनाज को खा गया। इस बात की जानकारी मिलते ही विधायक विक्सल नमन कोनगाड़ी के निर्देश पर उनके विधायक प्रतिनिधि प्रखंड प्रमुख व कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने सहयोग के रूप में चावल और प्लास्टिक त्रिपाल देने का काम किया। साथ ही उनके समस्याओं से अवगत हुए तथा समस्या दूर करने का आश्वासन दिया। प्रखंड प्रमुख बिपिन पंकज मिंज ने मौके पर से ही वन विभाग के अधिकारियों से सम्पर्क कर पीड़ितों के नुकसान का आंकलन कर जल्द से जल्द मुआवजा देने की प्रक्रिया पूर्ण करने का निर्देश दिया।साथ ही विधायक प्रतिनिधि ने कहा कि कभी भी गांव मे हाथी प्रवेश करता हैं तो उसकी खबर विधायक नमन बिक्सल कोंगाड़ी तक पहुंचाए ताकि समय रहते गांव के लोगो को हाथी भगाने का संसाधन उपलब्ध कराया जा सके तथा वन विभाग को भी इसकी सूचना दिया जाए। मौके पर मौजूद मंडल अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि जॉनसन डांग, विधायक प्रतिनिधि मोहम्मद कारू, संसद प्रतिनिधि फ्रांसिस बिलुंग, पंचायत अध्यक्ष सुकवान जोजो सुनील जोजो, सुभाष बडिंग, उप प्रमुख जॉर्जिना समद, जीवन समद, पोलूश केरकेट्टा, आदि उपस्थित थे।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के याद में शोक सभा का हुआ आयोजन

सिमडेगा : बस स्टैंड में झामुमो जिलाध्यक्ष अनिल कंडुलना और जिला सचिव मो सफीक खान ने झारखंड आंदोलन के प्रणेता, झारखंड के महानायक आदिवासी अस्मिता और संघर्ष के प्रतिक बाबा दिशोम गुरु स्व: शिबू सोरेन जी के याद में शोक सभा का आयोजन किया। झामुमो जिलाध्यक्ष ने कहा गुरूजी हम सभी के अभिभावक हमारे आदर्श परम आदरणीय दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी हम सभी को छोड़ कर चले गए। उनका जाना हम सभी के लिए, समस्त झारखंड वासियों के लिए अपूरणीय क्षति है जिसका भरपाई नहीं किया जा सकता है। जिला सचिव मो सफीक खान ने कहा गुरु जी झारखण्ड के अग्रणी योद्धा रहे हैं जो आखरी दम तक झारखंड के लिए लड़ते रहे। श्रद्धांजलि सभा में झामुमो जिला अध्यक्ष अनिल कांडुलना, सफीक खान, जिला उपाध्यक्ष, मो बांटी खान, अरुण, तस्लीम, मुस्ताक, नरेश शर्मा, नेल्सन लकड़ा मनोज, जावेद खान, परवेज आलम, इमरोज, छोटू, सोनू, वाजिद अंसारी, रिजवान अंसारी, मुख्य रूप उपस्थित थे।

ढाई घंटे तक नहीं पहुंची 108 एंबुलेंस
17 वर्षीय छात्र की वज्रपात से मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : प्रखंड में आज एक बार फिर लचर स्वास्थ्य तंत्र ने एक मासूम की जान ले ली। ठेठईटांगर प्रखंड के पंचायत घुटबाहर अंतर्गत डोभापानी गांव में आज दोपहर वज्रपात की चपेट में आकर दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें एक छात्र किरण बडिंग उम्र 17 वर्ष पिता सिबीलन बडिंग की मौत हो गई, जबकि दूसरा छात्र सुबन बडिंग उम्र 13 वर्ष पिता पीटर बडिंग जिंदगी और मौत से जूझ रहा है। घटना के समय दोनों किशोर दोपहर 12:30 बजे नहाने के लिए जा रहे थे, तभी अचानक गिरी बिजली ने दोनों को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के बाद क्या हुआ सवाल यहीं से शुरू होता है घटना की जानकारी मृतक के भाई जोशियल बडिंग ने दी। उन्होंने बताया कि जैसे ही हादसा हुआ, परिजनों ने तत्क्षण 108 एंबुलेंस सेवा पर कॉल करना शुरू कर दिया। दर्जनों कॉल के बाद आपरेटर द्वारा सिर्फ आश्वासन दिया गया कि एंबुलेंस भेजी जा रही है, लेकिन करीब ढाई घंटे बीत जाने के बाद भी कोई वाहन मौके पर नहीं पहुंचा। क्या आपात सेवा इतनी सुस्त है कि एक जान चले जाने के बाद ही जागती है। क्या ग्रामीण क्षेत्रों में एंबुलेंस सेवा महज कागजों पर ही सक्रिय है। जब कहीं से कोई सहायता नहीं मिली, तो परिजनों ने गांव के ही एक तीन पहिया ऑटो से दोनों पीड़ितों को सदर अस्पताल सिमडेगा पहुंचाया। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने किरण बडिंग को मृत घोषित कर दिया, जबकि सुबन बडिंग की हालत गंभीर बनी हुई है। किरण बडिंग सेंट मेरी इंटर कॉलेज समटोली, सिमडेगा का होनहार छात्र था और 11वीं कक्षा में पढ़ता था। उसके सपने थे, पढ़ाई में तेज था और अपने माता-पिता की उम्मीदों का केंद्र था। क्या समय पर चिकित्सा सेवा मिलने से उसकी जान नहीं बच सकती थी। घटना की सूचना मिलते ही भारत आदिवासी पार्टी के जिला अध्यक्ष अमृत चिराग तिर्की तत्काल सदर अस्पताल, सिमडेगा पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात की, संवेदना व्यक्त की और प्रशासन की घोर लापरवाही पर तीखे सवाल उठाए अगर 108 सेवा सिर्फ शहर तक सीमित है, तो गांव वालों के लिए कौन सी सेवा है, क्या गरीब आदिवासी बच्चों की जान की कोई कीमत नहीं। अगर ढाई घंटे में भी एंबुलेंस नहीं पहुंची, तो 108 का नंबर प्रचार के लिए है या सेवा के लिए प्रशासन की चुप्पीजवाब कौन देगा। कौन जिम्मेदार है इस मौत का क्यों नहीं पहुंची एंबुलेंस क्या वज्रपात से पीड़ितों के लिए कोई आपदा राहत तंत्र सक्रिय है क्या हर हादसे के बाद पीड़ितों को अपनी व्यवस्था खुद करनी होगी जनता का गुस्सा और पीड़ा अब बस बहुत हुआ! इस हादसे ने झारखंड के ग्रामीण स्वास्थ्य तंत्र की पोल खोल दी है। यह सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम के संवेदनहीन होने की तस्वीर है। अब जनता जानना चाहती है: क्या समय पर सेवा मिलना अब एक ह्यसौभाग्यह्न बन गया है क्या सरकारी सुविधाएं सिर्फ फाइलों और घोषणाओं में सीमित हैं संवेदनशील सवालों से भरी इस त्रासदी पर यदि अब भी कोई जवाब नहीं आया तो अगला नंबर किसका होगा।

सिपाही बिपुल कच्छप को पुलिसमैन ऑफ द वीक का मिला पुरस्कार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा, सिमडेगा जिला में उत्कृष्ट टर्न आउट, कर्त्तव्य परायणता एवं सकारात्मक (नैतिक) सोच वाले पुलिस कर्मियों को पुरस्कृत करने एवं उनके मनोबल को बढाने हेतु पुलिसमैन ऑफ द वीक पुरस्कार का आरंभ किया गया है, जिसके तहत प्रत्येक सप्ताह सर्वश्रेष्ठ पुलिस कर्मियों (आरक्षी से लेकर सहायक अवर निरीक्षक संवर्ग के पुलिस कर्मी/पुलिस पदाधिकारी) का चयन कर अपने बेहतर ड्यूटी एवं बेस्ट टर्नआउट के लिए पुरस्कृत किया जाएगा, और उसकी तस्वीर पूरे सप्ताह थाना/ओ0पी0/प्रतिष्ठान के सूचना पट में लगा रहेगा। इससे पुलिस कमीर्यों/पदाधिकारियों में अपनी ड्यूटी पूरी लगनता एवं कुशलता के साथ करने हेतु प्रोत्साहन मिलेगी और उनका मनोबल बना रहेगा। इसी कड़ी में इस सप्ताह आज दिनांक 08.08.25 को ओड़गा ओ0पी0 में प्रतिनियुक्त आरक्षी/879 विपुल कच्छप को माह अगस्त 2025 के प्रथम सप्ताह में अपने उत्कृष्ट टर्न आउट, कर्त्तव्य परायणता एवं सकारात्मक (नैतिक) सोच के लिए पुलिसमैन ऑफ द वीक पुरस्कार से पुरस्कृत एंव सम्मानित किया जाता है। उक्त पुलिसकर्मी के द्वारा अपनी ड्यूटी पूरे लगन और कुशलता के साथ किया जाता है।

प्रशासन की लापरवाही से दो साल से ठप स्वास्थ्य केंद्र, ग्रामीणों में रोष

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : प्रखंड के अंतर्गत पंचायत कोनजोबा स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर, गोरारजोर पिछले लगभग दो वर्षों से जर्जर भवन के कारण पूरी तरह बंद पड़ा है। इस कारण ग्रामीणों को बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित होना पड़ रहा है। मुखिया मुंश खेस एवं क्षेत्रीय ग्रामीणों ने इस गंभीर समस्या के समाधान हेतु कई बार संबंधित अधिकारियों को भवन की मरम्मत के लिए लिखित आवेदन सौंपे। विभागीय कर्मचारी निरीक्षण के लिए भी पहुंचे, लेकिन अब तक मरम्मत कार्य की शुरूआत नहीं हो पाई। भवन की हालत इतनी खराब है कि कभी भी गिरने का खतरा बना हुआ है, जिससे आसपास के लोगों की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। स्वास्थ्य केंद्र के बंद रहने से लोगों को मामूली इलाज के लिए भी दूर-दराज के अस्पतालों में जाना पड़ता है, जिससे समय, धन और श्रम की बबार्दी हो रही है। आपातकालीन हालात में यह स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है। इस मामले पर गंभीरता दिखाते हुए भारत आदिवासी पार्टी के जिलाध्यक्ष अमृत चिराग तिर्की ने कड़ा रोष व्यक्त किया उन्होंने कहा ग्रामीणों की लगातार शिकायतों और अधिकारियों को बार बार आवेदन देने के बावजूद अब तक मरम्मत कार्य शुरू न होना प्रशासन की घोर लापरवाही है यह केवल स्वास्थ्य सेवाओं का सवाल नहीं, बल्कि ग्रामीणों की जान की सुरक्षा का भी मुद्दा है हम मांग करते हैं कि तुरंत मरम्मत कार्य शुरू किया जाए, अन्यथा हम आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। जिलाध्यक्ष ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन और संबंधित विभाग इस मामले को नजरअंदाज करते रहे, तो पार्टी और ग्रामीण संयुक्त रूप से बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन करेंगे। ग्रामीणों का कहना है कि कभी यह आयुष्मान आरोग्य मंदिर पूरे में स्वास्थ्य सेवाओं का अहम केंद्र था, लेकिन आज यह उपेक्षा और खस्ताहाल का शिकार हो चुका है। यदि जल्द मरम्मत नहीं हुई, तो न केवल स्वास्थ्य सेवाएं बाधित रहेंगी।

दुनिया में सबसे श्रेष्ठ है आदिवासी समाज की भाषा, संस्कृति : जोसिमा खाखा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : गॉसनर इंटर कॉलेज घोड़बहार में विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया गया। जिसमें पारंपरिक नृत्य, गीत और आदिवासी समाज की गौरवगाथा पर आधारित कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद सदस्य जोसिमा खाखा उपस्थित थी। कॉलेज प्रबंधन एवं छात्र-छात्राओं ने पारंपरिक तरीके से उनका स्वागत किया। प्राचार्य प्रो शीतल एक्का ने मुख्य अतिथि को फूल-माला दे कर सम्मानित किया। मंच पर संबोधित करते हुए जोसिमा खाखा ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस सिर्फ उत्सव नहीं, बल्कि हमारी पहचान, संस्कृति और अधिकारों को सुरक्षित रखने का संकल्प है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे अपनी जड़ों से जुड़े रहें और आधुनिक शिक्षा के साथ अपनी पारंपरिक धरोहर को भी आगे बढ़ाएं। जोसिमा ने आदिवासी समाज की भाषा, संस्कृति को दुनिया का सबसे श्रेष्ठ बताया। साथ ही इसे सहेजने की अपील की। मौके पर ढोल-नगाड़ों की थाप और नृत्य की ताल पर पूरा माहौल उल्लास से भर गया। कार्यक्रम का संचालन कॉलेज के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने संयुक्त रूप से किया। मौके पर शोभेन तिग्गा, प्रतिमा कुजुर, उर्मिला केरकेट्टा, जूली लुगून, अरविंद लुगून, सागर, कॉलेज के अजीत डुंगडुंग, अंजलि एक्का सहित कई शिक्षक, छात्र और गणमान्य लोग उपस्थित थे।

डीसी एवं एसपी ने ईवीएम वेयरहाउस का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : उपायुक्त कंचन सिंह एवं पुलिस अधीक्षक एम. अर्शी ने ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था की गहन समीक्षा की। उन्होंने सीसीटीवी कैमरों के लाइव फीड के माध्यम से निगरानी प्रणाली की कार्यप्रणाली जांची और सभी उपकरणों के सुचारू रूप से कार्यरत होने की पुष्टि की। उपायुक्त ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सुरक्षा में किसी प्रकार की चूक न हो। उन्होंने 24 घंटे सतत निगरानी, गार्डों की चौकसी और प्रवेश-निकास रजिस्टर के सही संधारण पर जोर दिया। पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा बलों को सतर्क और अनुशासित रहने के निर्देश देते हुए कहा कि ईवीएम लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अहम हिस्सा है, जिसकी सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान परिसर और आसपास की स्थिति भी देखी गई। तथा आवश्यक निर्देश दिये। मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी पवन कुमार महतो, कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल अमृत मिंज सहित अन्य पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

संघर्ष ही आदिवासियों का इतिहास, वर्तमान और भविष्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : विश्व आदिवासी दिवस केवल उत्सव नहीं, आदिवासियों की आवाज सुनने और सम्मान देने की प्रवृत्ति लाने एवं उनकी सांस्कृतियों को सम्मान देना सुनिश्चित करने का मौका है। कुछ दुख हैं जो अब भी जडो में हैं, कुछ भाव हैं जो अब भी टहनियों पर टंगे हैं, कुछ आशीष हैं जो अब भी फुगनियों में हैं, कुछ प्रार्थनाएं हैं जो अब भी शाखा में हैं कुछ लोग हैं जो अब भी पेड़ों की पूजा करते हैं। अनूज लुगुन की कविता और उन्हीं आदिवासी या विश्व के स्वदेशी लोगों के लिए जेनेवा ने 2019 से विश्व स्वदेशी दिवस की महत्ता को और अधिक विस्तार देने की पहलों को बढ़ाया, क्योंकि 1994 ई से तो यह दिन वैश्विक तौर पर आदिवासियों के सांस्कृतिक विविधता एवं वैश्विक चुनौती को एड्रेस करने के लिए मनाया जाता रहा है। इस दिवस का प्रमुख उद्देश्य आदिवासी समुदाय में जागरुकता बढ़ाना, अधिकारों और वकालत को बढ़ावा देना, समुदाय के योगदान का जश्न मनाना एवं वैश्विक सहयोग को प्रोत्साहित करना है। यू एन ओ ने इस वर्ष विश्व आदिवासी दिवस के वैश्विक एजेंडा के लिए रिस्क एंड रिवाड्र्स ओफ आर्टिफिसियल इंजिलिजेंस फोर इंडिजिनस पीपलह्न तय किया है। उक्त विषय पर आदिवासियों पर प्रभाव एवं उनके पारंपरिक ज्ञान के विस्तार को लेके रिसर्च हेतु झारखंड की डो. सोना झरिया मिंज यूनेस्को की को-चेयर बनायी गई हैं। यह आदिवासी समाज की प्रतिभा ही है कि आदिवासियों के जीवन- दर्शन पर अपने पहली कविता संग्रह फिर उगना के लिए डो. पार्वती तिर्की को साहित्य अकादमी का युवा कवि पुरस्कार प्राप्त हुआ। अनिमेष कुजूर देश के सबसे तेज धावक का रिकोर्ड बनाया। इन सब मुख्यधाराओं की प्रतियोगिता में आदिवासियों की योग्यता, प्रतिभा, और ताकत के साथ ज्ञान भी प्रदर्शित हुई है। किन्तु ये महज एक कण ही हैं। इन सुखद सफलता के कारण आदिवासियों के लिए कई द्वार बन रहे हैं। पर दूसरी तरफ जब देखा जाए तो आदिवासियों के असल संसाधनों जमीन, जंगल और स्वयं आदिवासी समुदाय के सुरक्षा और सरंक्षण के मूल अधिकारों के हनन को अनदेखी नहीं किया जा सकता है। भारतीय संविधान में दर्ज पाँचवीं अनूसूची, वन अधिकार अधिनियम 2006, पेसा अधिनियम 1996, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 एवं सी एन टी एक्ट जैसे संवैधानिक और कानूनी सुरक्षा के बावजूद आदिवासियों के जमीन और संसाधनों को संस्थागत मिलीभगत से लूटना आज के समय की नयी धोखेबाजी है जिसे लगभग सभी सत्ता स्वीकारते भी हैं। सामाजिक न्याय के स्तर पर मूल्यांकन करने पर स्वास्थ्य और शिक्षा, स्वच्छ जल से महरुम आदिवासी समुदाय के हिस्सों का फंड जाने कौन डकार जाता है, अवैध खनन और जमीन लूट, अवैध हस्तांतरण सिमडेगा के अंदर भी खूब हुए हैं, हो रहे हैं। सादा पट्टा और अवैध एग्रीमेंट से गैर आदिवासी, आदिवासियों के जमीनों पर घर बना रहे हैं, ये सब खुला लूट प्रशासन की मिलीभगत से ही संभव है। आदिवासी गाँवों तक सड़क नहीं होने से खटिया पर अस्पताल तक मरीजों और गर्भवती महिलाओं को लाने की दर्जनों रिपोर्टिंग हर साल होने के बाद वही हाल हर वर्ष फिर देखने को मिलता है, यह दिखाता है कि प्रशासनिक तबका और राजनीति आज भी किनको प्राथमिकता देती है। हाल में आदिवासी भाषाओं में पी.एच.डी करने वाले छात्र छात्राओं को वैसे मेंटर एवं गाईड दिए गए जिनको संताली, हो, मुंडारी, कुड़ुख भाषा का ज्ञान नहीं है, घटिया मजाक तो ये है कि एकाध गाईड खुद पी.एच.डी की डिग्री नहीं ले पाएं हैं, ऐसा राँची के विश्वविद्यालय के भाषा विभाग के गैर आदिवासी डीन के द्वारा यू जी सी गाइडलाईन का उल्लंघन कर किया गया, यह ताजा उदाहरण यह दिखाता है कि कैसे आदिवासियों के साथ छल करने का साजिश शिक्षा क्षेत्र में, नौकरी के क्षेत्र में प्याप्त है। प्रशासनिक स्तरों पर भी आदिवासियों को सुनने और जानने की कोई निस्वार्थ चाह बची नहीं है, जिसके कई कई उदाहरण जिला में उपस्थित हैं ।

संक्षिप्त खबरें

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में मना रक्षाबंधन उत्सव

सिमडेगा : सरस्वती शिशु विद्या मंदिर सलडेगा में मना रक्षाबंधन उत्सव वनवासी कल्याण केंद्र झारखण्ड द्वारा सम्बद्ध श्रीहरि वनवासी विकास समिति झारखण्ड की शैक्षिक इकाई सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर सलडेगा में मना रक्षाबंधन उत्सव। इस अवसर पर विद्यालय में अध्ययनरत भैया बहनों ने एक दूसरे की कलाईयों पर रक्षा सूत्र बांधते हुए मिठाई खिलाकर एक दूसरे को शुभकामनाएं अर्पित की। रक्षा बंधन उत्सव के इस पावन अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री जितेन्द्र कुमार पाठक ने भैया/ बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि रक्षा-सूत्र प्रेम, सद्भावना, विश्वास और पवित्र रिश्ते का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आज के सामाजिक परिप्रेक्ष्य में स्वच्छ और समृद्ध समाज के निर्माण के लिए हम सभी को रक्षाबंधन के महत्व एवं भावनाओं को जीवन में आत्मसात करना चाहिए। रक्षाबंधन उत्सव के अवसर पर विद्यालय में सेवारत सभी आचायाओं ने भी पुरुष आचार्यों को रक्षाबंधन सूत्र बांध कर मंगलकामनाएं दी। इस अवसर पर आचार्य श्री मनोज प्रसाद, आशीष बड़ाईक, ओमप्रकाश आलोकनाथ साहू, मनोज कुमार, नूतन निरंजन सिंह, वेद प्रकाश, अनुज अरूण तिग्गा, आचार्या श्रीमती सीमा कुमारी, चंपा मांझी, सोनिया कुमारी, टिकेश्वरी कुमारी, शांता श्रेया, शोभा बड़ाईक, प्रतिमा कुमारी नायक, ममता कुमारी, सीता देवी, प्रमिला किंडो, मीरा कच्छप, आशा मुण्डा, उषा कुमारी, सरिता कुमारी, गौरी देवी, मुदित टोप्पो, सुलोचना कुमारी, दीक्षा कुमारी, रश्मि बड़ाईक, गीता कुमारी, सुषमा कुमारी, अलका कुमारी, साधना कुमारी, रोशनी कुमारी आदि उपस्थित थे।

रामगढ़ जिला स्तरीय जवाहरलाल नेहरू कप हॉकी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

रामगढ़ : शुक्रवार को खेलो झारखंड अंतर्गत झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद रामगढ़ द्वारा आयोजित जवाहर लाल नेहरू कप हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन गांधी मेमोरियल प्लस टू उच्च विद्यालय रामगढ़ में किया गया। जिसमें पतरातू और मांडू प्रखंड के अंडर 15 बालक अंडर 17 बालिका और बालक वर्ग की टीम के बीच मैच खेला गया। जिसमें अंडर 15 बालक और 17 बालक दोनों वर्ग में गांधी मेमोरियल प्लस टू उच्च विद्यालय रामगढ़ की टीम विजेता रही। वहीं अंडर 17 बालिका वर्ग कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय मांडू विजेता रही। वहीं पवन क्रूस भुरकुंडा की टीम उपविजेता रही। सभी विजेता और उप विजेता टीम को अतिथियों के द्वारा ट्रॉफी और मेडल देकर पुरस्कृत किया गया। सभी विजेता टीम राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में रामगढ़ जिला से प्रतिनिधत्व करेगी। मौके पर एपीओ कुमार राज, बलबिंदर सिंह, कमरुद्दीन अंसारी,शेखर कुमार, दीपक कुमार सिंह, सोनू करमाली, अरुण कुमार, रविन्द्र कुमार, कमल कुमार महतो सहित कई पदाधिकारी और शारीरिक शिक्षा शिक्षक मौजूद थे।

उपेक्षा के कारण घटा संस्कृत का महत्व : लीलेश्वर

भुरकुंडा : श्री अग्रसेन स्कूल, भुरकुंडा में संस्कृत दिवस के अवसर पर शुक्रवार को संस्कृत कौशल अभ्युदय प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतिभागियों ने गायन कौशल में 'त्वमेव माता च पिता त्वमेव' मंत्र के पूरे पाठ का लयबद्ध उच्चारण करने व लेखन कौशल में 'शिक्षा का जीवन में महत्व' विषय पर संस्कृत में छह-आठ पंक्तियां लिखने की स्पर्धा में भाग लिया। अभिजीत राज कुशवाहा, अंकुश कुमार, आराध्या कुमारी, सुनिधि कुमारी, अनिकेत उपाध्याय, आयुष धर्मेंद्र, अनुप्रिया कुमारी, अंजना कुमारी, सौम्या केसरी, मयंक कुमार, सोनाली केसरी, नंदिनी कुमारी, नैंसी कुमारी, गीता कुमारी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस अवसर पर संस्कृत शिक्षक आचार्य लीलेश्वर पांडेय ने बच्चों को संस्कृत भाषा का महत्व समझाया। श्री पांडेय ने कहा कि संस्कृत भाषा भारत देश की सबसे प्राचीन भाषा है। प्राचीन ग्रन्थ, वेद आदि की रचना भी संस्कृत में ही हुई थी। यह भाषा बहुत सी भाषाओं की जननी है। महाभारत काल में वैदिक संस्कृत का प्रयोग होता था। लेकिन उपेक्षा के कारण आज संस्कृत भाषा देश की कम बोले जानी वाली भाषा बन गई है। दीपिका तिवारी ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्द्धन करते हुए कहा कि संस्कृत की महत्ता से कोई इनकार नहीं कर सकता है। इस भाषा के अभ्यास से हमें दूसरी भाषा को भी सिखने-बोलने में मदद मिलती है। भारत में संस्कृत दिवस श्रावण पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। इस दिन को इसीलिए चुना गया था कि इसी दिन प्राचीन भारत में शिक्षण सत्र की शुरूआत होती थी। आज संस्कृत भाषा का व्यापक प्रचार-प्रसार करने की जरूरत है।

ए ला एंगलाइज विद्यालय में ओ.पी. जिंदल फाउंडर डे पर विजेताओं का हुआ सम्मान

रामगढ़ : ए ला एंगलाइज विद्यालय में आज प्रात:कालीन सभा के दौरान एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें ओ.पी. जिंदल फाउंडर डे के उपलक्ष्य में आयोजित इंटरस्कूल प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। यह प्रतियोगिता ओ.पी. जिंदल फाउंडेशन की ओर से आयोजित की गई थी, जिसमें विभिन्न विद्यालयों के छात्रों ने भाग लेकर अपने हुनर और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं में अश्रु भाषण, शतरंज प्रतियोगिता, और गायन प्रतियोगिता शामिल थे। ए ला एंगलाइज विद्यालय के छात्रों ने इन प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर कई पुरस्कार अपने नाम किए। प्रात: सभा में विजेता विद्यार्थियों को ट्रॉफी, प्रमाण पत्र और पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या ने विजेताओं को बधाई देते हुए कहा, हमारे छात्रों ने न केवल स्कूल का नाम रोशन किया, बल्कि ओ.पी. जिंदल जी के सपनों को साकार करने की दिशा में भी योगदान दिया है।

निर्मल महतो के 38वें शहादत दिवस पर दी गई श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : झारखंड आंदोलन के अग्रणी नायक शहीद निर्मल महतो के 38वें शहादत दिवस पर शुक्रवार को बिष्टुपुर स्थित चमरिया गेस्ट हाउस और कदमा के उलियान स्थित समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा रहा। इस वर्ष का आयोजन भावुक माहौल में हुआ, क्योंकि यह पहला मौका था जब दिशोम गुरु एवं झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन की मृत्यु और रामदास सोरेन के इलाजरत होने के कारण झामुमो के बड़े नेता और मुख्यमंत्री इस अवसर पर मौजूद नहीं रहे। दिशोम गुरु के निधन से लोगों में गहरी मायूसी देखी गई। यह वही शिबू सोरेन थे, जिन्होंने शहीद निर्मल महतो के साथ मिलकर अलग झारखंड राज्य की नींव रखी थी।

8 अगस्त 1987 को चमरिया गेस्ट हाउस के गेट पर निर्मल महतो की हत्या के बाद झारखंड आंदोलन ने जोर पकड़ा और अंततः अलग राज्य का सपना साकार हुआ। इस बार, झारखंड आंदोलन के इन दोनों नायकों की अनुपस्थिति में, कार्यक्रम सादगी से आयोजित किया गया और श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में शहीद निर्मल महतो की परिवार सदस्य एवं ईचागढ़ विधायक सविता महतो, झामुमो के प्रदेश प्रवक्ता मोहन कर्मकार, पूर्व सांसद शैलेंद्र महतो, सूर्य सिंह बेसरा समेत कई लोग मौजूद रहे। सभी ने शहीद निर्मल महतो और शिबू सोरेन के सपनों का झारखंड बनाने का संकल्प

इधर, चाकुलिया प्रखंड के कुचियाशोली चौक में भी श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। बहरागोड़ा विधायक समीर कुमार महंती ने माल्यार्पण कर निर्मल महतो को नमन किया। उन्होंने कहा कि निर्मल दा का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। उन्होंने झारखंड की अस्मिता, अधिकार और सम्मान के लिए जो संघर्ष किया, वह हम सभी के लिए प्रेरणा है। हम उनके सपनों का झारखंड बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। श्रद्धांजलि सभा में झामुमो नेता एवं प्रखंड प्रमुख धनंजय करुणामय, नगर अध्यक्ष मो. गुलाब, निर्मल महतो, गौतम दास, असगर हुसैन, भित्ति सुंदर महतो, राकेश मोहंती, राम बास्के, राजा बारीक, सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद रहे।

एक नजर

हसुवा से वार कर एक युवक को किया घायल रेफर, प्राथमिकी दर्ज

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र के महेश बथान गांव में मंगलवार के दोपहर तेज हवा में छप्पर उड़ने की घटना जानलेवा हमले में बदल गई। पीड़िता अंजलि घोष (60) ने थाने में दर्ज शिकायत में आरोप लगाया कि 5 अगस्त को दोपहर को घर का खपड़ा उड़कर पड़ोसी के घर में गिर गया था। इसी दौरान उनका बेटा कुश घोष ऊपर चढ़कर इसे सही कर रहा था, तभी पड़ोसी सोनू घोष, रुपा घोष और सायन घोष हरवे-हथियार लेकर गाली-गलौज करने लगे। मना करने पर सोनू घोष ने कथित रूप से आदेश दिया, जान से मार दो। इसके बाद तीनों ने अंजलि घोष को पकड़कर जमीन पर गिराया और लात-घूंसों से बेरहमी से पिटाई की। बचाने आए कुश घोष पर सोनू घोष ने हंसुआ से वार कर सिर फाड़ दिया, जिससे खून बहने लगा। गले पर भी वार करने की कोशिश में कुश घोष का दाहिना हाथ कट गया और वह बेहोश हो गया। इसी दौरान रुपा घोष ने अंजलि घोष के गले से डेढ़ भरी सोने की माला छीनकर सायन घोष को दे दी। शोर मचाने पर ग्रामीण जुटे, तो आरोपी धमकी देते हुए फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल कुश घोष को पहले राजमहल अस्पताल और वहां से मालदा सदर अस्पताल रेफर किया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने मामले में कांड संख्या 307/25 दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रेल के चपेट में आने से विक्षिप्त की मौत

साहिबगंज/बोरियो : थाना क्षेत्र के मोती पहाड़ी में एमजीआर ललमटिया-पथरा के बीच स्थित बरमसिया गांव के करीब रेलवे लाईन में गुरूवार की देर रात एक विक्षिप्त कोयला लदे रेल के चपेट में आ गया, जिस कारण मौके पर ही उसकी मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक मृतक मानसिक रूप से विक्षिप्त था, और हमेशा भटकता रहता था, गुरूवार को भी घर से निकला था, और भटकते हुए बरमसिया रेल लाईन किनारे पहुंच गया, जहां वो रेल हादसे का शिकार हो गया। शुक्रवार के सुबह परिजनों को पता चला कि युवक की मौत कोयला ढो रहे रेल के चपेट में आने से हो गई है। दुघर्टना की सूचना मिलते ही बोरियो पुलिस मौके पर पहुंच कर शव को अपने कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज भेज दिया। इधर परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

मारपीट को लेकर थाना में प्राथमिकी दर्ज

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र के महेशबथान गांव में जमीन विवाद को लेकर एक 61 वर्षीय महिला के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता रूपा घोष ने थाना में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस को दिए आवेदन में रूपा घोष ने बताया कि मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे गांव के कुश घोष और उनके परिजनों ने गाली-गलौज करते हुए हमला किया। महिला ने आरोप लगाया कि विरोध करने पर कुश घोष ने उनके बाल पकड़कर मारपीट की और बुरी नियत से खींचते हुए घर के अंदर ले जाने की कोशिश की। हल्ला सुनकर उनका बेटा सोनू घोष बचाने आया तो अंजली घोष, प्रिति घोष और नकुल घोष ने मिलकर दोनों के साथ मारपीट की। इस दौरान अंजली घोष ने पीड़िता के कान से सोने की बाली छीनकर नकुल घोष को दे दी। मारपीट में महिला के सीने और सिर में चोटें आई हैं, वहीं उनका बेटा भी जख्मी हो गया, जिसका इलाज चल रहा है। पीड़िता का कहना है कि जमीन विवाद को लेकर कई बार पंचायत हो चुकी है, लेकिन आरोपी पक्ष पंचायत का फैसला मानने को तैयार नहीं है। पुलिस ने रूपा घोष के बयान के आधार पर कांड संख्या 308/25 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राज्य के विकास के लिए गुरूजी के उठाए गए हर कदम के साथ रहे संवेदक : राजीव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला संवेदक संघ ने नगर परिषद प्रांगण में शुक्रवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा के संरक्षक, पूर्व मुख्यमंत्री सह वर्तमान राज्यसभा सांसद दिशोम गुरू शिबू सोरेन के निधन पर शोकसभा की। इस दौरान संवेदकों ने उनके तैलीय चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर व दो मिनट का मौन धारण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। अध्यक्ष राजीव चौधरी गुरूजी के निधन को संपूर्ण झारखंड के जनमानस की क्षति बताई। उन्होंने कहा कि संवेदकों का गुरूजी से हमेशा अटूट संबंध रहेगा। गुरूजी ने झारखंड को अलग कराया। संवेदकों ने राज्य के विकास के लिए गुरूजी के उठाए गए हर कदम का साथ दिया। मौके पर बंधु यादव, सुरेंद्र यादव, बबलू सिन्हा, प्रदीप पासवान, श्रीवास्तव यादव, मनीष सिन्हा, अशोक यादव, गौतम गुप्ता, चुन्नू तिवारी, दिलीप सिंह आदि मौजूद रहे।

जनता दरबार में डीसी ने सुनीं जनता की समस्याएं, त्वरित समाधान का दिया निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : डीसी सह जिला दंडाधिकारी हेमंत सती की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी-अपनी समस्याएं डीसी के समक्ष रखीं। डीसी ने सभी शिकायतकर्ताओं से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनकी समस्याएं गंभीरता से सुनीं और समाधान का आश्वासन दिया।जनता दरबार के दौरान विभागों से संबंधित अनेक शिकायतें डीसी के समक्ष प्रस्तुत की गईं। डीसी हेमंत सती ने मौके पर ही संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे सभी प्राप्त आवेदनों की भौतिक जांच कर शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि किसी भी शिकायत को अनदेखा

नहीं किया जाएगा और हर नागरिक को समयबद्ध एवं पारदर्शी समाधान उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। डीसी ने विशेष रूप से सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि शिकायतों के निष्पादन उपरांत उसकी रिपोर्ट डीसी कार्यालय को अनिवार्य रूप से समर्पित करें। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़ी समस्याओं के समाधान में लापरवाही बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा कि शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण और त्वरित होना चाहिए ताकि आमजन को राहत मिल सके।ज्ञात हो कि साहेबगंज जिले में प्रत्येक सप्ताह मंगलवार एवं शुक्रवार को समाहरणालय में जनता दरबार आयोजित किया जाता है, जिसमें जिलेवासी अपनी समस्याएं सीधे डीसी के समक्ष रख सकते हैं। इस पहल से प्रशासन और आम जनता के बीच संवाद मजबूत हुआ है और शासन की योजनाएं जमीनी स्तर तक पहुंच रही हैं।

हिरणपुर के नौनिहालों को आंगनबाड़ी और विद्यालय जानें में हो रही परेशानी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़/हिरणपुर: जिले के हिरणपुर प्रखण्ड के बाजार स्थित बालक मध्य विद्यालय के पीछे आंगनबाडी के निकट जबरदाहा पंचायत वार्ड नं 7 में सड़क पर घुटना भर पानी जमा हो गया है। मुख्य सड़क से सुन्दरपुर जाने वाले रास्ते में भी जलजमाव होने के कारण सड़क तालाब जैसा बना हुआ है। सड़क पर पैदल चल रहे राहगीरों को तो परेशानियों का सामना करना ही पड़ रहा है पर सबसे अधिक परेशानी आंगनबाड़ी और बालक मध्य विद्यालय के बच्चों को हो रही है। हिरणपुर पाकुड़ मुख्य सड़क की तो बात ही निराली है, सड़क कम तालाब

ज्यादा प्रतीत होता है। हमनें प्रमुखता से पहले भी खबर प्रकाशित किया था।स्थानीय लोगों ने बताया कि जब भी बारिश होती है यहां सड़क पर पानी जमा हो जाता है, निकासी की व्यवस्था नहीं रहने के कारण सड़क पर पानी जमा रहता है। वहीं दूसरा कारण सड़क किनारे आंगनबाड़ी के बगल में जो नाला का निर्माण हुआ है वो नाला जाम हो गया है (यह ठेकेदार की करामात है जिसमें नाले को स्लैब से ढकना था, पर जहां शिलापट्ट लगा है वहाँ भी स्लैब लगाना ठेकेदार ने मुनासिब नहीं समझा) जिस कारण नाला बाहरी गन्दगी से जाम हो गया है व अब पानी नाले से नहीं निकल पाता है। ज्ञात हो कि प्रतिदिन सैकड़ों बच्चे इस सड़क का प्रयोग कर स्कूल आना जाना करते हैं। नाला जाम रहने के कारण सड़क पर गंदा बदबूदार पानी भर जाता है। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने उपायुक्त मनीष कुमार से गुहार लगाई कि जैसे जिले को प्रगीतिशील बनाने में जुटे हुए है, हिरणपुर के सड़कों का भी कायाकल्प जल्द कर दीजिये, हम हिरणपुरवासी आपके आभारी रहेंगे।

जंगल में रील बना रहे लड़के लड़कियों पर मधुमक्खियों का हमला 4 की हालत गंभीर

कोडरमा : लड़के लड़कियों की जिंदगी उस वक्त खतरे में पड़ गई जब मधुमक्खियों ने उन पर हमला कर दिया। मधुमक्खियों के झुंड से खतरनाक हमले की वजह से चार की हालत गंभीर हो गई है रिल बना रहे हैं कुछ लड़के लड़कियों की जिंदगी उसे वक्त खतरे में पड़ गई जब मधुमक्खियों के झुंड के खतरनाक हमले की वजह से चार की हालत गंभीर हो है।सभी का अस्पताल में इलाज चल रहा है घटना चंदवारा प्रखंड की है। शुक्रवार सुबह चंदवारा प्रखंड के ग्राम चौराही के रहने वाले कुछ लड़के लडकियां जंगल में रील की शूटिंग के रहे थे। इस दौरान एक पेड़ की डाली तोड़ने के बाद मधुमक्खियों ने हमला कर दिया टीम में शामिल छह लोग इधर उधर भागने लगे दो लोग खुद को बचने में कामयाब रहे।

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम के तहत बालिकाओं को किया गया जागरूक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला समाज कल्याण विभाग, साहिबगंज के निदेर्शानुसार आज कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय बरहेट एवं मंडरो प्रखण्ड में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मंथन संस्था, मुख्यमंत्री सारथी योजना, चाइल्ड हेल्पलाइन तथा संरक्षण पदाधिकारी के सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं के सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और आत्मरक्षा के महत्व पर जोर देना था। इस अवसर पर बाल विवाह, बाल श्रम और शोषण जैसी सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने में समाज की सहभागिता को आवश्यक बताया गया।मुख्यमंत्री

सारथी योजना की सेंटर ट्रेनर सुनैना कुमारी ने बताया कि इस योजना के तहत बालिकाओं को तीन माह तक विभिन्न ट्रेड जैसे- सिलाई मशीन ऑपरेटर, जनरल ड्यूटी सहायक, ब्यूटीशियन, फैशन डिजाइन और कंप्यूटर प्रशिक्षण (एडीसीए) में कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे उन्हें रोजगार और स्वरोजगार के अवसर प्राप्त हो सकें। मंथन संस्था के समन्वयक अमन वर्मा ने बालिकाओं को गुड टच-बैड टच, पोक्सो एक्ट, बाल विवाह और बाल श्रम से संबंधित जागरूकता प्रदान की। वहीं चाइल्ड हेल्पलाइन के समन्वयक मोहम्मद इकबाल ने नशा मुक्ति और किशोर न्याय अधिनियम पर विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान चंदा कुमारी ने स्पॉन्सरशिप, फोस्टर केयर, आफ्टर केयर और दत्तक ग्रहण प्रक्रिया से जुड़ी जानकारियां साझा कीं। साथ ही, एंटी साइबर क्राइम के प्रति जागरूक करते हुए 1930 टोल-फ्री नंबर की जानकारी दी गई, जिस पर ऐसी घटनाओं की तुरंत सूचना दी जा सकती है। इस कार्यक्रम ने बालिकाओं में आत्मविश्वास और जागरूकता की नई ऊर्जा का संचार किया, जिससे वे भविष्य में अपनी सुरक्षा और अधिकारों के प्रति सजग रह सकें।

संक्षिप्त खबरें

एसडीपीओ ने की मासिक अपराध नियंत्रण गोष्ठी की बैठक

साहिबगंज : अनुमंडलीय कार्यालय स्थित अपने कक्ष में शुक्रवार को सदर एसडीपीओ किशोर तिर्की ने मासिक अपराध नियंत्रण गोष्ठी की बैठक। इस दौरान उन्होंने अपराधियों की सूची बना कर उन्हें गिरफ्तार करने, नशा उत्पादों पर रोक लगाने, मोटरसाइकिल की चोरी व घरों में चोरी पर रोक लगाने, रात्रि गश्ती पर विशेष फोकस करने, गश्ती के दौरान संदिग्ध लोगों की जांच करने, चौक, चैराहों व सन्नाटों में बेवजह खड़े लोगों से पूछताछ करने, हर गली मोहल्लों में पेट्रोलिंग करने, लंबित कांडों का जल्द से जल्द निष्पादन करने, लाल वारंटियों को गिरफ्तार करने, सुचारू रूप से वाहन जांच अभियान चलाने, अवैध लॉटरी, जुआ के अड्डे व गांजे जैसे अवैध कारोबार पर नकेल कसने का निर्देश दिया। साथ ही लोगों से बेहतर तालमेल बनाने, थानों में उनकी समस्या सुनने, सूचना तंत्र को मजबूत बनाने का निर्देश दिया। मौके पर सर्किल इंस्पेक्टर सह नगर थाना इंस्पेक्टर अमित गुप्ता, मिजाचौकी थाना प्रभारी रुपेश कुमार यादव, सहित अन्य थाना प्रभारी मौजूद थे।

सड़के हो या नाला कई वर्षो से अतिक्रमण का शिकार

साहिबगंज : मंडरो प्रखंड क्षेत्र के मिजाचौकी बाजार की सड़के हो या नाला कई वर्षो से अतिक्रम का शिकार हो गया है। यह विभाग की अनदेखी कहें या अवैध कब्जादारो की मनमानी दोनों ही सूरत में क्षेत्र का परिणाम सिर्फ एक हीं है। वो ये की सड़क अतिक्रमण एवं जाम का शिकार है तो वहीं पानी का निकास द्वार नाली-नाला अवैध कब्जा एवं जाम होता जा रहा है। आलम ये है कि पीछले कई वर्षो से अब तक का नाला विलुप्त के कगार पर है। अंग्रेजी हुकूमत काल का नाला जो रेलवे फाटक के समीप है उसकी हालात काफी दयनीय है। नाला पूर्ण रूपेण भर गया है जिस पर विभाग मौन है। वहीं मिजाचौकी क्षेत्र के बड़ी बड़ी पुल पुलिया एवं नाला भी कहीं अतिक्रमण का शिकार है। तो लगभग सभी पुल पुलिया नाला में गन्दगी भर गया है। हर वर्ष मौसम में आने वाले बरसात के समय जो क्षेत्रीय पहाड़ों के पानी पुल पुलिया नाला से होकर बहता था। अब गली मोहल्ले के सड़क ओर गलियों से होकर बहता है,जहां बरसात में लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इस गंभीर समस्या को लेकर क्षेत्रीय प्रखंड विकास पदाधिकारी से कई बार शिकायत साथ ही समस्या से अवगत भी कराया गया। किन्तु कोई अब तक समाधान नहीं प्रत्यक्ष हुआ। हर मौसम के आने वाले मौसमी बरसात नरकीय स्थिति पैदा करता है,आम जनता बरसात में त्राहिमाम होता रहता है। बताते चले कि पहाड़ों के पानी जो कि मिजाचौकी भगैया मुख्य पथ लोहारपट्टी के पास पुल है वो एक समय में पहाड़ पानी का निकास द्वार होता था। जो रेलवे पुल से होकर पानी गंगा के छाड़न निचले इलाके तक जाया करता था,किन्तु अब मिजाचौकी से साहिबगंज मुख्यालय को जाने वाले पथ निर्माण कार्य में उक्त पानी निकास को बंद कर दिया गया। वहीं सड़क के किनारे मकान का निर्माण बगैर पानी का निकास स्थान छोड़े मकान बन गया है। ऐसे में हर प्रकार से पहाड़ पानी का निकास द्वार बन कर दिया गया है। अब देखना दिलचस्प होगा कि हर मौसम आम नागरिक समस्या से जूझेगा या फिर विभागीय प्रशासन कुछ निष्कर्ष तक पहुंचेंगे। क्या कहते हैं पंचायत समिति सदस्य वर्षो से नाला की सफाई नहीं हुई है। हर वर्ष गन्दगी भरता गया, और कुछ अतिक्रमणकारी के द्वारा पुल पुलिया अतिक्रमण किया गया नतीजा क्षेत्र के ग्रामीण झेल रहे हैं। प्रशासन को आवश्यक कदम उठाना चाहिए।

दियारा ग्रामीण क्षेत्र के बाद शहरी क्षेत्र में प्रवेश किया बाढ़ का पानी

साहिबगंज : जिला के दियारा एवं ग्रामीण क्षेत्र के बाद अब शहरी क्षेत्र में भी बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है। मालूम होगी इन दोनों गंगा नदी का जलस्तर काफी तेजी से बढ़ रहा है। जिसको लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। बाढ़ के बढ़ते पानी को लेकर जिला के कई पदाधिकारी निरीक्षण कर रहे हैं। वहीं जिला परिषद उपाध्यक्ष सुनील यादव ने भी बाढ़ प्रभावित कई क्षेत्रों का दौरा किया। कई स्थापना बाल प्रभावित लोगों ने बताया कि अभी तक उन्हें किसी भी तरह का बाढ़ राहत सामग्री नहीं मिला है। जबकि जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए स्वास्थ्य पानी भोजन शौचालय युक्त शिविर की भी व्यवस्था की गई है।साहिबगंज नगर क्षेत्र के हबीबपुर, हरिपुर, कुलीपाड़ा, महिला कॉलेज के पीछे मोहल्ले में एवं भारतीय कॉलोनी मोहल्ले में बाढ़ का पानी प्रवेश करने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन ने की अपील सुरक्षित स्थान पर लोग चले जाएं ताकि किसी तरह का कोई दुर्घटना ना हो।

साहिबगंज स्टेशन क्षेत्रों में चलाया गया स्वच्छता अभियान

साहिबगंज : अगस्त में चल रहे 'स्वच्छता अभियान के एक भाग के रूप में, साहिबगंज स्टेशन के ट्रैक पहुंच मार्गो पर एक समर्पित कूड़ा उठाने का अभियान चलाया गया। इस पहल का उद्देश्य ट्रैक क्षेत्रों से कचरा और कूड़ा हटाकर एक स्वच्छ और सुरक्षित रेलवे वातावरण सुनिश्चित करना था। हाउसकीपिंग स्टाफ के साथ-साथ रेलवे कर्मचारियों ने भी इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया और स्वच्छता मानकों को बनाए रखने तथा समग्र यात्री अनुभव को बेहतर बनाने के लिए सामूहिक रूप से काम किया। इस तरह के स्वच्छता अभियान न केवल स्वच्छता और सफाई बनाए रखने में योगदान देते हैं, बल्कि यात्रियों और रेल कर्मचारियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा की रक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह अभियान भारत सरकार के 'स्वच्छ भारत मिशन' के उद्देश्यों को पूरा करने के प्रति मालदा मंडल की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। मालदा मंडल अपने क्षेत्राधिकार में स्वच्छता के उच्च मानकों को बनाए रखने के अपने संकल्प को दोहराता है तथा यात्रियों और आम जनता से स्टेशन परिसर, प्लेटफार्मों और रेलवे पटरियों पर कूड़ा-कचरा फैलाने से परहेज करके अपना सहयोग देने की अपील करता है।

चुनाव आयोग ने कहा

अब तक किसी राजनीतिक दल ने नहीं दर्ज करवाई आपत्ति

तेजस्वी यादव बोलेः जनता इलाज करेगी

पटना। बिहार मतदाता सूची प्रारूप प्रकाशित होने के बाद सियासत जारी है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव समेत विपक्ष के कई नेताओं ने गरीबों का नाम कटने का आरोप लगाया। लेकिन, चुनाव आयोग ने इन दावों का खंडन एक बार फिर से किया है। चुनाव आयोग ने शुक्रवार सुबह मतदाता पुनरीक्षण कार्य का डेली बुलेटिन जारी किया। कहा कि चुनाव आयोग बार बार कह रहा है कि बिहार की अंतिम मतदाता सूची में कोई भी योग्य मतदाता छूटने ना पाये और कोई भी अयोग्य मतदाता जुड़ने न पाये। चुनाव आयोग ने फिर से अपील करते हुए कहा कि एक अगस्त को जारी की गयी बिहार की प्रारूप मतदाता सूची में कोई भी त्रुटि दूर करने के लिये अपने दावे और आपति दर्ज करें। अभी तक किसी भी राजनीतिक दल ने एक भी दावा या आपत्ति नहीं दर्ज की है।चुनाव आयोग ने कहा कि बिहार में लंबी कतारों से बचने के लिए प्रति बूथ मतदाताओं की संख्या 1,200 तक सीमित करने वाला पहला राज्य बन गया। यहां मतदान केन्द्रों की संख्या 77,895 से बढ़ाकर 90,712 कर दी गई। वहीं बी.एल.ओ. की संख्या भी 77,895 से बढ़ाकर 90,712 कर दी गई। चुनाव आयोग के अनुसार, बिहार के मतदाताओं की सहायता के लिए, स्वयंसेवकों की संख्या भी एक लाख से बढ़ाकर करीब लाख की जा रही है। बिहार के सभी 12 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों ने भी अपने बीएलए की संख्या 1,38,680 से बढ़ाकर 1,60,813 कर दी गई है। मतदाता पुनरीक्षण कार्य के बाद जो वोटर लिस्ट प्रकाशित किए गए हैं, उनमें सभी जिलों के हजारों लोगों के नाम कट गए हैं। इनमें पश्चिम चम्पारण से 191376, पूर्वी चम्पारण से 316793, शिवहर से 28166, सीतामढ़ी से 244962, मधुबनी से 352545, सुपौल से 128207, अररिया से 158072, किशनगंज से 145668, पूर्णिया से 273920, कटिहार से 184254, मधेपुरा से 98076, सहरसा से 131596, दरभंगा से 203315, मुजफ्फरपुर से 282845, गोपालगंज से 310363, सीवान से 221711, सारण से 273223, वैशाली से 225953, समस्तीपुर से 283955, बेगूसराय से 167756, खगड़िया से 79551, भागलपुर से 244612, बांका से 117346, मुंगेर से 74916, लखीसराय से 48824, शेखपुरा से 26256, नालंदा से 138505, पटना से 395500, भोजपुर से 190832, बक्सर से 87645, कैमूर (भभुआ) से 73940, रोहतास से 156148, अरवल से 30180, जहानाबाद से 53089, औरंगाबाद से 159980, गया से 245663, नवादा से 126450 और जमुई से 91882 मतदाताओं का नाम सूची प्रारूप में नहीं है।वहीं तेजस्वी यादव ने एक बार फिर से चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर हमला बोला है। कहा कि लोकतंत्र, संविधान तथा देश के साथ विश्वासघात कर रहे नैतिक रूप से भ्रष्ट एवं कायर अधिकारियों और संस्थाओं का देश की जनता अच्छे से इलाज करेगी। सब्र का फल मीठा होता है। कहा कि हमलोगों ने सभी जिलाध्यक्ष, प्रधान महासचिव एवं माननीय विधायक एवं विधानपार्षद के साथ मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया की ड्राफ्ट सूची में पाई जा रही शिकायतों व विसंगतियों के कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की। तेजस्वी ने सोशल मीडिया के जरिए पूछा कि चुनाव आयोग ने जिन 65 लाख मतदाताओं के नाम विलोपित किए हैं, उन 65 लाख मतदाताओं को मृत, स्थानांतरित या अनुपस्थित घोषित करने का आधार क्या है? मृतक मतदाताओं के परिजनों से कौन सा दस्तावेज लिया जिसके आधार पर उनकी मौत की पुष्टि हुई? जिन 36 लाख मतदाताओं को चुनाव आयोग स्थानांतरित बता रहे है, अस्थायी रूप से पलायित बता रहे है उसका क्या आधार क्या है? चुनाव स्पष्ट करें। अगर अस्थायी पलायन से 36 लाख गरीब मतदाताओं का नाम कटेगा तो फिर यह आंकड़ा भारत सरकार के अपने आंकड़ों के अनुसार बिहार से प्रति वर्ष बाहर जाने वाले तीन करोड़ पंजीकृत श्रमिकों से भी अधिक होना चाहिए।

ट्रेन से गिरकर युवक की दर्दनाक मौत

आक्रोश में लोगों ने दो घंटे तक गया-पटना रेल खंड को रखा जाम

पटना। गया-पटना रेलखंड पर गुरुवार को ट्रेन से गिरकर एक युवक की मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने गया-पटना रेलखंड को जाम कर प्रदर्शन किया। रेलवे ट्रैक पर लोगों के प्रदर्शन के कारण करीब दो घंटे तक मेमू ट्रेन फंसी रही। मिली जानकारी के मुताबिक गया-पटना रेलखंड के खनेटा गांव के समीप ट्रेन से गिरकर एक युवक की मौत हो गई। मौत की सूचना के बाद आक्रोशित लोगों ने रेलवे ट्रैक को जाम कर प्रदर्शन करने लगे। आक्रोशित लोगों ने मुआवजे की मांग कर रहे थे। लोगों ने शव को रेलवे ट्रैक पर रख दिया। लोगों के प्रदर्शन के कारण करीब दो घंटे तक मेमू ट्रेन फंसी रहीं। इसके बाद रेलवे के अधिकारियों और पुलिस ने किसी तरह लोगों को समझा-बुझाकर शांत करवाया और रेलवे ट्रैक से हटाया। इसके बाद बेलागंज थाना की पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया। मृतक की पहचान जहानाबाद जिले के मखदुमपुर थाना अंतर्गत पाकड़ बिगहा गांव के रहने वाले अशोक यादव के रूप में हुई इधर, बेलागंज थानाध्यक्ष धनंजय कुमार ने बताया कि ट्रेन से गिरकर मखदुमपुर थाना अंतर्गत पाकड़ बिगहा गांव के रहने वाले अशोक यादव की मौत हो गई थी। घटना के बाद ग्रामीणों ने रेलवे ट्रैक को जाम कर प्रदर्शन करने लगें। उसके बाद मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया। गया-पटना रेल खंड के खनेटा गांव के समीप ट्रेन से गिरकर एक युवक की मौत हो गई। रेलवे ट्रैक पर प्रदर्शन के कारण, गया रेलवे स्टेशन से खुलने वाली पटना पैसेंजर जहां तहां रुकी रही। पटना से गया की ओर आने वाली पैसेंजर ट्रेनों को भी अलग-अलग स्टेशनों पर रोक दिया गया।

पेड़ पर लटका मिला युवक का शव

नवादा। रोह प्रखंड के तेलरी गांव में युवक का शव पेड़ पर लटका मिला है। मृतक की पहचान रखी गांव निवासी शिवचरण मांझी के बेटे सुरेश मांझी(35) के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी कि एक युवक की हत्या करके उसे पेड़ में लटका दिया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और फोरेंसिक टीम को बुलाकर जांच शुरू कर दी। मृतक का शव उसके घर से लगभग 3 किलोमीटर दूर बरामद किया गया है। घटना के समय मृतक के परिवार के सदस्य खेत में काम कर रहे थे।

संक्षिप्त डायरी

चुनाव आयोग पर राहुल के आरोपों पर चिराग पासवान का पलटवार

पटना। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग पर लगाए गए आरोपों पर पलटवार किया है। चिराग पासवान ने कहा कि आज राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और वे कर्नाटक का उदाहरण दे रहे थे, तो कर्नाटक में किसकी सरकार है? आप क्या कहना चाह रहे हैं, आप भूल जाते हैं कि लोकसभा चुनाव से ठीक पहले विधानसभा चुनाव हुए थे और उसमें कौन जीता था। चिराग ने आगे कहा कि आप बार-बार मांग कर रहे हैं कि वोटर लिस्ट ठीक की जाए, पहले आप शिकायत करते हैं लेकिन जब उसका समाधान किया जाता है तो आप उस प्रक्रिया पर भी सवाल उठाते हैं, तो कैसे इसको ठीक किया जाएगा। चिराग ने कहा कि सुधारने की प्रक्रिया ही तो SIR है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि झारखंड चुनाव ये जीत गए तो वहां सब ठीक है लेकिन महाराष्ट्र में धांधली का आरोप लगाते हैं।चिराग ने इस दौरान तेजस्वी के दो वोटर कार्ड का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल को अगर वोटर लिस्ट रिवीजन से इतनी दिक्कत है तो अभी तक चुनाव आयोग में आपत्ति क्यों नहीं दर्ज कराई गई। अभी तक ये लोग एक भी आपत्ति लेकर नहीं गए। चिराग ने कहा कि इनको केवल हंगामा करना आता है और इनको केवल बहाना ढूंढना है जब बिहार चुनाव का रिजल्ट आएगा और ये लोग हारेंगे तो किस पर ठीकरा फोड़ेंगे? अब इनको ईवीएम नहीं दिखता, अब इनको वोटर लिस्ट दिख रहा है, अब सारी मशीनें ठीक हो गई हैं।

बिहार में विजिलेंस की बड़ी कार्रवाई

पटना। भ्रष्टाचार के खिलाफ बिहार की जांच एजेंसियों की कार्रवाई निरंतर जारी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत भ्रष्ट लोक सेवकों के खिलाफ लगातार छापेमारी अभियान चल रहा है। इसी कड़ी में बिहार की विशेष निगरानी इकाई (एसवीयू) ने भ्रष्टाचार के खिलाफ शुक्रवार तड़के एक बड़ी कार्रवाई करते हुए जहानाबाद में पदस्थापित डीएसपी संजीव कुमार के पटना, खगड़िया और जहानाबाद स्थित आवासों व अन्य ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की है। यह कार्रवाई आय से अधिक संपत्ति के गंभीर आरोपों के आधार पर की गई है, जिसमें डीएसपी पर 1.52 करोड़ की अवैध संपत्ति जमा करने का आरोप लगाया गया है। विशेष निगरानी से मिली जानकारी के अनुसार जांच एजेंसी ने इस मामले में कांड संख्या 16/2025 दर्ज करते हुए संजीव कुमार के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) और बीएनएस 2023 की धारा 61(2)(ए) के तहत केस दर्ज किया है।

स्वास्थ्य विभाग के डीपीएम ने पत्नी संग दिया इस्तीफा, अब कार्रवाई भी होगी

सुपौल। जिला स्वास्थ्य समिति के डीपीएम मो मिन्नतुल्लाह और उनकी पत्नी सह निर्मली अनुमंडलीय अस्पताल की स्वास्थ्य प्रबंधक निकहत जहां प्रवीण ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि इस्तीफे को अभी स्वीकृति नहीं दी गई है। इधर, इस प्रकरण के बाद स्वास्थ्य विभाग अन्य अधिकारियों और कर्मियों के प्रमाणपत्रों की जांच कराने पर भी विचार कर रही है। नतीजा है कि पूरे स्वास्थ्य महकमे में खलबली मची है। इस बीच जांच के दायरे में आए दंपत्ति की मुश्किलें कम होती नहीं दिख रही है। जिला प्रशासन ने प्रमाणपत्रों से जुड़ी शिकायत मिलने के बाद डीपीएम को एक महीने के अंदर आठवीं से लेकर उच्चतर शिक्षा तक के सभी शैक्षणिक दस्तावेज जमा कराने की मोहलत दी है। इस बीच बीते 02 अगस्त को पहले डीपीएम ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया। वही लगे हाथ उनकी पत्नी ने भी पति का ख्याल रखने की बात कहते हुए सिविल सर्जन के ऑफिशियल ई-मेल पर इस्तीफा सौंप दिया है।दरअसल, जांच शुरू होने के साथ ही यह तय माना जाने लगा है कि नौकरी पाने के लिए डीपीएम और उनकी पत्नी ने फर्जी प्रमाणपत्रों का सहारा लिया है। इसकी बड़ी वजह यह है कि दोनों ने मेघालय के चंद्र मोहन झा यूनिवर्सिटी (सीएमजेयू) से एमबीए की डिग्री होने का दावा किया है। विभाग में जमा दस्तावेजों के अनुसार डीपीएम मो मिन्नतुल्लाह वर्ष 2013 में यूनिवर्सिटी से एमबीए पास आउट हुए। उन्होंने शैक्षणिक सत्र 2011-12 और 2012-13 में यहां से पढ़ाई की। लेकिन वर्ष 2014 में कुप्रबंधन और अन्य कमियों के कारण इस निजी यूनिवर्सिटी को बंद कर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट ने भी इसी साल मेघालय सरकार के इस फैसले को सही ठहराया और सरकार के पक्ष में फैसला सुनाया। इससे पूर्व मेघालय सरकार ने यूनिवर्सिटी के संचालन अवधि के दौरान वर्ष 2010 से 2013 तक जारी सभी शैक्षणिक प्रमाणपत्रों को अमान्य घोषित कर दिया था।मेघालय में चंद्र मोहन झा यूनिवर्सिटी की स्थापना 20 जुलाई 2009 को हुई थी। मेघालय सरकार द्वारा इसे वर्ष 2010 में यूजीसी अधिनियम 1956 के तहत राज्य निजी विश्वविद्यालय के रूप में अधिसूचित किया गया था। हालांकि वर्ष 2014 में सरकार ने इसे बंद करने का आदेश जारी कर दिया। इसके खिलाफ विश्वविद्यालय प्रबंधन द्वारा दायर अर्जी को इसी साल सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। जिसके बाद यूजीसी ने सीएमजेयू को फर्जी घोषित करते हुए शिक्षा विभाग से कार्रवाई की सिफारिश की। फरवरी 2025 में सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने सुनवाई के दौरान मेघालय सरकार द्वारा विश्वविद्यालय बंद करने सहित सभी डिग्रियों को निरस्त करने के फैसले को सही ठहराया।मो मिन्नतुल्लाह फरवरी 2022 से अब तक जिला स्वास्थ्य समिति में बतौर डीपीएम अपनी सेवा दे रहे थे। इससे पहले वह जिले के सरायगढ़-भपटियाही में जनवरी 2019 से फरवरी 2022 तक बतौर स्वास्थ्य प्रबंधक तैनात थे। जबकि उनकी पत्नी निकहत जहां प्रवीण 28 मार्च 2023 से अब तक जिले के निर्मली अनुमंडलीय अस्पताल में स्वास्थ्य प्रबंधक थी।

कुख्यात नक्सली पुकार भुइयां पुलिस के हत्थे चढ़ा

औरंगाबाद। सड़क निर्माण कंपनियों के लिए सिरदर्द बना कुख्यात नक्सली पुकार भुइयां को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई एसटीएफ और औरंगाबाद पुलिस की संयुक्त टीम ने अंजनवा नहर के पास की। पुकार के पास से एक देशी कार्बाइन, दो कट्टा और कई जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। पुकार गया जिले के आमस थाना क्षेत्र के टहल बिगहा गांव का रहने वाला है। वह पिछले दो वर्षों से औरंगाबाद और गया जिलों में सक्रिय था। उसके खिलाफ आधा दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं और पुलिस उसे लंबे समय से तलाश रही थी। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) चंदन कुमार ने बताया कि मदनपुर थानाध्यक्ष को गुप्त सूचना मिली थी कि पुकार किसी विशेष इरादे से अंजनवा नहर की ओर जा रहा है। सूचना के सत्यापन के लिए पुलिस और एसटीएफ की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर पुकार भागने लगा, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से हथियार और कारतूस मिले। गिरफ्तारी के बाद पुकार ने पूछताछ में कबूल किया कि वह कई मामलों में शामिल रहा है। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने धोकड़ी गांव के पास बंडा पहाड़ से एक और कट्टा और देशी कार्बाइन बरामद की है। जांच में सामने आया कि 7 जनवरी 2025 को उसने मदनपुर थाना क्षेत्र में निर्माण कार्य में लगी कंपनी की जेसीबी मशीन में आग लगा दी थी।

साइबर ठगों के अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़, करोड़ों की ठगी का खुलासा

मुजफ्फरपुर। पुलिस ने अंतरराज्यीय साइबर ठगों के एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए चार शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह देशभर में इनवेस्टमेंट फ्रॉड, गेमिंग फ्रॉड और एनजीओ के नाम पर फजीर्वाड़ा कर करोड़ों रुपये की ठगी कर रहा था। पुलिस की यह कार्रवाई ह्वऑपरेशन साइबर प्रहारह्ल के तहत की गई है, जबकि गिरोह से जुड़े अन्य अपराधियों की तलाश अभी जारी है। यह मामला तब सामने आया जब अहियापुर थाना क्षेत्र के मेडिकल ओवरब्रिज के पास स्थित एक होटल में तीन युवकों के बीच रुपये के लेनदेन को लेकर विवाद की सूचना पुलिस को मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच के दौरान पाया कि तीनों युवक साइबर ठग हैं, जो एक्सिस बैंक से संचालित एक फर्जी एनजीओ ह्वराम प्यारी नंदलाल सेवा संस्थानह्ल के माध्यम से अब तक करीब 8 करोड़ 33 लाख रुपये की साइबर ठगी कर चुके हैं। उनके बीच कमीशन के बंटवारे को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की और पूरे मामले का खुलासा हुआ।गिरफ्तार किए गए ठगों में अभिषेक पांडेय, कृष्णा कुमार सिंह और विक्रम कुमार सिंह तथा गुड्डु कुमार शामिल हैं। पूछताछ में मिले सुराग के आधार पर पुलिस ने गुड्डु कुमार को उसके गांव से गिरफ्तार किया और उसके पास से बड़ी मात्रा में साइबर अपराध में प्रयुक्त उपकरण और दस्तावेज जब्त किए गए। जब्त सामान में फर्जी आधार बनाने वाले उपकरण, बायोमेट्रिक फिंगर स्कैनर, रेटिना स्कैनर, वेब कैमरा, लैपटॉप, एनरोलमेंट पावती रसीदें, छह मोबाइल फोन, दो लैपटॉप, अलग-अलग बैंकों के छह डेबिट कार्ड, दो चेकबुक, एक पासबुक, चार पैन कार्ड, तीन आधार कार्ड, चार फर्जी एनजीओ की मुहरें, एक ड्राइविंग लाइसेंस, एक वोटर आईडी, एक वाहन का आरसी, एक घड़ी, छह आधार नामांकन की रसीदें, तीन मिंत्रा कंपनी के फिंगरप्रिंट स्कैनर और एक लाइव स्कैनर फिंगरप्रिंट/आईडेंटिफिकेशन फ्लैट डिवाइस शामिल हैं।

बाढ़ में डूबे श्मशान घाट, सड़क किनारे हो रहा संस्कार

पटना, मनेर-फतुहा में लोग बोले- रास्ता इतना खराब कि पैर फिसल रहा, नगर निगम ऑफिस भी डूबा

पटना। बिहार में लगातार गंगा-सोन नदी के बढ़ते जलस्तर ने जनजीवन के साथ अंतिम संस्कार जैसी जरूरी प्रक्रिया को भी बुरी तरह प्रभावित करना शुरू कर दिया है। पटना के दीघा घाट, बांस घाट, मनेर, फतुहा क्षेत्रों में स्थिति गंभीर होती जा रही है। मृतकों के परिजन को दाह संस्कार के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दीघा घाट और बांस घाट का जायजा लिया तो स्थिति बेहद मार्मिक और दयनीय दिखी। दीघा घाट पर गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से इतना ज्यादा बढ़ा हुआ है कि मरीन ड्राइव के ठीक नीचे तक पानी की धारा बह रही है। दीघा घाट पर बने श्मशान घाट पूरी तरह पानी में डूबे हैं, न तो वहां जाया जा सकता है और न ही शवों को जलाया जा सकता है। परिजन शवों को लेकर लोग मरीन ड्राइव और गंगा के बीच बची थोड़े जमीन पर ही शवदाह करने को विवश हैं। शेखपुरा राजा बाजार से अपने परिजन का शव लेकर पहुंचे राजकुमार ठाकुर ने बताया कि घाट का रास्ता इतना खराब हो चुका है कि मेरा पैर फिसल गया। मोच आ गई। शवदाह गृह तो डूब ही चुका है, लोगों के सुविधाओं के लिए बना शौचालय भी जलमग्न हो गया है, जिससे लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। वहीं, शवदाह गृह के साथ ही नगर निगम का ऑफिस भी जलमग्न हो गया है, जिसकी वजह से नगर निगम के कर्मचारी को सड़क किनारे एक टेंट में अपना ऑफिस बनाना पड़ा है। नगर निगम का शवों के जलाने का सर्टिफिकेट देने वाले कर्मचारी विक्रम कुमार ने भी बताया कि शवदाह गृह और शौचालय के डूबने के कारण लोगों को मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है। बांस घाट के किनारे बना श्मशान घाट का तीन चौथाई इलाका पानी में डूब गया है। थोड़े से बचे जमीन पर ही शवदाह करने पर लोग मजबूर है। हालांकि बांस घाट पर बने विद्युत शवदाह गृह के होने से लोगों को थोड़ी राहत मिल रही है। बांस घाट पर मौजूद स्थानीय निवासी उमेश कुमार सिंह ने बताया कि पानी बढ़ने से शवों को जलाने में परेशानी है अगर 10 शव आ जाए तो जगह मिलना मुश्किल है। मनेर के दियारा क्षेत्र में स्थित हल्दी छपरा श्मशान घाट अब पूरी तरह से जलमग्न हो चुका है। गंगा और सोन नदी का जलस्तर बढ़ने से इस घाट का रास्ता पूरी तरह पानी में डूब गया है। जिसकी वजह से स्थानीय प्रशासन ने फिलहाल घाट पर शवदाह करने पर रोक लगा दी है। स्थिति यह हो गई है कि अंतिम संस्कार के लिए आने वाले लोग अब मनेर के बजाय पटना शहर के दीघा घाट का रुख कर रहे हैं। हल्दी छपरा घाट जाने वाले रास्ते में चारों तरफ पानी भर गया है, जिससे न केवल शवदाह प्रभावित हुआ है, बल्कि दियारा क्षेत्र में रहने वाले लोगों को भी आवाजाही में गंभीर दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इधर फतुहा में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर चुका है। गंगा का पानी फतुहा के मुख्य श्मशान घाट तक पहुंच गया है, जिससे शवदाह की प्रक्रिया बुरी तरह बाधित हो रही है। इस घाट का उपयोग प्रतिदिन पटना, नालंदा, जहानाबाद और गया जिलों से आए करीब 50 से 60 शवों के दाह संस्कार के लिए किया जाता है। अब स्थिति यह हो गई है कि घाट का अधिकांश हिस्सा पानी में डूब गया है, जिससे शवदाह स्थल की जगह बहुत सीमित हो गई है। परिजनों को सड़क किनारे ही दाह संस्कार करने को मजबूर होना पड़ रहा है। कई मामलों में लोगों को अपनी बारी के लिए घंटों इंतजार करना पड़ रहा है।

बहन भाई के पवित्र प्रेम का महान पर्व है रक्षाबंधन!

महान पर्व रक्षाबंधन बहन भाई के पवित्र प्रेम का प्रतीक है।भाई बहन का एक दूसरे के प्रति हित चिंतक होना और जब भी आवश्यकता हो ,मदद व रक्षा के लिए तत्पर रहना ही इस पवित्र रिश्ते में मिठास पैदा करता है।

रक्षा बंधन का त्योहार सावन मास की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है. पंचांग के अनुसार, इस साल पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 11 अगस्त को सुबह 10 बजकर 38 मिनट से होगी।जबकि पूर्णिमा तिथि का समापन 12 अगस्त को सुबह 7 बजकर 05 मिनट पर होगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस बार रक्षाबंधन के दिन एक बेहद शुभ संयोग का निर्माण हो रहा है। इस दुर्लभ शुभ संयोग के कारण रक्षाबंधन का त्योहार और भी अधिक खास माना जा सकता है। इस बार रक्षा बंधन का त्योहार अमृत योग में मनाया जाएगा।ज्योतिष शास्त्र के जानकारों के का कहना है कि रक्षा बंधन पर ऐसा दुर्लभ संयोग 24 साल बाद बन रहा है। अमृत योग में किए गए शुभ कार्य सफलतापूर्वक संपन्न होते हैं।ऐसा माना जाता है।

भाई-बहन दोनो को संकल्प करना चाहिए कि परमात्मा इतनी शक्ति दे कि परमात्म अनुभूति के साथ पवित्रता का संकल्प करते हुए हम देवता समान बन जाए ।यही रक्षाबंधन की मूल अवधारणा है। चूंकि हम सभी परमात्मा की संतान हैं और परमात्मा हमारा पिता है। इसी कारण उसकी संतान होने के नाते हम आपस में भाई-भाई या फिर भाई बहन एक दूसरे को मानें और समझें तथा आवश्यकता पड़ने पर एक दूसरे की रक्षा करें। इसी संकल्प को बंधन रुप में मानते हुए यह पर्व मनाया जाता है। भाई-बहन का रिश्ता चूंकि सबसे पवित्र और पावन है, चाहे बहन हो या भाई दोनों ही एक दूसरे के प्रति शुभ भावना रखते हैं और एक दूसरे की प्रगति चाहते हैं, वह भी बिना किसी स्वार्थ के। हालांकि रक्षाबंधन पर जब बहन ,भाई को राखी बांधती है तो भाई बदले में उसे उपहार देता है। ऐसा इसलिए है ताकि भाई बहन के बीच प्रेम और सदभाव उत्तरोत्तर बढ़ता रहे और कम से कम एक दिन ऐसा हो जब भाई बहन एक दूसरे से मिलकर खुशी मना सकें। आज भी गांव देहात में पंडित द्वारा अपने यजमानों को रक्षासूत्र यानि राखी बांधने का प्रचलन है। इसके पीछे भी यही अवधरणा है कि पंडित को विद्वान और पवित्र माना जाता है और वह रक्षासूत्र बांधने के पीछे अपने यजमान को बुद्धिमान और पवित्र रहने का संदेश देता है। रक्षाबंधन के पर्व पर जब बहन भाई की कलाई पर राखी बांधती है तो उन्हें विकारों को त्यागने का संकल्प लेना चाहिए। जिसकी शुरूआत प्रति रक्षाबंधन एक विकार को त्यागने के संकल्प के साथ हो सकती है। क्योंकि मनुष्य में व्याप्त विकार एक नहीं अनेक होते हैं। जिनमें काम क्रोध, मोह, लोभ और अहंकार जहां प्रमुख हैं ।वहीं ईर्ष्या, द्वेष, घृणा जैसे विकार भी मनुष्य की प्रगति में बाधक हैं। सच पूछिए तो रक्षाबंधन है ही पवित्रता का पावन पर्व। जिसमें भाई बहन के पवित्र रिश्ते की रक्षा के लिए रक्षासूत्र बांधने की वर्षों से परम्परा है। इस पर्व के माध्यम से जहां हम अपनी बहनों की सुख समृद्धि और प्रगति की कामना करते हैं वहीं बहन भी अपने भाई की दीर्घायु की कामना के साथ-साथ उसकी उन्नति की प्रार्थना करती हैं। रक्षा बन्धन शब्द से ही इस पर्व के अर्थ का पता चल जाता है। भावनात्मक रिश्तो को बनाये रखने और एक दूसरे की रक्षा को कृतसंकल्पित होने के अवसर का नाम है रक्षा बन्धन।

भले ही आज यह पर्व भाई बहन की रक्षा के संकल्प के निमित मनाया जाता हो और बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधकर उनसे संकट के समय रक्षा करने का वरदान लेती हो परन्तु यह वास्तव में हर रिश्ते को पवित्रता की डोर में बांधकर रक्षा के संकल्प का पर्व है। भाई बहन ही नही, पति पत्नी भी इस रक्षा सूत्र से बंधे है ऐसा शास्त्रों में उल्लेख मिलता है।

स्वर्गलोक के राजा इन्द्र की पत्नी शचि ने वैदिक मन्त्रों से अभिमन्त्रित रक्षा सूत्र अपने पति की भुजा पर बांधकर उनकी शत्रुओं से रक्षा की थी। तभी से प्रतिवर्ष श्रावण मास की पूर्णिमा को रक्षाबन्धन का पर्व मनाया जाने लगा है। हालाकि अब यह पर्व भाई बहन का त्यौहार बन गया है और बहन ही अपने भाई की दीर्घायु की कामना व रक्षा की अपेक्षा के साथ

भाई की कलाई पर राखी बांधती है और भाई अपनी बहन को शगुन देकर उसकी खुशहाली की कामना करता है। भविष्य पुराण के अनुसार रक्षाबन्धन की वास्तविक शुरूआत इन्द्र की पत्नी शचि द्वारा अपने पति को राखी बांधने से हुई थी।

रानी कर्णावती ने मुगल शासक हुमांयु को सकंट के समय राखी भेजकर उनसे अपनी रक्षा की याचना की थी। हुमायूं ने भी प्रेम और स्नेह की प्रतीक राखी के बधंन को निभाते हुए करणावती की रक्षा अपने प्राणों की बाजी लगाकर की थी। इसी तरह रूपनगर की राजकुमारी की राखी की लाज रखने के लिए महाराजा राजसिंह ने मुगल शासक औरंगजेब से लौहा लिया था। इसी दिन अनिष्ट शमन के लिए भगवान श्री कृष्ण का रक्षा बन्धन किया गया था।यानि रक्षा बन्धन का पर्व भावनात्मक रिश्तों को मजबूत करने,भाई बहन में प्यार और विश्वास बढाने तथा एक दूसरे की रक्षा को वचनबद्ध रहने का पर्व है। वही इस पर्व को बुराई छोडने के सकंल्प दिवस के रूप में भी मनाया जाता है।

प्रजापिता ब्रहमाकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय इस पर्व को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाता है। ब्रहमाकुमारी बहनें समाज के शीर्ष पदों पर विराजित महानुभावों से लेकर आमजन तक राखी पर्व का संदेश उन्हें राखी बांधकर देती हैं। वें राखी बांधने के बदले कोई उपहार या नगदी कभी ग्रहण नहीं करती हैं अपितु चाहती हैं कि जिस भाई को उन्होंने राखी बांधी है ,वह कम से कम अपने भीतर व्याप्त एक अवगुण का त्याग हमेंशा के लिए करें। तभी यह पर्व सार्थक माना जाता है। इस संस्था में रक्षाबंधन पर्व मनाने की शुरूआत 15 दिन पहले से ही हो जाती है और बाद तक चलती रहती है। ताकि समाज अवगुणों से मुक्त हो और एक स्वर्णिम सद्गुणी समाज की स्थापना हो सके। रक्षाबंधन यानी भाई बहन का त्यौहार। कहा जाता है कि भाई और बहन के रिश्ते से पवित्र दुनिया में कोई भी रिश्ता नहीं होता। इस दिन बहनें अपने भाईयों की कलाई पर राखी बांधती हैं और भाई जीवनभर उसकी रक्षा का प्रण लेता है। हालांकि सभी दिन परमपिता परमात्मा के बनाये हुए हैं जब परमात्मा की कृपा होती है तो सभी कार्य स्वत: ही सिद्ध होने लगते हैं। लेकिन फिर भी सनातन धर्म के अनुसार कुछ दिनों का महत्व अलग होता है, जिसे हम त्यौहार कहते हैं। जबकि परमात्मा की दृष्टि में सभी दिन एक जैसे ही होते हैं। उनमें विशेष कुछ है तो वह है शुभ और अशुभ लग्न। जिसे हम साधारण भाषा में शुभ व अशुभ समय भी कहते हैं। जिसके बारे में जानकारी प्राप्त कर सभी बहनें अपने भाईयों की कलाई पर शुभ समय में ही रक्षासूत्र को बांधने का प्रयास करे। यदि शुभ लग्न अनुसार रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाए तो अधिक फलदायी हो जाता है। हालांकि यह ऐसा पर्व है जिसे कभी भी और किसी भी समय व किसी भी दिन मनाया जा सकता है।इसी पर्व पर यथार्थ दर्शाती कविता की एक बानगी देखिए,

रक्षा बन्धन के लिए
बहन का होना जरूरी है
जिसके लिए कन्या भ्रूण
हत्या रोकना जरूरी है
वर्ना एक दिन
भाई ही भाई नज़र आएगें
बहनों को आप
किताबों में ही पढ पाएगें।

लव कुश जयंती : जानिए लव और कुश से जुड़े हर अनजाने राज

श्रावण मास की पूर्णिमा यानी रक्षा बंधन के दिन लव और कुश की जयंती भी मनाई जाती है। प्रभु श्रीराम के लव और कुश जुड़वा पुत्र थे। लव और कुश के वंश के लोग आज भी हैं, जो लव और कुश की जयंती मनाते हैं। आओ जानते हैं इनके बारे में अनजाने तत?थ।

वाल्मीकि रामायण: वाल्मीकि रामायण में प्रभु श्रीराम के पुत्र लव और कुश की गाथा कर वर्णन किया गया है।

लव और कुश का जन्म: लव और कुश का जन्म वाल्मीकि आश्रम में हुआ था। माता सीता अयोध्या के महल को छोड़कर आश्रम में रहती थीं। वाल्मीकि आश्रम में सीता ने लव और कुश नामक 2 जुड़वां बच्चों को जन्म दिया।

शिक्षा दीक्षा: लव और कुश की पढ़ाई-लिखाई से लेकर विभिन्न कलाओं में निपुण होने के पीछे महर्षि वाल्मीकि का ही हाथ था। उन्होंने ही दोनों राजकुमारों को हर तरह की शिक्षा और विद्या में परंगत किया।

वाल्मीकि ने पढ़ाई रामायण: महर्षि वाल्मीकि ने लव और कुश को रामायण भी पढ़ाई थी। कहते हैं कि लव और कुश को बहुत समय तक यह ज्ञात नहीं था कि उनके पिता प्रभु श्रीराम हैं।

अश्वमेध का घोड़ा: कहते हैं कि एक बार श्रीराम ने अश्वमेध यज्ञ किया और यज्ञ का श्वेत अश्व (घोड़ा) छोड़ दिया। घोड़ा जहां-जहां जाता था वहां के राजा अयोध्या की अधीनता स्वीकार कर लेते या युद्ध करके पराजित हो जाते थे। यह घोड़ा भटकते हुए जंगल में आ गया। वहां लव और कुश ने इसे पकड़ लिया। घोड़ा पकड़ने का अर्थ है अयोध्या के राजा को चुनौती देना।

5. श्रीराम से लड़ाई : राम को जब यह पता चला कि किन्हीं सुकुमारों ने घोड़ा पकड़ लिया तो पहले उसका आशय जानने के लिए दूत भेजे। जब यह पता चला कि लव और कुश घोड़ा छोड़ने को तैयार नहीं है और वे चुनौती दे रहे हैं तो श्रीराम के भाइयों भरत, शत्रुघ्न और लक्ष्मण के साथ लव-कुश का युद्ध हुआ लेकिन सभी भाई पराजित होकर लौट आए। यह देखकर श्रीराम को खुद ही युद्ध करने आना पड़ा लेकिन युद्ध का कोई परिणाम नहीं निकला। तब राम ने दोनों बालकों की योग्यता देखते हुए उन्हें यज्ञ में शामिल होने का निमंत्रण दिया।

सीता की व्यथा का किया बखान: लड़ाई के बाद लव और कुश को यह पता चला कि श्रीराम तो उनके पिता हैं। फिर श्रीराम के निमंत्रण पर नगर में पहुंचकर लव और कुश ने श्रीराम की गाथा का गुणगाण किया और दरबार में उन्होंने माता सीता की व्यथा कथा गाकर सुनाई। यह सुन और देखकर प्रभु श्रीराम को ये पता चला गया कि लव और कुश उनके ही बेटे हैं। उन्हें तब बहुत दु:ख हुआ और वे सीता को पुन: राज महल ले आए।

लव और कुश का राज्याभिषेक : भरत के दो पुत्र थे- तार्क्ष और पुष्कर। लक्ष्मण के पुत्र- चित्रांगद और चन्द्रकेतु और शत्रुघ्न के पुत्र सुबाहु और शूरसेन थे। मथुरा का नाम पहले शूरसेन था। लव और कुश राम तथा सीता के जुड़वां बेटे थे। जब राम ने वानप्रस्थ लेने का निश्चय कर भरत का राज्याभिषेक करना चाहा तो भरत नहीं माने। अत: दक्षिण कोसल प्रदेश (छत्तीसगढ़) में कुश और उत्तर कोसल में लव का राज्य अभिषेक किया गया।

लव और कुश के राज्य: श्रीराम के काल में भी कोशल राज्य उत्तर कोशल और दक्षिण कोसल में विभाजित था। कालिदास के रघुवंश अनुसार राम ने अपने पुत्र लव को शरावती का और कुश को कुशावती का राज्य दिया था। शरावती को श्रावस्ती मानें तो निश्चय ही लव का राज्य उत्तर भारत में था और कुश का राज्य दक्षिण कोसल में। कुश की राजधानी कुशावती आज के बिलासपुर जिले में थी। कोसला को राम की माता कौशल्या की जन्मभूमि माना जाता है। रघुवंश के अनुसार कुश को अयोध्या जाने के लिए विंध्याचल को पार करना पड़ता था इससे भी सिद्ध होता है कि उनका राज्य दक्षिण कोसल में ही था।

लव और कुश के वंशज: राजा लव से राघव राजपूतों का जन्म हुआ जिनमें बर्गुजर, जयास और सिकरवारों का वंश चला। इसकी दूसरी शाखा थी सिसोदिया राजपूत वंश की जिनमें बैछ्ला (बैसला) और गैहलोत (गुहिल) वंश के राजा हुए। कुश से कुशवाह (कछ्वाह) राजपूतों का वंश चला।

लव का लहौर : ऐतिहासिक तथ्यों के अनुसार लव ने लवपुरी नगर की स्थापना की थी, जो वर्तमान में पाकिस्तान स्थित शहर लाहौर है। यहां के एक किले में लव का एक मंदिर भी बना हुआ है। लवपुरी को बाद में लौहपुरी कहा जाने लगा। दक्षिण-पूर्व एशियाई देश लाओस, थाई नगर लोबपुरी, दोनों ही उनके नाम पर रखे गए स्थान हैं।

भाई की राशि के अनुसार बांधें राखी

रक्षा बंधन का त्योहार भाई-बहन के रिश्ते का प्रतीक होता है। इस दिन हर बहन अपने भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उससे अपनी रक्षा का वचन लेती है। ऐसे में अगर हर बहन अपने भाई की राशि के अनुसार राखी बांधेगी तो जीवन में उसे हर काम में तरक्की मिलेगी और सफलता मिलेगा। तो आइए जानते हैं राशि के अनुसार किस रंग की राखी बांधनी चाहिए।

मेष : इस राशि के जातकों के लिए शुभ रंग लाल और पीला होता है। बहनों को लाल या पीले रंग का धागा भाई की कलाई में बांधनी चाहिए। इससे उनके जीवन में अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे।

वृष : इनका लकी कलर सफेद और नीला होता है। भाइयों को इन रंगों की ही राखियां बांधें। ऐसा करने से उनके सुख-समृद्धि में वृद्धि होगी।

मिथुन : इन लोगों के लिए हरा और सफेद रंग भाग्यशाली होता है। इनके लिए हरे रंग की राखी अच्छी रहेगी। यह उनके लिए सफलता लाएगा।

कर्क : इन जातकों का लकी कलर पीला, हरा और सफेद होता है। रक्षाबंधन के दिन बहनों को अपने भाइयों को इस रंग के धागे या राखी बांधनी चाहिए। इससे जीवन में सुख प्राप्त होगा।

सिंह : इनका शुभ रंग गुलाबी, हरा और पीला है। ये रंग इन राशि वालों के उग्र स्वभाव को नियंत्रित करते हैं। ऐसे में बहनों को इन रंगों की राखियां बांधनी चाहिए।

कन्या : ऐसे जातकों के लिए हरा, पीला और सफेद रंग सर्वोत्म रहता है। रक्षाबंधन पर इन रंगों का धागा बांधना अच्छा रहेगा। हरे रंग की राखी ग्रह दोष को दूर करेगा।

तुला : सफेद, हरा और नीला रंग इस राशि के लोगों के लिए सही होता है। इस राशि के लोगों के लिए सफेद और नीले रंग की राखी बहुत अच्छी रहेगी।

वृश्चिक: लाल, पीला, नीला, गहरा लाल या मैरून रंग वृश्चिक राशि के जातकों के लिए प्रभावशाली होता है। बहनें इन रंगों की राखियां अपने भाइयों को बांधे तो उत्तम होगा।

धनु : इन लोगों के लिए हरा, लाल और पीला रंग लकी कलर होता है। इस बार रक्षाबंधन पर इस रंग का धागा या राखी बांधें।

मकर : इन लोगों को सफेद, लाल और हल्का नीला या आसमानी रंग के राखी बांधा जाए तो उनके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होगा।

कुंभ: इन लोगों के लिए सफेद, लाल और नीला रंग शुभता का प्रतीक होता है। ऐसे जातकों को इन रंगों के धागे बांधें।

मीन : पीला, सफेद और हरा मीन राशि के लोगों के व्यक्तित्व में निखार लाता है, उनके लिए शुभ होता है। बहनें उनको इन रंगों का धागा बांध सकती हैं!

डीपीएल 2025: प्रियांश आर्या ने मचाया तूफान, 9 छक्के 7 चौके के साथ इतने गेंदों पर बना दिए 111 रन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रीमियर लीग 2025 के 12वें मैच में ईस्ट दिल्ली राइडर्स के खिलाफ आउटर दिल्ली वॉरियर्स के ओपनर बल्लेबाज प्रियांश आर्या का तूफान मैदान पर देखने को मिला। प्रियांश ने अपनी तूफानी बैटिंग के दम पर विरोधी गेंदबाजों की हवा टाइट कर दी और इस सीजन में ये प्रियांश का अपनी टीम के लिए पहला शतक रहा।

इस मैच में ईस्ट दिल्ली राइडर्स के कप्तान अनुज रावत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। इसके बाद पहले बैटिंग करने आई आउटर दिल्ली वॉरियर्स ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट पर 231 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया और विरोधी टीम को जीत के लिए 232 रन का बड़ा लक्ष्य दिया।

23 साल के प्रियांश आर्या ने अरुण जेटली मैदान पर ईस्ट दिल्ली राइडर्स के खिलाफ के खिलाफ अपना शतक 52 गेंदों पर पूरा किया। हालांकि, वो इसके बाद आउट हो गए, लेकिन उन्होंने 56 गेंदों का सामना करते हुए 111 रन की तूफानी पारी खेली। प्रियांश का स्ट्राइक रेट इस दौरान 198.21 का रहा जबकि उन्होंने अपनी पारी के अंदर 9 छक्के और 7 चौके जड़े।

वहीं आउटर दिल्ली के दूसरे ओपनर बल्लेबाज सनत सांगवान 5 गेंदों पर 10 रन बनाकर आउट हो गए। वहीं प्रियांश ने इस मैच में दूसरे विकेट के लिए करण गर्ग के साथ मिलकर 92 रन की मजबूत साझेदारी की तो वहीं करण ने 24 गेंदों में 43 रन की पारी खेली।

नाओमी ओसाका को हराकर विक्टोरिया म्बोको ने जीता कैनेडियन ओपन महिला एकल वर्ग का खिताब

मॉन्ट्रियल (एजेंसी)। विक्टोरिया म्बोको ने कैनेडियन ओपन महिला एकल का खिताब जीत लिया है। 18 साल की कनाडा की विक्टोरिया म्बोको ने जापान की दिग्गज खिलाड़ी नाओमी ओसाका को हराकर चैंपियन बनी।

वाइल्ड कार्ड एंट्री करने वाली विक्टोरिया म्बोको ने चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता नाओमी ओसाका को 2-6, 6-4, 6-1 से हराकर कैनेडियन ओपन का खिताब जीता था। अपने घर में मिली यह जीत म्बोको के लिए विशेष थी। म्बोको ने पहला सेट हारने के बाद जोरदार वापसी की और दो सेट जीतकर खिताब अपने नाम किया। इस जीत से म्बोको ने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल की। वह डब्ल्यूटीए रैंकिंग में 25वें स्थान पर पहुंच गई। उन्हें इस महीने के अंत में न्यूयॉर्क में होने वाले ग्रैंड स्लैम में पहली वरीयता दी जाएगी।

2019 के बाद म्बोको कनाडा की ऐसी दूसरी महिला खिलाड़ी बनी हैं, जिन्होंने कैनेडियन ओपन जीता है। 2019 में बियांका एंड्रीस्कू ने खिताब अपने नाम किया था। टूर्नामेंट में आने से पहले म्बोको की रैंकिंग 85 थी। उनकी जीत उन्हें 1990 में इस प्रारूप की शुरुआत के बाद से टियरढ्ढ 'डब्ल्यूटीए 1000' खिताब जीतने वाली दूसरी सबसे कम रैंकिंग वाली खिलाड़ी बनाती है।

वह 2009 के बाद से 'डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट' में अपना पहला खिताब जीतने वाली दूसरी खिलाड़ी हैं। म्बोको 1995 में मोनिका सेलेस के बाद नेशनल बैंक ओपन जीतने वाली दूसरी वाइल्डकार्ड खिलाड़ी हैं। म्बोको ने सोफिया केनिन, कोको गॉफ, एलेना रयबाकिना और ओसाका जैसी दिग्गजों को हराते हुए खिताब जीता। गॉफ और रयबाकिना को क्रमशः पहली और तीसरी वरीयता दी गई थी।

वहीं, चार पूर्व महिला एकल ग्रैंड स्लैम चैंपियन का सामना करने वाली और ओपन एरा में एक ही डब्ल्यूटीए इवेंट में चारों को हराने वाली विक्टोरिया म्बोको पहली कनाडाई खिलाड़ी हैं। म्बोको ओपन एरा में एक ही डब्ल्यूटीए इवेंट में चार ग्रैंड स्लैम चैंपियन को हराने वाली दूसरी सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं। पहली खिलाड़ी 1999 में सेरेना विलियम्स थीं।

एशिया कप से पहले ऑस्ट्रेलिया दौरा क्यों है महत्वपूर्ण, हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत ने बताई वजह

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने शुक्रवार को कहा कि मजबूत ऑस्ट्रेलियाई टीम का उसके घरेलू मैदान पर सामना करने से उनकी टीम को इस महीने के आखिर में होने वाले एशिया कप से पहले उन क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिलेगी जिनमें सुधार की जरूरत है।

भारतीय टीम आज तड़के ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हो गई, जहां वह 15 से 21 अगस्त तक पर्थ हॉकी स्टेडियम में मेजबान टीम के खिलाफ चार मैचों की महत्वपूर्ण श्रृंखला खेलेगी। हरमनप्रीत ने टीम के रवाना होने से पहले कहा, 'ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके घरेलू मैदान पर खेलना हमेशा बड़ी चुनौती होती है और एशिया कप के लिए तैयारी के इस चरण में हमें इसी की जरूरत है।' उन्होंने कहा, 'हम इस श्रृंखला को एशिया कप की तैयारी के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में देख रहे हैं। हमारा ध्यान एक इकाई के रूप में सुधार करने, मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ खुद को परखने और एशिया कप के लिए राजगीर जाने से पहले जरूरी लय हासिल करने पर है।% हरमनप्रीत ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया के इस दौरे से हमें एशिया कप से पहले उन क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिलेगी जिनमें सुधार करने की आवश्यकता है। हम ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित हैं।' ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच 15, 16, 19 और 21 अगस्त को खेले जाएंगे। इस श्रृंखला से टीम प्रबंधन को एशिया कप के लिए अंतिम टीम के चयन करने में भी मदद मिलेगी। एशिया कप 29 अगस्त से राजगीर में शुरू होगा। इस टूर्नामेंट का विजेता विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करेगा।

चेन्नई सुपर किंग्स का साथ छोड़ेंगे रविचंद्रन अश्विन

चेन्नई (एजेंसी)। स्टार स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने चेन्नई सुपर किंग्स छोड़ने का फैसला किया है। उन्होंने फ्रेंचाइजी को अपनी इच्छा बता दी है। अश्विन ने 2025 के आईपीएल में ही 9 साल बाद चेन्नई सुपर किंग्स में वापस आई थे। फ्रेंचाइजी ने उन्हें मेगा ऑक्शन में 9.75 करोड़ रुपये में खरीदा था।

अश्विन ने चेन्नई सुपर किंग्स के साथ ही अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी। 2010 से 2015 तक वह सीएसके का हिस्सा रहे। 2016 से 2024 तक वह दिल्ली कैपिटल्स, पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स जैसी अलग-अलग टीमों के साथ खेले। 2025 में 9 साल बाद वह चेन्नई सुपर किंग्स के लिए

खेलते हुए दिखे थे।

क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, अश्विन ने सीएसके से अलग होने का फैसला किया है। उन्होंने अपने फैसले के बारे में फ्रेंचाइजी को बता दिया है। वैसे उनके इस फैसले की वजह क्या है, इसके बारे में फिलहाल कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

अश्विन न सिर्फ सीएसके छोड़ने वाले हैं, बल्कि सीएसके एकेडमी के डायरेक्टर ऑफ ऑपरेशंस का पद भी छोड़ने वाले हैं। उन्हें पिछले साल ही ये जिम्मेदारी मिली है।

रिपोर्ट के अनुसार, अश्विन नहीं चाहते कि अगर वह किसी और फ्रेंचाइजी के साथ जुड़ते हैं तो सीएसके एकेडमी से उनके जुड़ाव की वजह से हितों के टकराव जैसी स्थिति पैदा हो। इसलिए वह सीएसके के साथ-साथ उसकी एकेडमी से भी नाता तोड़ेंगे।

एशिया कप में भारत-पाक मैच रद्द होने की संभावना नहीं

मुम्बई। भारत और पाकिस्तान के बची आठ सितंबर से शुरू हो रहे एशिया कप में भारतीय टीम को 14 सितंबर को पाकिस्तान से खेलना है। इस मैच का विरोध भी हो रहा है और कहा जा रहा है कि पाक जिस प्रकार से आतंकी घटनाओं में शामिल रहा है। उससे भारतीय टीम को इस मैच का बहिष्कार करना चाहिये हालांकि ये संभव नजर नहीं आता। वहीं इस मामले में अभी तक भारत सरकार और क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कोई जवाब नहीं दिया है। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ये मैच रद्द होना इतना आसान नहीं है। वहीं अमीरात क्रिकेट बोर्ड के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) सुभान अहमद ने कहा, 'जब एशिया कप जैसे टूर्नामेंट में खेलने का फैसला इसमें शामिल सभी सरकारों की सहमति से होता है। उसके बाद ही कार्यक्रम जारी किया जाता है। ऐसे साफ है कि यहां वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) जैसी स्थिति नहीं होगी।' वहीं इससे पहले हुए पूर्व क्रिकेटरों के डब्ल्यूसीएल में इंडिया चैम्पियंस के खिलाड़ियों ने मैच का बहिष्कार कर दिया था। जिससे ये मैच नहीं हो पाया। इसी को लेकर मुख्य परिचालन अधिकारी ने कहा, 'हम कोई गारंटी नहीं दे सकते पर एशिया कप जैसे टूर्नामेंट की तुलना किसी निजी इवेंट से करना सही नहीं होगा।' एशिया कप की मेजबानी भारत के पास है हालांकि सारे मुकाबले यूएई में खेले जाएंगे। भारत का पहला मैच 10 सितंबर को दुबई में मेजबान यूएई के खिलाफ होगा। भारत और पाक के बीच अंतिम बार मुकाबला 9 जून 2024 को न्यूयॉर्क में हुए टी20 विश्व कप के दौरान हुआ था।

मैकग्रा की भविष्यवाणी : एशेज में 5-0 से जीतेगा ऑस्ट्रेलिया

लंदन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज श्रृंखला शुरू होने में अभी तीन महीने से अधिक का समय बाकी है लेकिन दिग्गज तेज गेंदबाज ग्लेन मैकग्रा ने भविष्यवाणी की है कि ऑस्ट्रेलिया इसमें 5-0 से क्लीन स्वीप करेगा। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच यह प्रतिष्ठित श्रृंखला 21 नवंबर को पर्थ में शुरू होगी। मैकग्रा ने कहा कि उनकी भविष्यवाणी भारत के खिलाफ हाल में समाप्त हुई श्रृंखला में इंग्लैंड के प्रदर्शन पर आधारित है। भारत ने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए खेली गई इस श्रृंखला में इंग्लैंड को 2-2 से बराबरी पर रोका था। मैकग्रा ने 'बीबीसी रेडियो' पर कहा, 'मैं अमूमन भविष्यवाणी नहीं करता हूं लेकिन एशेज के लिए मेरी भविष्यवाणी है कि ऑस्ट्रेलिया इसमें 5-0 जीत हासिल करेगा।' उन्होंने कहा, 'मुझे अपनी टीम पर पूरा भरोसा है। जब पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क, जोश हेज़लवुड और नाथन लियोन अपने घरेलू हालात में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हों, तो इंग्लैंड के लिए यह काफ़ी मुश्किल होने वाला है। इसके अलावा इंग्लैंड का ऑस्ट्रेलिया में रिकॉर्ड भी अच्छा नहीं है।' इंग्लैंड इस वर्ष के अंत में पांच मैचों की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगा। उसने 2015 के बाद से एशेज नहीं जीती है।

धवन को आई बेटे जोरावर की याद, भावुक पोस्ट भी साझा की

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन सोशल मीडिया पर बेहद सक्रिय रहते हैं। धवन ने अब एक पोस्ट साझा की इसमें वह अपने बेट जोरावर सिंह को याद कर भावुक हो गये। धवन ने अपनी पोस्ट में बेटे जोरावर को लेकर एक संदेश भी लिखा है। धवन का अपनी पत्नी आयशा मुखर्जी से तलाक हो गया था। इसके बाद से उनका बेटा जोरावर ऑस्ट्रेलिया में अपनी मां आयशा के साथ रहता है। .अदालत के आदेश के अनुसार, धवन को भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों में ज़ोरावर से मिलने की अनुमति है और वह निर्धारित वीडियो कॉल के जरिये भी उससे संपर्क कर सकते हैं। धवन ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, ' डब्ल्यूसीएल में जब मैंने दोस्तों को अपने बच्चों के साथ खेलते देखा तब लगा कि काश जोरावर यहां होता। यह एक अलग तरह की खुशी होती। बाद में, मुझे उसके बचपन की कुछ तस्वीरें मिलीं जिससे कई यादें ताजा हो गयीं। कुछ पल वास्तव में दिल के सबसे करीब रहते हैं।' धवन ने जोरावर के साथ कई तस्वीरें भी साझा की हैं। इसमें धवन, रोहित शर्मा, उनकी बेटी समायरा और ज़ोरावर के साथ एक प्यार सी तस्वीर है। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स समापत होने के बाद धवन की इस पोस्ट ने प्रशंसकों को भी भावकु कर दिया है।

मैग्नस कार्लसन बने पहले शतरंज ई-स्पोर्ट्स विश्व कप 2025 चैंपियन

रियाद, सऊदी अरब (एजेंसी)। विश्व नंबर एक नॉर्वे के ग्रांडमास्टर मैग्नस कार्लसन (टीम लिक्विड) ने ईरान के ग्रांडमास्टर अलीरेज़ा फिरौज़जा (टीम फाल्कन्स) को फाइनल में लगातार दो सेटों में 3-1, 3-1 से हराकर पहले शतरंज ई-स्पोर्ट्स विश्व कप 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ कार्लसन ने न केवल इतिहास रच दिया बल्कि 2,50,000 डॉलर की पुरस्कार राशि और अपनी टीम के लिए 1000 अंक भी अर्जित किए।

फाइनल मुकाबला टेनिस की तरह तीन सेटों का था, जिसमें प्रत्येक सेट चार बाजियों का था। अगर ज़रूरत पड़ती तो तीसरा सेट दो बाजियों का होता। कार्लसन ने पहला सेट दो जीत और दो ड्रॉ से 3-1 से जीता। दूसरा सेट फिरौज़जा ने एक जीत से शुरू किया, पर अगले तीनों बाजियाँ हारकर मैच भी गँवा दिया।

तीसरे स्थान का मुकाबला-अमेरिका के ग्रांडमास्टर हिकारू नाकामुरा (टीम फाल्कन्स) ने भारत के ग्रांडमास्टर अर्जुन एरिगैसी (टीम जेन.जी) को 3.5-2.5 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। अर्जुन ने पहली बाजी में जीत दर्ज की थी, इसके बाद मुकाबला बराबरी पर चलता रहा लेकिन निर्णायक बाजी नाकामुरा ने जीतकर कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। नाकामुरा को 1,45,000 डॉलर और अर्जुन को 1,15,000 डॉलर की पुरस्कार राशि मिली।

इस टूर्नामेंट में सभी बाजियाँ 10 मिनट के समय नियंत्रण पर खेली गईं। ई स्पोर्ट्स नियमों के अंतर्गत खिलाड़ियों को शोर-रहित हेडफोन पहनने और संगीत सुनने की छूट दी गई। कुल पुरस्कार राशि 15 लाख डॉलर थी और शतरंज खिलाड़ियों को 2.7 करोड़ डॉलर की ई-स्पोर्ट्स साझा इनामी राशि का हिस्सा भी मिला।

इस जीत के बाद कार्लसन ने कहा

'सेमीफाइनल वास्तव में सबसे कठिन था और आर्मागेडन की कुछ चालों ने ही फर्क पैदा किया। आज के मुकाबलों में मुझे अधिक नियंत्रण महसूस हुआ, खासकर पहले खेल के बाद। मैं कभी-कभी जल्दी चलने को तरजीह देता हूँ बजाय ज़्यादा सोचने के।'

फीफा विश्व कप और ओलंपिक खेलने का सपना : फुटबॉल खिलाड़ी मनीषा कल्याण

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया में होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप के लिए क्वालीफिकेशन हासिल करने के बाद आत्मविश्वास से भरी भारतीय महिला फुटबॉल खिलाड़ी मनीषा कल्याण ने शुक्रवार को कहा कि उनका सपना फीफा विश्व कप और ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करना है। यूएफा चैंपियंस लीग (यूरोप की शीर्ष पेशेवर फुटबॉल लीग) में खेलने वाली इकलौती भारतीय फुटबॉलर मनीषा शुक्रवार को यहां नेहरू स्टेडियम में लड़कियों के लिए आयोजित अस्मिता अंडर-13 लीग में आकर्षण का केन्द्र थी। उन्होंने कहा कि अस्मिता 'युवा लड़कियों को अपने फुटबॉल के सपनों को साकार करने के लिए मुश्किल से मिलने वाला मंच है।' तेईस साल की मनीषा ने अस्मिता के गुवाहाटी चरण में भाग लेने वाली आठ टीमों की हौसला अफजाई करने के बाद कहा'' मेरा सपना अब फीफा विश्व कप और ओलंपिक में खेलने का है। अगले साल ऑस्ट्रेलिया में आयोजित होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप के लिए क्वालीफिकेशन हासिल करने के बाद हमारे इरादे मजबूत हुए है।'' अस्मिता लीग का उद्देश्य पूरे भारत में जमीनी स्तर पर प्रतिभा की खोज करना है। मनीषा ने कहा, '' आपके पास अब 'अस्मिता' जैसा एक मंच है और आप जितने अधिक मैच खेलेंगी, आप उतनी ही बेहतर होती जाएंगी'' मनीषा के साथ इस मौके पर असम की दो उभरती हुई खिलाड़ी रेखा कटकी और दोसोमी रौतिया भी मौजूद थी।

बेन शेल्टन ने कारेन खाचानोव को हराकर जीता कैनेडियन ओपन पुरुष एकल वर्ग का खिताब

टोरंटो। बेन शेल्टन ने कैनेडियन ओपन पुरुष एकल वर्ग का खिताब जीत लिया है। फाइनल में शेल्टन ने कारेन खाचानेव को हराया। शेल्टन के करियर का यह सबसे बड़ा खिताब है। बेन शेल्टन ने कारेन खाचानेव तीन सेट तक चले मुकाबले में 6-7(5), 6-4, 7-6(3) से हराया। फाइनल मैच दो घंटे 48 मिनट तक चला। बेन शेल्टन एंडी रोडिक के बाद एटीपी मास्टर्स 1000 जीतने वाले दूसरे सबसे युवा अमेरिकी खिलाड़ी बन गए हैं। शेल्टन से पहले 2004 में एंडी रोडिक ने मियामी ओपन का खिताब जीता था। खिताबी जीत के साथ शेल्टन एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में चौथे स्थान पर भी पहुंचे। इससे नवंबर में होने वाले एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की उनकी संभावना बढ़ गई है। शेल्टन 2025 में पहली बार मास्टर्स 1000 चैंपियन बनने वाले चौथे खिलाड़ी हैं। उनसे पहले जैक ड्रेपर (इंडियन वेल्स), जैकब मेन्सिक (मियामी) और कैस्पर रूड (मैड्रिड) ने ये उपलब्धि हासिल की थी। यह शेल्टन के करियर का तीसरा खिताब है, इससे पहले उन्होंने 2023 में टोक्यो और 2024 में ह्यूस्टन में जीत हासिल की थी। शेल्टन ने लगातार तीन सालों से कम से कम एक खिताब जीता है। जीत के बाद बेन शेल्टन ने कहा, 'यह एक अद्भुत एहसास है। यह एक लंबा सप्ताह रहा है। फाइनल तक का रास्ता आसान नहीं था। मेरा सर्वश्रेष्ठ टेनिस तब सामने आया जब इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी।' खाचानोव ने शुरुआती सेट में 10 फोरहैंड विनर लगाए और उनकी ताकत ने शेल्टन को बेसलाइन के काफी पीछे धकेल दिया। लेकिन अपने कोच और पिता ब्रायन की सलाह पर, शेल्टन ने दूसरे और तीसरे सेट में कोर्ट पर अपनी पकड़ मजबूत की और आक्रामक रुख अपनाया। शेल्टन अब एटीपी हेड-टू-हेड सीरीज में खाचानोव से 2-0 से आगे हैं। इससे पहले उन्होंने खाचानोव को साल की शुरुआत में इंडियन वेल्स में भी हराया था। दोनों खिलाड़ियों को सिनसिनाटी ओपन के क्वार्टर फाइनल में भिड़ना है।

'वापसी का बेसब्री से इंतजार', सूर्यकुमार यादव एशिया कप की तैयारी में लगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अगले महीने होने वाले एशिया कप से पहले रिकवरी के लिए कड़ी मेहनत शुरू कर दी है। जून में सूर्यकुमार ने जर्मनी के म्यूनिख में अपनी सफल स्पोर्ट्स हर्निया सर्जरी के बारे में इंस्टाग्राम पर एक अपडेट साझा किया था। शुक्रवार को सूर्यकुमार ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें वह जिम में पसीना बहा रहे थे और अपनी फिटनेस वापस पाने के लिए अलग-अलग एक्सरसाइज कर रहे थे। उन्होंने अपने पोस्ट का कैप्शन दिया, 'जो मुझे पसंद है उसे करने के लिए वापस आने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।'

पिछले हफ्ते एक रिपोर्ट में बताया गया था कि यह तेजतर्रार बल्लेबाज सर्जरी से उबरने के दौरान बीसीसीआई के मेडिकल स्टाफ की निगरानी में है। अगले कुछ हफ्तों में सूर्यकुमार का कार्यभार काफी बढ़ने की उम्मीद है और माना जा रहा है कि वह अगले महीने होने वाले एशिया कप के लिए पूरी तरह तैयार हैं जिसकी शुरुआत 9 सितंबर से होनी है। रिपोर्ट के अनुसार भारतीय टीम के सितंबर के पहले हफ्ते में यूएई जाने की उम्मीद है। यह टूर्नामेंट अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप में अपना खिताब बचाने के लिए भारत की तैयारियों की शुरुआत का प्रतीक होगा। भारत इस टूर्नामेंट की मेजबानी श्रीलंका के साथ करेगा।

सूर्यकुमार को जून 2024 में विश्व कप जीतने के बाद भारत की टी20आई टीम की कमान सौंपी गई थी, जब रोहित शर्मा ने इस प्रारूप से संन्यास की घोषणा की थी। इस 34 वर्षीय खिलाड़ी को आखिरी बार जून में मुंबई टी20 लीग के दौरान खेलते हुए देखा गया था, जहां उन्होंने ट्रायम्फ नाइट्स मुंबई नॉर्थ ईस्ट का प्रतिनिधित्व किया था। उन्होंने 4 पारियों में 122 रन बनाकर टूर्नामेंट में अपने करियर का अंत किया।

सूर्यकुमार ने इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2025 के दौरान अपनी शानदार फॉर्म का प्रदर्शन किया। अपने रिकॉर्ड तोड़ने वाले प्रदर्शन में इस गतिशील बल्लेबाज ने मुंबई इंडियंस (MI) को प्लेऑफ में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने रिकॉर्ड तोड़ सीजन का आनंद लिया जिसमें लगातार 16 बार 25 या उससे अधिक के स्कोर दर्ज किए, जो एक विश्व रिकॉर्ड है।

सूर्यकुमार ने टूर्नामेंट का समापन 717 रनों के साथ किया जो किसी भी मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज द्वारा एक सीज में सबसे अधिक और आईपीएल इतिहास में किसी भी गैर-ओपनर द्वारा सबसे अधिक रन हैं। सूर्या के नेतृत्व में भारत की टी20 बल्लेबाजी ने नई

ऊंचाइयों को छुआ है, जिसमें आक्रामक इरादे और बल्लेबाजी की गहराई पर जोर दिया गया है। टीम ने लगातार विशाल स्कोर बनाए हैं, जिसमें अक्टूबर 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ 297 रन का स्कोर भी शामिल है।

टीम से बाहर होने के बाद भी दीपक चाहर की नेटवर्थ बढ़ी

नई दिल्ली। तेज गेंदबाज दीपक चाहर फिट नहीं होने के कारण पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर हैं। इसके बाद भी उनकी नेटवर्थ बढ़ती जा रही है। चाहर ने भारतीय टीम के लिए एकदिवसीय और टी-20 अंतरराष्ट्रीय में कुल 38 मैच खेलते हुए 47 विकेट लिए है। चाहर गेंदबाजी के साथ ही निचले क्रम में अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं। उन्होंने अपना अंतिम मैच दिसंबर 2023 में खेला था। उसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। बीसीसीआई का केन्द्रीय अनुबंध न मिलने के बाद भी उनकी नेटवर्थ कम नहीं हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसान चाहर की कुल संपत्ति तकरीबन 66 करोड़ रुपये रुपये है। इसमें घरेलू क्रिकेट और आईपीएल से हुई कमाई भी शामिल है। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2025 के लिए हुई मेगा नीलमी में उन्हें 9.25 करोड़ रुपये में खरीदा था। दीपक चाहर ब्रांड एंडोर्समेंट से भी मोटी कमाई करते हैं। चाहर ने 2016 में आईपीएल में डेब्यू किया था। इस दौरान 9 साल में उन्होंने टूर्नामेंट में कुल 95 मैच खेले हैं। जिसमें 8.13 के इकॉनमी रेट से 88 विकेट लिए हैं। इसके अलावा उनके नाम 95 मैचों में 117 रन हैं।

मुंबई कबूतरखाने में जारी रहेगी दाना खिलाने पर रोक, बॉम्बे हाईकोर्ट ने मांगी रिपोर्ट

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सात अगस्त को कबूतरखानों को बंद करने के खिलाफ दायर याचिकाओं को लेकर कोई राहत नहीं दी है। बीएमसी कोर्ट के फैसले में बाधा डालने वाले या नियम तोड़ने वाले लोगों पर कार्रवाई करेगी। कोर्ट का यह फैसला 13 अगस्त तक लागू रहेगा। कोर्ट ने हेरिटेज कबूतर स्थलों को तोड़ने पर लगी रोक को भी बरकरार रखा है। कोर्ट ने कहा कि कबूतर और इंसान के टकराव से जुड़े स्वास्थ्य मामलों पर एक्सपर्ट्स की राय लेकर राज्य सरकार और बीएमसी को यह विवाद खत्म करना चाहिए। हाईकोर्ट 13 अगस्त को राज्य सरकार द्वारा बनाई जा रही एक्सपर्ट्स कमेटी के नामों पर विचार करेगी। कोर्ट ने कहा कि अगर कमेटी की राय में बीएमसी द्वारा कबूतरों को दाना डालने की जगह को बंद करना सही है, तब एक्सपर्ट्स की राय को माना जाएगा। कोर्ट ने कहा कि पहले के आदेश अभी भी लागू हैं और याचिकाकर्ता चाहें, तब अंतरिम याचिकाएं दायर कर सकते हैं। कोर्ट ने दादर कबूतरखाना ट्रस्ट के वकील अनिल साखरे को यह अनुमति दी कि वे बीएमसी के सामने रोज सुबह 6 से 7 बजे कबूतरों को दाना डालने के लिए समय तय करने का अनुरोध कर सकते हैं। बेंच ने कहा कि उन्होंने सिर्फ बीएमसी की कार्रवाई पर रोक लगाने से इनकार किया है और जब याचिकाकर्ताओं ने बीएमसी की नीति को चुनौती दी थी, तब उन्हें कोई अंतरिम राहत नहीं दी थी।

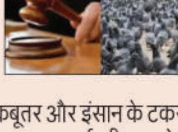

जिंदा नवजात शिशु पॉलिथीन में मिला, मुस्लिम दंपति ने बचाई जान

बुलंदशहर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में इंसानियत को शर्मसार करने का मामला सामने आया है। यहां पॉलीथिन में जिंदा नवजात को पैककर फेंक दिया। पालीथीन को कुत्ता खींचने लगे तब बाइक से जा रहे मुस्लिम दम्पति की नजर पड़ गई। दंपति ने पालीथीन को खोलकर देखा, उनके होश उड़ गए। आनन फानन में दंपति पालीथीन में पैक नवजात को अस्पताल ले गया, जहां उसका इलाज किया जा रहा है। गांव कुराना नया बांस निवासी फहीमुद्दीन पत्नी शमीना के साथ औरंगाबाद से वापस आ रहे थे। बीती रात करीब 11 बजे ऐंचाना के बीच सड़क किनारे एक झाड़ी से पॉलीथिन को खींचकर कुत्ता ले जाने का प्रयास कर रहा था। फहीमुद्दीन को कुछ अजीब लगा, तब बाइक रोककर कुत्ते को भगाकर पॉलीथिन के पास पहुंचे। फहीमुद्दीन ने देखा कि पॉलीथीन हिल रही थी। उन्होंने देखा उसमें एक नवजात बच्चा था। दंपति बच्चे को देर रात होने के कारण सबसे पहले डॉक्टर के यहां ले गए। चेकअप करा अपने घर ले आए। उसके बाद सुबह पूर्व प्रधान के जरिए पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दंपति को बुलाकर बच्चे को चाइल्ड लाइन के सुपुर्द करा दिया है। नवजात की आयु एक दो दिन है। लावारिस बच्चा लड़का बताया गया है।

मामले में पुलिस ने बताया ग्राम प्रधान द्वारा सूचना प्राप्त हुई थाने बुलाकर बच्चों को चाइल्ड लाइन के सुपुर्द करा दिया गया है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि यह किस व्यक्ति ने ऐसी घटना को अंजाम दिया है।

गैस सिलेंडर में हुए विस्फोट में अब तक पाँच लोगों की मौत

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में बुक्का स्ट्रीट के पास गैस सिलेंडर में हुए विस्फोट में पाँच लोगों की मौत हुई और कई घायल हो गए। बताया जा रहा है कि यह विस्फोट एक कबाड़ की दुकान में हुआ, जहाँ वेल्डिंग सिलेंडर में खराबी आई थी। विस्फोट इतना ज़ोरदार था कि पीड़ितों के शरीर बिखर गए और उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने विशाखापट्टनम में घरेलू गैस सिलेंडर विस्फोट में मारे गए तीन लोगों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। बात दें कि एक वेल्डिंग की दुकान में घरेलू गैस सिलेंडर के फटने से तीन लोगों की मौत हो गई। सीएम हाऊस के अनुसार, ''मुख्यमंत्री नायडू ने विशाखापट्टनम में फिशिंग हार्बर के पास स्थित वेल्डिंग की दुकान में सिलेंडर विस्फोट में मारे गए लोगों के परिजनों के लिए अनुग्रह राशि की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दुर्घटना में मारे गए तीन लोगों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये देने का निर्देश दिया। उन्होंने घायल व्यक्तियों को बेहतर उपचार मुहैया कराने के लिए भी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। विशाखापट्टनम की उपायुक्त-2, ने बताया कि विस्फोट में तीन लोग घायल हुए हैं। जबकि दो घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है।

खुफिया एजेंसियों से मिली जानकारी के बाद देश के हवाई अड्डों पर हाई अलर्ट जारी

हाथरस (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) और दुर्गा पूजा (22 सितंबर से 2 अक्टूबर) को देखकर देशभर के सभी हवाई अड्डों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। खुफिया एजेंसियों से मिली जानकारी के अनुसार, दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) सहित कई बड़े हवाई अड्डों पर आतंकी हमले का खतरा मंडरा रहा है। नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने हवाई अड्डों को तीन सुरक्षा परामर्श जारी किए हैं। इसमें सभी हवाई अड्डों, एयरलाइंस, सीआईएसएफ और ग्राउंड हैंडलिंग स्टाफ को तुरंत सुरक्षा और निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। दिल्ली एयरपोर्ट पर यात्रियों की जांच और तलाशी बढ़ा दी गई है, जिससे लंबी लाइनें और कड़ा गेट नियंत्रण देखने को मिल सकता है। सभी हवाई अड्डों पर 100 प्रतिशत सीसीटीवी निगरानी और क्यूआरटी द्वारा गश्त बढ़ाने का निर्देश दिया गया है। उड़ानों में सुरक्षा अधिकारी तैनात किए जाएंगे और विमानों की कड़ी तलाशी और जांच की जाएगी। कार्गो की स्क्रीनिंग बढ़ाई जाएगी और ग्राउंड हैंडलिंग कर्मचारियों की भी अतिरिक्त जांच होगी। 5 से 20 अगस्त तक सभी उड़ानों के लिए सेकेंडरी लैडर पॉइंट चेकिंग (एसएलपीसी) को अनिवार्य कर दिया गया है। इसके अलावा, दिल्ली-एनसीआर के हवाई अड्डों के आसपास ड्रोन, हेलीकॉप्टर और गैर-निर्धारित उड़ानों की भी विशेष जांच के आदेश दिए गए हैं। यह कदम सुरक्षा के मद्देनज़र उठाया गया है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

बैलेट पेपर से चुनाव कराने फिर उठी मांग... ऐसा हुआ तो बढ़ेगा जनता का भरोसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक तरफ वोट चोरी के सबूतों के साथ कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रेस कांफ्रेंस कर चुनाव आयोग को घेरने का काम किया है, वहीं अनेक पार्टियों और नेताओं ने बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग फिर से कर दी है। इन सब से बचने और अपने दामन को साफ-पाक बताने के लिए चुनाव आयोने ने भी कदम आगे बढ़ाए हैं।

गौरतलब है कि सांसद राहुल गांधी ने प्रेस कांफ्रेंस करते हुए गुरुवार को वोट चोरी जैसे सबूतों को मीडिया के सामने रखा है। उन्होंने बताया है कि किस प्रकार से विभिन्न चुनावों में एक खास पार्टी को जीत दिलवाने के लिए वोट चोरी का यह खेल खेला गया है। वहीं इससे पहले शरद पवार की पार्टी एनसीपी-एसपी ने महाराष्ट्र के निकाय चुनाव को बैलेट पेपर से कराए जाने की मांग कर दी है। यही नहीं पार्टी ने निकाय चुनाव में वीवीपैट वाली ईवीएम मशीनों का इस्तेमाल नहीं करने वाले राज्य चुनाव आयोग के फैसले की भी निंदा की है। शरद पवार गुट का कहना है कि इससे कैसे पता चलेगा कि चुनाव पारदर्शी तरीके से कराए जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में बैलेट पेपर से चुनाव करना ही ठीक होगा। एनसीपी-एसपी ने कहा कि यदि वीवीपैट वाली मशीनें उपलब्ध नहीं हैं, तब फिर परंपरागत बैलेट पेपर से चुनाव कराए जाएं। इससे पारदर्शिता रहेगी और जनता का भरोसा भी चुनावी व्यवस्था पर बना रहेगा। यह पहला मामला नहीं है, बल्कि इससे पहले अनेक चुनावों के दौरान बैलेट पेपर से चुनाव कराए जाने की मांग की जाती रही है और चुनाव आयोग इसे खारिज करते हुए चुनाव में होने वाली गड़बड़ी की आशंकाओं को सिरे से खारिज करता आया है। इस संबंध में मौजूदा सरकार भी चुनाव आयोग के फैसले से संतुष्ट रही है।

यहां इस मांग को उठाते हुए शरद पवार गुट के पार्टी नेता राहुल कलाते ने कहा है कि निकाय चुनाव की तैयारी अब तेजी पर है। लेकिन राज्य निर्वाचन आयोग ने हमें निराश किया है। राज्य निर्वाचन आयोग की यह बात झटका देने वाली है कि वीवीपैट मशीनों की कमी है। इससे साफ है कि आयोग नहीं चाहता है कि पारदर्शी तरीके से चुनाव कराए जाएं। ऐसी स्थिति में धांधली होने का भी डर रहेगा। कलाते ने पुणे की चिंचवाड़ विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन भाजपा के शंकर जगताप के मुकाबले हार गए थे। यही नहीं इंडिया गठबंधन के एक और दल ने वीवीपैट न इस्तेमाल करने पर नाराजगी जाहिर की है।

वहीं उद्धव ठाकरे ने कहा कि यह फैसला गलत है। हमारी मांग है कि चुनाव वीवीपैट मशीनों से कराए। वहीं एनसीपी-एसपी का कहना है कि यदि चुनाव आयोग वीवीपैट से चुनाव नहीं करा पा रहा है, तब फिर बैलेट पेपर के पुराने सिस्टम पर ही वापस लौटा जाए। बता दें कि असेंबली इलेक्शन में हार के बाद राहुल ने दोबारा गिनती के लिए अर्जी डाली थी। उनका आरोप था कि काउंटिंग की प्रक्रिया में गड़बड़ी थी। इसी के खिलाफ फॉर्म 17 जमा करते हुए उन्होंने चुनाव आयोग का रुख किया था। अब एक बार फिर निकाय चुनाव में उन्होंने मोर्चा खोला है। एसनीपी-एसपी का कहना है कि बैलेट पेपर से चुनाव नहीं होने पर चुनाव की कोई विश्वसनीयता नहीं रहेगी।

वोट चोरी के दावों पर राहुल गांधी के समर्थन में उतरे थरूर बोले- समाधान करे चुनाव आयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी के साथ अपनी अनबन के चलते सुर्खियां बटोरने वाले सांसद शशि थरूर ने राहुल गांधी के वोट चोरी संबंधी दावों का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर प्रश्न है, निर्वाचन आयोग को इसका समाधान करने के लिए तत्काल ही कोई कदम उठाना चाहिए। पिछले काफी समय में यह पहली बार है, जब शशि थरूर राहुल गांधी द्वारा उठाए गए किसी सवाल या दावे के समर्थन में आए हैं।एक्स पर राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस से जुड़ी एक वीडियो रिपोस्ट करते हुए थरूर ने इसका समर्थन किया। थरूर ने लिखा, यह गंभीर प्रश्न हैं, जिनका सभी दलों और सभी मतदाताओं के हित में गंभीरता से समाधान किया जाना चाहिए। हमारा लोकतंत्र इतना मूल्यवान है कि इसकी विश्वसनीयता को अक्षमता, लापरवाही या जानबूझकर छेड़छाड़ से नष्ट नहीं होने दिया जा सकता। केरल से कांग्रेस सांसद थरूर ने आगे कहा, निर्वाचन आयोग को तत्काल कदम उठाना चाहिए और आयोग के प्रवक्ता को देश को इस बारे में सूचित करते रहना चाहिए। गौरतलब है कि इंडिया ब्लॉक की डिनर मीटिंग के दौरान राहुल गांधी ने अपने आवास पर वोट चोरी से जुड़ी एक प्रजेंटेशन दी थी। इससे पहले उन्होंने दावा किया था कि कर्नाटक की महादेवपुरा विधानसभा में 1 लाख से ज्यादा वोटों की चोरी की गई है। उन्होंने चुनाव आयोग से सीधा सवाल करते हुए कहा कि वह भाजपा के साथ मिला हुआ नहीं है तो वह इस बात को साबित करे। राहुल ने महादेव पुरा सीट का हवाला देते हुए कहा कि हमारी तरफ से बार-बार वोटरों का इलेक्ट्रॉनिक डेटा मांगे जाने के बाद भी चुनाव आयोग उसे उपलब्ध कराने में असमर्थ रहा है न ही हमें सीसीटीवी फुटेज दिए जा रहे हैं। इन बातों से स्पष्ट है कि दाल में कुछ काला जरूर है।

उपराष्ट्रपति पद के लिए तीन शख्स ने किया नामांकन... लेकिन हो गया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद अब देशभर में अगले उपराष्ट्रपति के नाम पर चर्चा शुरू हो गई है। एनडीए ने जहां पीएम मोदी और सदन में नेता जेपी नड्डा को जिम्मेदारी सौंपी हैं, तब विपक्ष भी संयुक्त उम्मीदवार उतारने की तैयारी में है। 9 सितंबर को उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। इस बीच, तीन शख्स के नामांकन भी दाखिल किया, लेकिन उन्हें झटका लगा है। रिपोर्ट के अनुसार, जिन तीन लोगों ने उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया था, उनके नाम तमिलनाडु के सलेम निवासी के. पद्मराजन, दिल्ली के मोती नगर निवासी जीवन कुमार मित्तल और आंध्र प्रदेश के श्रीमुखलिंगम गांव निवासी नायडूगरी राजशेखर थे। हालांकि, उपराष्ट्रपति चुनाव अधिनियम की धारा 5बी की उपधारा (4) के तहत तीनों के नामांकन पेपर खारिज हो गए। पद्मराजन और मित्तल ने अपने-अपने संसदीय क्षेत्रों की मतदाता सूची की प्रमाणित प्रतियां संलग्न कीं, जिसमें पंजीकृत मतदाता के रूप में उनके नाम थे, लेकिन ये चुनाव नोटिफिकेशन जारी होने से पहले की थीं। वहीं, तीसरे शख्स राजशेखर की प्रति निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) द्वारा प्रमाणित नहीं थी। वह 15,000 रुपये की जमानत राशि भी जमा नहीं कर पाए। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी, राज्यसभा महासचिव पी.सी. मोदी ने तीनों के नामांकन पत्र क्रम में न होने के कारण खारिज किए है। चुनाव आयोग के नोटिफिकेशन के अनुसार, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त है और दस्तावेजों की जांच 22 अगस्त को होगी। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 25 अगस्त है। कोई व्यक्ति उपराष्ट्रपति पद के लिए तब तक निर्वाचित नहीं हो सकता जब तक वह भारत का नागरिक न हो, 35 वर्ष की आयु पूरी न कर चुका हो और राज्यसभा सदस्य के रूप में निर्वाचित होने के योग्य न हो। सत्तारूढ़ एनडीए को उपराष्ट्रपति चुनाव में स्पष्ट बढ़त हासिल है। उपराष्ट्रपति का चुनाव लोकसभा और राज्यसभा के सदस्यों द्वारा होता है, साथ ही उच्च सदन के मनोनीत सदस्य भी मतदान के पात्र होते हैं।

प्रियंका गांधी का चुनाव आयोग से सीधा सवाल... हलफनामा क्यों मांग रहे, जांच क्यों नहीं कर रहे?

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग द्वारा बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जारी विवाद अब और तीखा हो गया है। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के मतदाता सूची में धांधली के आरोपों पर चुनाव आयोग की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में राहुल गांधी से शपथ पत्र (हलफनामा) की मांग की गई थी। इस पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने अपनी प्रतिक्रिया में चुनाव आयोग से सवाल किए हैं और हमला बोल दिया है।

सांसद प्रियंका गांधी ने शुक्रवार को मीडिया से बातचीत के दौरान सवाल उठाते हुए कहा, कि अगर कोई शिकायत करता है तो उसकी जांच होनी चाहिए। यह क्या तरीका है कि आप उल्टा शिकायतकर्ता से हलफनामा मांग रहे हैं?

प्रियंका गांधी ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, कि हमने जो शपथ संसद में ली है, उससे बड़ी कौन सी शपथ होगी? आयोग हमें मतदाता सूची क्यों नहीं दे रहा? अगर जानबूझकर गलती हुई है, तो चुनाव आयोग को जांच करनी चाहिए, न कि हमसे एफिडेविट मांगना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि याचिका के अनुसार हलफनामा देने की अवधि 30 दिन होती है, लेकिन उसके बावजूद आयोग ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है।

सांसद प्रियंका गांधी ने फर्जी वोटर लिस्ट के मुद्दे को लेकर कहा कि राहुल गांधी ने विस्तार से बताया है कि एक लाख से ज्यादा फर्जी वोट बिहार की कुछ विधानसभा सीटों में मौजूद हैं। उन्होंने कहा, जब कोई चुनाव लड़ता है, तब उसे पता चलता है कि एक-एक वोट कितना जरूरी होता है। अगर एक लाख वोट फर्जी हैं, तो उसका असर सीधे नतीजे पर पड़ता है। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए चुनाव आयोग पर तंज कसते हुए कहा, अगर कोई बच्चा क्लास में जाकर कहे कि चीटिंग हो रही है, तो क्या टीचर उसे थप्पड़ मारेगी? या जांच करेगी कि क्या हो रहा है? आयोग को जांच करनी चाहिए, न कि शिकायत करने वालों से एफिडेविट मांगना चाहिए।

क्या होगी आगे की रणनीति?

इंडिया गठबंधन की आगे की रणनीति को लेकर प्रियंका गांधी ने कहा कि सभी दल मिलकर निर्णय लेंगे, लेकिन स्पष्ट है कि इस मुद्दे को लेकर वे पीछे हटने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा, हर वोट की अहमियत होती है। अगर वोटरों को जानबूझकर हटाया जा रहा है, तो यह लोकतंत्र पर सीधा हमला है।

इससे पहले चुनाव आयोग के फैक्ट चेक हैंडल से कहा गया था कि राहुल गांधी द्वारा लगाए गए आरोप भ्रामक हैं। आयोग ने 1960 के वोटर रजिस्ट्रेशन नियम 20(3)(बी) का हवाला भी दिया है और शपथ पत्र मांगा है।

धराली में तबाही ने सब कर दिया बर्बाद, सीएम ने ग्राउंड जीरो पर संभाला मोर्चा

-कहा- राहत शिविरों में भोजन, पानी, दवाई और जरुरी सामान की कमी न हो

देहरादून (एजेंसी)। बादल फटने से हुई तबाह धराली की मलबे में रुंध गईं। आपदा के चलते सड़कों का नाता टूट गया। अलग-थलग पड़ा उच्च हिमालय का कातर को हमदर्द और हौसले की सख्त जरूरत थी। ऐसी विपदा में सीएम पुष्कर सिंह धामी ने दो दिन तक ग्राउंड जीरो पर मोर्चा संभाला। उन्होंने प्रशासनिक क्षमता के साथ प्रदेश के राजनीतिक नेतृत्व के रूप में मजबूत छवि गढ़ी। देहरादून से लेकर उत्तरकाशी तक पूरा तंत्र सक्रिय रहा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आपदाग्रस्त क्षेत्रों में सीएम धामी सबसे पहले पहुंचे तो पीड़ित भी अपने बीच उन्हें पाकर उनके कंधे पर सिर रखा रोने लगे। सांत्वना और विश्वास के रूप में धामी उनके बीच थे। उत्तरकाशी जिले में 2023 के नवंबर माह में सिलक्यारा में निर्माणाधीन सुरंग ढहने से 41 श्रमिक फंस गए थे। आपदा की उस घड़ी में भी धामी ने सरकार के नेतृत्वकर्ता के रूप में मौके पर डेरा डाला था। केंद्र से मिल रहा निरंतर सहयोग उनकी मौके पर मौजूदगी से और प्रभावी बन गया था। तब भी धामी ने प्रशासनिक क्षमता के साथ प्रदेश के राजनीतिक नेतृत्व के रूप में अपनी छवि राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित की थी।

धराली आपदा के मौके पर धामी एक बार फिर उत्तरकाशी जिले में प्रभावितों के बीच पहुंच गए। विगत मंगलवार को आंध्र प्रदेश का दौरा बीच में छोड़कर देर सायं देहरादून लौटे धामी सीधे राज्य आपदा परिचालन केंद्र पहुंचे। राहत को मिशन बनाकर सीएम दो दिन से ग्राउंड जीरो पर हैं। राहत और बचाव कार्यों को युद्ध स्तर पर संचालित करने के साथ-साथ वह पल-पल की जानकारी ले रहे हैं। हर स्तर पर व्यवस्था पर सीएम की नजर है। परिणामस्वरूप आपदा प्रबंधन की पूरी मशीनरी 24 घंटे क्रियाशील है।

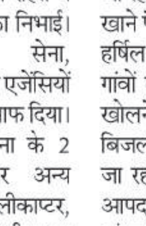

शासन के वरिष्ठ अधिकारी देहरादून स्थित राज्य आपदा परिचालन केंद्र के जरिए से सीएम के साथ ही राहत व बचाव दलों के संपर्क में लगातार बने हुए हैं। सड़क संपर्क और पुल से कटे होने के कारण हेली सेवाओं ने राहत व बचाव कार्यों को गति देने में भूमिका निभाई। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, आइटीबीपी व अन्य केंद्र व राज्य की एजेंसियों के साथ बेहतर समन्वय का प्रभाव साफ दिया।

इस पूरे आपरेशन में वायुसेना के 2 चिनूक, 2 एमआई-17, चार अन्य हेलीकाप्टर, राज्य सरकार के आठ हेलीकाप्टर, एक आर्मी एएलएच और दो चीता हेलीकाप्टर लगाए गए। इस कारण प्रभावितों तक राहत तेजी से पहुंच रही है। जमीनी स्तर पर राजपुताना राइफल्स के 150 जवान, घातक टीम के 12 कमांडो, एनडीआरएफ के 69, एसडीआरएफ के 50 जवान, चार मेडिकल टीमें, 9 फायर टीमें, 130 आईटीबीपी के जवान, और बीआरओ के 15 कर्मियों समेत कुल 479 अधिकारी-कर्मचारी दिन-रात तैनात हैं। इसके अलावा 814 अतिरिक्त जवानों को अन्य क्षेत्रों से सीधे प्रभावित क्षेत्र में तैनात किया गया है।

सीएम धामी ने गंभीर घायलों को एयरलिफ्ट कर देहरादून या एम्स ऋषिकेश भेजने के निर्देश दिए। राहत शिविरों में भोजन, पानी, दवाइयों और अन्य जरुरी सामान की कमी न हो, इस पर नजर रखी जा रही है। प्रभावितों के लिए 2000 से ज्यादा खाने पैकेट भेजे गए। ड्राइ राशन हवाई मार्ग से हर्षिल पहुंचाया जा रहा है, जहां से उसे दूरस्थ गांवों तक पहुंचाया जाएगा। बंद सड़कों को खोलने, इंटरनेट सेवा की बहाली, और बिजली, पेयजल की टूटी लाइन को भी जोड़ा जा रहा है। धामी ने गुरुवार को पौड़ी जिले आपदा प्रभावित नैठा बाजार, सैंजी गांव और बांकुड़ा क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया और माताओं-बहनों से भेंट की।

चीन के विशाल डैम पर हमारी नजर... राज्यसभा में केंद्र सरकार ने दिया जबाव

नई दिल्ली(एजेंसी)। ब्रह्मपुत्र नदी पर चीन तिब्बत के इलाके में जो विशाल डैम बना रहा है, उसपर मोदी सरकार ने सवाल के जवाब में पहली बार संज्ञान लिया है। चीन यह बांध ब्रह्मपुत्र के ऊपरी हिस्से में बना रहा है, इस तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो कहते हैं। केंद्र सरकार ने राज्यसभा में एक लिखित सवाल के जवाब में कहा है कि प्रोजेक्ट को पहली बार 1986 में सार्वजनिक किया गया था और तब से चीन ब्रह्मपुत्र नदी पर विशाल बांध बनाने की तैयारियों में लगा है। चीन का यह प्रोजेक्ट इतना विशाल है कि इसकी वजह से भारत, बांग्लादेश और म्यांमार तक में सुरक्षा चिंताएं बढ़ी हुई हैं।

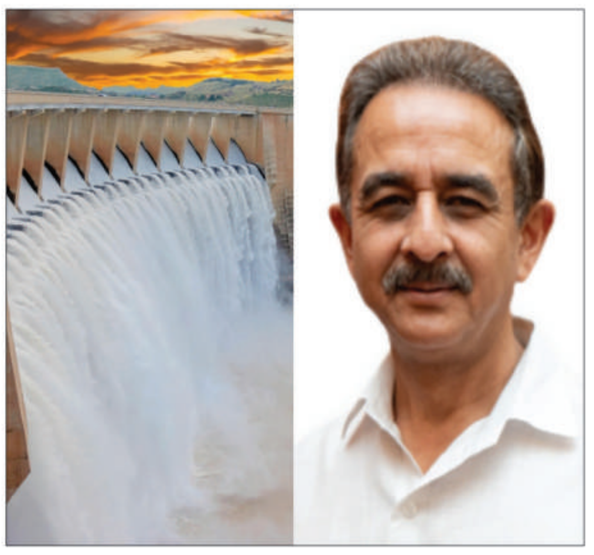

राज्यसभा में विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने बताया कि भारत ने चीन की ओर से तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो के निचले क्षेत्र में बनाया जा रहे मेगा डैम प्रोजेक्ट के निर्माण शुरू करने की रिपोर्टों पर संज्ञान लिया गया है। उनके अनुसार चीन 1986 से ही इसकी तैयारियों में जुटा हुआ है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा है कि मोदी सरकार ब्रह्मपुत्र नदी से जुड़ी सभी गतिविधियों पर सावधानीपूर्वक नजर रख रही है। इसके तहत चीन की ओर से हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट बनाने की योजना के साथ-साथ हमारे हितों की सुरक्षा के लिए सभी जरूरी उपाय करना शामिल है। सरकार की ओर से बताया गया हैं कि सीमा पार की नदियों से संबंधित विभिन्न मसलों पर चीन के साथ संस्थागत विशेषज्ञ स्तरीय मेकेनिज्म के तहत चर्चा होती है। इसकी स्थापना 2006 में की गई थी। इसके अलावा राजनयिक स्तर पर भी चर्चा की जाती है। मंत्री ने कहा कि सरकार ने चीन को कहा है कि नदियों के पानी पर हमारा भी हक है। हम निचले क्षेत्र में हैं और यहां के लोगों का भी पानी पर अधिकार है। सरकार ने चीन से कहा है कि वो निचले हिस्से के देशों से भी सलाह करे और यह सुनिश्चित करे कि ऊपर के क्षेत्र की गतिविधियों से निचले हिस्से के क्षेत्रों के हितों को कोई नुकसान न हो। चीन के साथ सीमा पार की नदियों पर सहयोग के मामले में पानी से जुड़ी जानकारी फिर से देना भी शामिल है

खुफिया एजेंसियों ने किया अलर्ट: बांग्लादेश अब भारत में फैलाना चाहता है आतंकी गतिविधियां

नई दिल्ली(एजेंसी)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस अब अपने रंग में आते दिख रहे हैं। पाकिस्तान और तुर्की जैसे आतंकपरस्त देशों से हाथ मिलने वाले यूनुस अब भारत में आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने वाले जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) को फिर से ऑक्सीजन देने में जुटे हैं। इससे नोबेल पुरस्कार विजेता यूनुस का कट्टरपंथी चेहरा बेनकाब हो गया है। भारत की खुफिया एजेंसियों ने इसका खुलासा किया है। इनके अनुसार, बांग्लादेश स्थित प्रतिबंधित आतंकी संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) एक बार फिर सक्रिय होता नजर आ रहा है। बीते आठ साल से निष्क्रिय हो चुके इस संगठन की फिर से वापसी से भारत की पूर्वोत्तर सीमाओं और पश्चिम बंगाल पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

जेएमबी अब अपनी ताकत बढ़ाने के लिए अल-कायदा का भी साथ मांग रहा है, ताकि उसकी विचारधारा का तेजी से प्रसार हो सके। जहां अल-कायदा रणनीतिक दृष्टिकोण से प्रभावी है, वहीं जेएमबी जमीनी स्तर पर काम करने में माहिर है। मोहम्मद यूनुस के अंतरिम सरकार के प्रमुख बनने के बाद पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के कई अधिकारी बांग्लादेश पहुंचे और कट्टरपंथी संगठनों के नेताओं से मुलाकात की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईएसआई चाहता है कि जेएमबी, अल-कायदा और अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) मिलकर भारत को निशाना बनाएं और एक-दूसरे के काम में बाधा न डालें। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि बांग्लादेश की जेएमबी का बड़े स्तर पर फिर से सक्रिय किया जा रहा है। यह सीधे तौर पर भारत की सुरक्षा के लिए चुनौती बन सकता है। खासकर अवैध घुसपैठियों और शरणार्थियों का उपयोग जेएमबी अपने फुट सोल्जर के तौर पर कर रहा है, जिससे भारत में अस्थिरता फैलाने की साजिशें रची जा रही हैं। शेख हसीना की सत्ता से विदाई के बाद कट्टरपंथी समूहों को खुली छूट मिल गई है। इसी के चलते न केवल जेएमबी, बल्कि कई अन्य आतंकी संगठनों को भी फिर से संगठित किया जा रहा है।

भारत के खिलाफ जेएमबी की साजिश बेहद खतरनाक मानी जा रही है। ये संगठन रोहिंग्या और अवैध प्रवासियों की भर्ती कर रहा है और उन्हें भारत के मुस्लिम बहुल इलाकों में भेजकर वहां छोटे-मोटे उद्योगों में काम करने को कह रहा है, ताकि वे संदेह से बचे रहें। साथ ही, समय-समय पर गुप्त बैठकों के जरिए योजना बनाई जा रही है। गौरतलब है कि 2014 में पश्चिम बंगाल के बर्दवान में हुए विस्फोट में भी जेएमबी का हाथ था, जिसमें एक बम बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़ हुआ था। तब भी इसमें शामिल अधिकतर लोग अवैध प्रवासी थे। वर्तमान में जेएमबी भारत-बांग्लादेश की पश्चिम बंगाल और असम सीमा की कमजोरी का फायदा उठा रहा है। मौजूदा परिस्थितियों में बांग्लादेश की अस्थिरता और भारत से

ठंडी पड़ी कूटनीतिक रिश्तों के कारण भारत के लिए यह खतरा और भी गंभीर हो गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को इस चुनौती से निपटने के लिए बांग्लादेश सरकार के सहयोग की जरूरत है, जैसा कि शेख हसीना के कार्यकाल में देखने को मिला था। लेकिन, अब यूनुस सरकार का झुकाव पाकिस्तान की ओर अधिक है, जिससे भारत-बांग्लादेश के रिश्तों में तनाव बना हुआ है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 7903538992, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902